PRESS
राष्ट्रीय मुख्यधारा
PRINT | WEB | VIDEO
बोकारो, रविवार
02.03.2025
पृष्ठ : 12, मूल्य : 2/
वर्ष : 12, अंक : 30

हिन्दी दैनिक
mukhyadhara.daily@gmail.com +91 8873 319 159
RNI : JHAHIN/2014/54374

राष्ट्रीय मुख्यधारा

www.rashtriyamukhyadhara.com
अख़बार भी, आन्दोलन भी

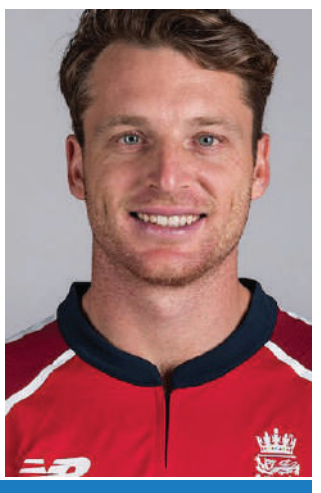

राष्ट्र, राष्ट्रहित और राष्ट्रवाद को सदैव समर्पित : देश से बढ़ कर कुछ भी नहीं !

नेक्स्ट कॉन्क्लेव 2025 में पीएम मोदी ने कहा, दुनिया का केंद्र बन चुका है 21 सदी का भारत

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा, आज हम सिर्फ वर्क-फोर्स नहीं, बल्कि वर्ल्ड-फोर्स हैं बोले-आज भारत दुनिया का वह देश, जहां पॉजिटिव न्यूज लगातार क्रिएट होती हैनई

एजेंसी। नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि दशकों तक दुनिया भारत को अपना बैक ऑफिस कहती रही है। आज भारत न्यू फैक्टरी ऑफ द वर्ल्ड के रूप में उभर रहा है। हम सिर्फ वर्क-फोर्स नहीं बल्कि वर्ल्ड-फोर्स हैं। प्रधानमंत्री मोदी ने यह बात यहां भारत मंडपम में आयोजित एनएक्सटी कॉन्क्लेव में कही। प्रधानमंत्री ने इस दौरान न्यूजएक्स वर्ल्ड चैनल भी लॉन्च किया। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पहले हम जो सामान आयात करते थे, अब उनका स्थानीय स्तर पर उत्पादन किया जा रहा है। देश उन उत्पादों के निर्यात केंद्र के रूप में उभर रहा है। उन्होंने कहा कि किसान जो कभी स्थानीय बाजारों तक सीमित थे, अब अपनी फसलों को वैश्विक बाजारों तक पहुंचते देख रहे हैं। पुलवामा के बर्फीले मटर, महाराष्ट्र के पुरंदर अंजीर और कश्मीर के क्रिकेट बैट जैसे उत्पादों की दुनिया भर में मांग है। उन्होंने कहा कि आज भारत बहुत बड़े टारगेट्स रख पा रहा है और उनको अचीव कर रहा है तो इसके मूल में एक खास मंत्र है। ये मंत्र मिनिमम गवर्नमेंट, मैक्सिमम गवर्नेंस है। यह कुशल एवं प्रभावी शासन का मंत्र है। एक दशक में हमने करीब 1,500 ऐसे कानूनों को खत्म किया है, जो अपना महत्व खो चुके थे। इनमें से बहुत सारे कानून अंग्रेजी शासन के दौरान बने थे। प्रधानमंत्री ने दिल्ली में खान मार्किट गैंग और लुटियंस गैंग पर एक बार फिर निशाना साधते हुए कहा कि मुझे उस समय की सरकार और नेताओं से कुछ कहना नहीं है, लेकिन मुझे ज्यादातर तो ये लुटियन जमात पर आश्चर्य हो रहा है, ये खान मार्केट गैंग पर आश्चर्य हो रहा है। ये लोग 75 साल तक ऐसे कानून पर चुप क्यों थे। ये हमारी सरकार है जिसने गुलामी के कालखंड के कानून को खत्म किया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा कि पिछले दशक में 2.5 करोड़ से अधिक घरों को पहली

बार बिजली मिली। बिजली की मांग और उत्पादन में इस वृद्धि के कारण इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों की मांग में वृद्धि हुई। सस्ते डेटा ने मोबाइल फोन की मांग को और बढ़ा दिया, जिसके कारण डिजिटल उपकरणों की खपत में वृद्धि हुई। इस मांग को अवसर में बदलकर हमने पीएलआई योजना जैसे कार्यक्रम शुरू किए और भारत अब इलेक्ट्रॉनिक्स का एक बड़ा निर्यातक बन गया है। उन्होंने कहा कि 21वीं सदी के भारत पर आज पूरी दुनिया की नजर है। दुनिया भर के लोग भारत आना चाहते हैं, भारत को जानना चाहते हैं। आज भारत, दुनिया का वो देश है, जहां पॉजिटिव न्यूज लगातार क्रिएट हो रही है। न्यूज मैन्यूफेक्चर नहीं करना पड़ रहा है। जहां हर रोज नए रिकॉर्ड बन रहे हैं, कुछ न कुछ नया हो रहा है। उन्होंने कहा कि 26 फरवरी को ही प्रयागराज में एकता का महाकुम्भ संपन्न हुआ है। पूरी दुनिया हैरान है कि कैसे एक अस्थायी शहर में, नदी के तट पर करोड़ों लोगों ने स्नान किया। आज दुनिया भारत की आयोजन और नवाचार कौशल क्षमता को देख रही है। हम सेमीकंडक्टर से लेकर एयरक्राफ्ट तक यहीं पर तैयार कर रहे हैं। दुनिया, भारत की इसी सफलता को विस्तार से जानना चाहती है। प्रधानमंत्री ने कहा कि कुछ महीने पहले ही, भारत ने दुनिया के सबसे बड़े चुनाव कराए हैं। 60 साल बाद ऐसा हुआ जब भारत में कोई सरकार लगातार तीसरी बार वापस लौटी है। इस जन विश्वास का आधार पिछले 11 साल में भारत की अनेकों उपलब्धियां हैं। मुझे विश्वास है कि आपका नया चैनल भारत की रियल स्टोरी दुनिया तक पहुंचाएगा। बिना कोई रंग दिए आपका ग्लोबल चैनल, भारत की वैसी ही तस्वीर दिखाएगा, जैसा वो है। हमें मेकअप की जरूरत नहीं है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि कई साल पहले उन्होंने वोकल फॉर लोकल और लोकल फॉर ग्लोबल का विजन देश के सामने रखा था। आज हम इस विजन को वास्तविकता में बदलते हुए देख रहे हैं। आज हमारे आयुष प्रोडक्ट्स और योग, लोकल से ग्लोबल हो गए हैं। आज भारत के सुपरफूड, हमारा खाना, लोकल से ग्लोबल हो रहा है। भारत के मिलेट्स- श्रीअन्न भी, लोकल से ग्लोबल हो रहे हैं। भारत, दुनिया का सातवां सबसे बड़ा कॉफी एक्सपोर्टर बन गया है। उन्होंने ने कहा कि दुनिया को शून्य की अवधारणा देने वाला भारत आज अनंत नवाचारों की भूमि बनता जा रहा है। उन्होंने कहा कि भारत का युवा हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति ने विद्यार्थियों को पाठ्य पुस्तकों से परे सोचने का अवसर दिया है।

पीएम मोदी ने टोनी एबॉट और रानिल विक्रमसिंघे सहित तमाम वैश्विक नेताओं से मुलाकात की

एजेंसी। नई दिल्ली

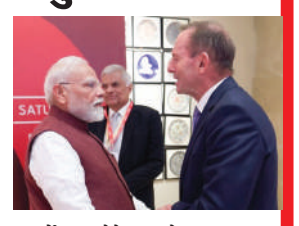

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने आज नई दिल्ली के भारत मंडपम में आयोजित एनएक्सटी कॉन्क्लेव में ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट और श्रीलंका के पूर्व राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे सहित कई वैश्विक नेताओं से मुलाकात की। प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर तमाम नेताओं के साथ मुलाकात की तस्वीरें साझा की हैं। प्रधानमंत्री ने एक्स पर लिखा, "अपने अच्छे मित्र और ऑस्ट्रेलिया के पूर्व प्रधानमंत्री टोनी एबॉट से मिलकर बहुत खुशी हुई। वे हमेशा से भारत के मित्र रहे हैं। हम सभी ने उन्हें अपनी वर्तमान यात्रा के दौरान मिलेट्स का आनंद लेते देखा है। मोदी ने कहा कि एनएक्सटी कॉन्क्लेव में अपने मित्र रानिल विक्रमसिंघे से मुलाकात की। मैं हमेशा हमारी बातचीत का इंतजार करता रहा हूं और विभिन्न मुद्दों पर उनके दृष्टिकोण की प्रशंसा करता रहा हूं। प्रधानमंत्री ने एनएक्सटी कॉन्क्लेव में यूनिवर्सिटी ऑफ कैंब्रिज बिजनेस स्कूल के इनोवेशन हब के लीड प्रोफेसर कार्लोस मोंटेस से मुलाकात पर लिखा, "आज एनएक्सटी कॉन्क्लेव में कार्लोस मोंटेस से बातचीत की। उन्होंने सामाजिक नवाचारों को आगे बढ़ाने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। उन्होंने डिजिटल प्रौद्योगिकी, फिनटेक और अन्य क्षेत्रों में भारत की प्रगति की सराहना की है। प्रधानमंत्री ने एमआईटी स्लोन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट में वरिष्ठ व्याख्याता प्रो. जोनाथन फ्लेमिंग से एनएक्सटी कॉन्क्लेव में मुलाकात पर लिखा, "एमआईटी स्लोन स्कूल ऑफ मैनेजमेंट से जुड़े प्रोफेसर जोनाथन फ्लेमिंग से मुलाकात की। सार्वजनिक और निजी दोनों क्षेत्रों में जीवन विज्ञान में उनका काम अनुकरणीय है। इस क्षेत्र में आने वाली प्रतिभाओं और नवाचारों को मार्गदर्शन देने का उनका जुनून भी उतना ही प्रेरणादायक है।

संक्षिप्त समाचार

मणिपुर में 8 मार्च से सभी सड़कों पर लोगों की निर्विघ्न आवाजाही सुनिश्चित की जाए: अमित शाह

नई दिल्ली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने आज नई दिल्ली में मणिपुर की सुरक्षा स्थिति पर एक उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक की अध्यक्षता की। बैठक में गृह मंत्री ने निर्देश दिया कि 8 मार्च से मणिपुर में सभी सड़कों पर जनता की स्वतंत्र आवाजाही सुनिश्चित की जाए और बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए। गृह मंत्रालय के अनुसार नॉर्थ ब्लॉक में आयोजित बैठक में मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला, केंद्रीय गृह सचिव गोविंद मोहन, आसूचना ब्यूरो के निदेशक तपन कुमार डेका, सेना के उप प्रमुख, पूर्वी कमान के सेना कमांडर, सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ), केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) और असम राइफल्स के महानिदेशक, मणिपुर के सुरक्षा सलाहकार और गृह मंत्रालय (एमएचए), सेना और मणिपुर प्रशासन के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए। बैठक के दौरान केन्द्रीय गृह एवं सहकारिता मंत्री अमित शाह ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत सरकार मणिपुर में स्थायी शांति बहाल करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है तथा इस संबंध में सभी आवश्यक सहायता प्रदान कर रही है। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने निर्देश दिया कि 8 मार्च, 2025 से मणिपुर में सभी सड़कों पर लोगों के लिए निर्विघ्न आवाजाही सुनिश्चित की जाए। उन्होंने यह भी निर्देश दिया कि बाधा उत्पन्न करने का प्रयास करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाए।

मध्यप्रदेश में बर्ड-फ्लू के 4 मामले सामने आए, केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय सतर्क

नई दिल्ली। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय ने शुक्रवार को कहा कि मध्य प्रदेश में तीन पालतू बिल्लियों और एक पक्षी में अत्यधिक रोगजनक एवियन इन्फ्लूएंजा (एच5एन1) के चार मामलों का पता चला है। मंत्रालय ने कहा कि राज्यों को सतर्क कर दिया गया है। 31 जनवरी को एवियन इन्फ्लूएंजा या बर्ड-फ्लू के मामले अधिसूचित होने के बाद आवश्यक सार्वजनिक-स्वास्थ्य उपाय शुरू किए गए थे।एवियन इन्फ्लुएंजा के मद्देनजर राज्यों को नियंत्रण और रोकथाम अभियान शुरू करने का अनुरोध किया गया था। मंत्रालय ने बताया कि एवियन इन्फ्लुएंजा (2021) की रोकथाम, नियंत्रण और रोकथाम योजना के तहत अगर बर्ड फ्लू की पुष्टि होती है तो पक्षी बाज़ार कुछ समय के लिए बंद कर दिया जाता है। मंत्रालय ने बताया कि पशु चिकित्सकों, अन्य संपर्कों और जीवित पक्षी बाजार में काम करने वाले लोगों से 65 मानव नमूने एकत्र किए गए और 10 फरवरी 2025 को परीक्षण के लिए एनआईवी पुणे भेजे गए।

जन औषधि सप्ताह शुरू, जेपी नड्डा ने दिखाई जन औषधि रथों को हरी झंडी

नई दिल्ली। केंद्रीय रसायन एवं उर्वरक और स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याणमंत्री जगत प्रकाश नड्डा ने आज जन औषधि दिवस सप्ताह की शुरुआत की। उन्होंने सप्ताह भर चलने वाले समारोह का उद्घाटन करते हुए प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना (पीएमबीजेपी) की ब्रांडिंग वाली वैन (रथ) को हरी झंडी दिखाई। इस अवसर पर केंद्रीय रसायन और उर्वरक राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल और फार्मास्यूटिकल्स विभाग के सचिव अमित अग्रवाल भी उपस्थित कगे। पीएमबीजेपी के बारे में जागरुकता पैदा करने के लिए यह रथ दिल्ली-एनसीआर में चलेंगे। यह अभियान आज से सात मार्च तक चलेगा। यह समारोह प्रधानमंत्री मोदी द्वारा शुरू पीएमबीजेपी परियोजना का प्रमुख हिस्सा है। इसका उद्देश्य सस्ती जेनेरिक दवाएं उपलब्ध कराकर देश के नागरिकों को सुलभ और

गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा प्रदान करना है। ये वाहन (रथ) जन औषधि केंद्रों के लाभों के बारे में जानकारी प्रदान करने और प्रभावी और सुलभ जेनेरिक दवाओं तक पहुंच को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली-एनसीआर क्षेत्र में घूमेंगे।

क्या है यह योजना : प्रधानमंत्री जन औषधि योजना प्रधानमंत्री मोदी द्वारा 23 अप्रैल 2018 को घोषित एक योजना है। 2014-15 में जनऔषधि योजना का नाम बदलकर प्रधानमंत्री भारतीय जनऔषधि परियोजना किया।

हमारे देश में आर्बिट्रल प्रक्रिया सामान्य न्यायिक तंत्र पर अतिरिक्त बोझ बन गई है : उपराष्ट्रपति

एजेंसी। नई दिल्ली

उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने शनिवार को कहा कि हमारे देश में आर्बिट्रल प्रक्रिया सामान्य न्यायिक तंत्र पर एक अतिरिक्त बोझ बन गई है। धनखड़ नई दिल्ली के भारत मंडपम में इंडिया इंटरनेशनल आर्बिट्रेशन सेंटर (आईआईएसी) द्वारा आयोजित संगोष्ठी को संबोधित कर रहे थे। उपराष्ट्रपति धनखड़ ने कहा कि आर्बिट्रेटर भी उतनी ही महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं, जितनी कि बार से जुड़े सदस्य। आश्चर्यजनक रूप से और मैं यह बहुत ही संयमित तरीके से कह रहा हूं कि आर्बिट्रल प्रक्रिया निर्धारण से जुड़े एक वर्ग के एक हिस्से पर पूरी तरह से सख्त नियंत्रण है। यह

सख्त नियंत्रण न्यायिक शक्तियों से उत्पन्न होता है। यदि हम इसे वस्तुनिष्ठ रूप से देखें तो यह अत्यधिक दर्दनाक है। उन्होंने कहा कि इस देश के पास हर क्षेत्र में समृद्ध मानव संसाधन हैं। महासागर विज्ञान, समुद्रविज्ञान, विमानन, बुनियादी ढांचा और क्या नहीं। और जो विवाद हैं, वे अनुभव से संबंधित होते हैं, जो क्षेत्रीय होते हैं। दुर्भाग्यवश, हमने इस देश में आर्बिट्रेशन को केवल एक संकीर्ण दृष्टिकोण से देखा है, जैसे कि यह न्यायिक निर्णय है। यह न्यायिक निर्णय से कहीं अधिक है। यह पारंपरिक निर्णय नहीं है जैसा कि वैश्विक स्तर पर ऐतिहासिक रूप से मूल्यांकन किया गया है। आर्बिट्रेशन में क्षेत्र विशेषज्ञों की भागीदारी की आवश्यकता पर जोर देते हुए धनखड़ ने कहा कि देश के एक पूर्व मुख्य न्यायाधीश ने यह टिप्पणी की थी कि प्रक्रिया अब पुराने दोस्तों का क्लब बन गई है। वह सेवानिवृत्त न्यायधीशों की आर्बिट्रल प्रक्रिया में भागीदारी को लेकर कह रहे थे। उन्होंने कहा कि वह स्पष्ट करना चाहते हैं कि इस देश के सेवानिवृत्त न्यायधीश आर्बिट्रल प्रक्रिया के लिए ऐसेट हैं। वे हमें विश्वसनीयता प्रदान करते हैं। आर्टिकल 136 के उपयोग और इसके आर्बिट्रल प्रक्रिया पर प्रभाव की ओर ध्यान आकर्षित करते हुए धनखड़ ने कहा कि देश के अटॉर्नी जनरल वास्तव में इस पर विचार कर सकते हैं और बड़ा बदलाव ला सकते हैं। दुनिया में ऐसा कौन सा देश है, जहां उच्चतम न्यायालय द्वारा स्वतः संज्ञान लिया जाता है? मुझे यकीन है, मैं किसी और देश में नहीं देख सकता। आर्बिट्रेशन प्रणाली के विकास को लेकर अपनी चिंता व्यक्त करते हुए धनखड़ ने कहा कि अब वह समय आ गया है, जब भारत हर क्षेत्र में वैश्विक स्तर पर उभर रहा है। मतभेदों के समाधान की आवश्यकता पर जोर देते हुए उपराष्ट्रपति ने कहा कि आइए हम यह कदम दर कदम करें, क्योंकि अब समय आ गया है, वैकल्पिक समाधान से लेकर आपसी समाधान की ओर बढ़ें।

पीएम मोदी ने माणा रेस्क्यू ऑपरेशन की मुख्यमंत्री धामी से ली जानकारी

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उत्तराखंड के चमोली के माणा में हिमस्खलन के दौरान फंसे श्रमिकों को सकुशल निकालने के प्रयासों में राज्य सरकार को हर संभव मदद का भरोसा दिया है। उन्होंने उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से बातचीत भी की है। प्रधानमंत्री मोदी ने उनसे रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली। मुख्यमंत्री धामी ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी से हुई बातचीत का विवरण एक्स पोस्ट के माध्यम से साझा किया है। आदरणीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी जी ने फोन पर बात कर जनपद चमोली के माणा में फंसे श्रमिकों को सुरक्षित निकालने के लिए चलाए जा रहे रेस्क्यू ऑपरेशन की जानकारी ली। साथ ही उन्होंने प्रदेश में हो रही बारिश और हिमपात की स्थिति पर भी विस्तृत जानकारी ली। इस दौरान प्रधानमंत्री जी ने केंद्र सरकार की ओर से किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए हर संभव सहायता प्रदान किए जाने का आश्वासन दिया। मुख्यमंत्री धामी ने एक अन्य एक्स पोस्ट में लिखा है कि राहत एवं बचाव अभियान के क्रम में 14 अन्य श्रमिकों को भी सकुशल बाहर निकाल लिया गया है। बाहर निकाले गए श्रमिकों को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं प्रदान की जा रही हैं। गंभीर रूप से घायल तीन श्रमिकों को आर्मी चिकित्सालय ज्योतिर्मठ में उपचार के लिए भेज दिया गया है।

देशभर की अदालतों में 5.2 करोड़ मामले लंबितः न्याय प्रणाली के लिए बड़ी चुनौती

नई दिल्ली। देश की अदालतों में लंबित मामलों की संख्या लगातार बढ़ रही है, जिससे न्याय प्रक्रिया धीमी हो रही है और न्याय मिलने में देरी हो रही है। देश की न्यायपालिका तीन स्तरों पर काम करती है-सुप्रीम कोर्ट, हाई कोर्ट और जिला अदालतें। इन अदालतों में मामले मुख्य रूप से दो प्रकार के होते हैं—सिविल और आपराधिक।वर्ष 2025 में, देशभर में 5.2 करोड़ (52 मिलियन) से अधिक मामले लंबित हैं, जिनमें से 1.8 लाख से अधिक मामले 30 साल से अधिक समय से लंबित हैं। सबसे अधिक 4.5 करोड़ मामले (85प्रतिशत) सिर्फ जिला अदालतों में लंबित हैं। हालांकि मामलों के निपटारे में तेजी लाने के लिए सरकार और न्यायपालिका विभिन्न उपायों पर विचार कर रही हैं, जिनमें

डिजिटल कोर्ट सिस्टम, वैकल्पिक विवाद समाधान, लोक अदालतों को बढ़ावा देना, और न्यायधीशों की संख्या में वृद्धि शामिल हैं। हालांकि, जब तक प्रभावी कदम नहीं उठाए जाते, तब तक न्याय मिलने में देरी बनी रहेगी और आम जनता को इसका खामियाजा भुगतना पड़ेगा। भारत में लंबित मामलों की संख्या दुनिया में सबसे अधिक है। कई न्यायाधीशों और सरकारी अधिकारियों ने इसे भारतीय न्याय प्रणाली के सामने सबसे बड़ी चुनौती करार दिया है।

हिमाचल में बादल फटेः बिजली-पानी सप्लाई ठप, मलबे में बह गई गाडियां, 6 सौ सड़कें हुईं बंद

एजेंसी। शिमला

हिमाचल प्रदेश में बादल फटने से भारी तबाही हुई है। यहां लगभग 6 सौ सड़कें बंद हो गईं और बारिश से बहे मलबे में कई गाडियां बह गईं। यहां दो दिनों तक हुई लगातार वारिस में 593 सड़कें अवरुद्ध हुई हैं। इनमें 85 जगहें राष्ट्रीय राजमार्ग पर हैं। कुल्लू के पाहनाला में बाढ़ के मलबे में आठ वाहन दब गए। कुल्लू में सरवरी नाले में गाड़ियों के लिए पार्किंग बनाई गई थी। बादल फटने के बाद पानी मलबे के साथ तेज गति से आया और गाड़ियों को अपने साथ बहा ले गया। भूस्खलन की वजह से मनाली फोरलेने हाइवे कई जगहों पर बंद हो गया है। हाइवे में पहाड़ से गिरा मलबा जमा हुआ है, जिसे हटाया जा रहा है। कुल्लू के गांधीनगर

नाले में बाढ़ से तीन वाहन मलबे में दब गए। मनाली में पेड़ गिरने से दो वाहन क्षतिग्रस्त हो गए और हडिम्बा मंदिर पर भी पेड़ टूटा है। कांगड़ा के मुल्थान में नौ वाहन क्षतिग्रस्त हो गए। छोटा भंगाल के मुल्थान में बादल फटने के बाद 12 घर खतरे की जद में हैं, यहां के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर भेजा गया है। फिलहाल शनिवार को मौसम शांत है और आने वाले दिनों में लोगों को राहत मिलने की उम्मीद है। चंबा की अति दुर्गम पागी घाटी में पिछले चार दिन से लगातार बर्फबारी हो रही थी। इससे जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया। सर्दी बढ़ गई और पागी घाटी शहर के बाकी हिस्सों से पूरी तरह कट गई। दो दिनों से बिजली आपूर्ति भी बाधित हुई है। घाटी में जारी बर्फबारी अब रुक गई है और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है। आज मौसम ठीक है, लेकिन आसमान में बादल हैं। यहां चार दिन में लगभग 3 फीट बर्फ पड़ चुकी है।

2263 ट्रांसफार्मर ठप : इसके अलावा बिजली के 2263 ट्रांसफार्मर ठप हो चुके हैं। इससे बिजली की आपूर्ति प्रभावित हुई है। 279 जल आपूर्ति योजनाएं भी प्रभावित हुई हैं। शुक्रवार को कुल्लू के पाहनाला और कांगड़ा के छोटा भंगाल के मुल्थान में बादल फटे, जबकि मंडी के वरोट के पहाड़ पर भी ऐसी ही आशंका जताई जा रही है।

इस वर्ष के केन्द्रीय बजट का उद्देश्य कृषि क्षेत्र को अधिक लचीला और समृद्ध बनाना है : प्रधानमंत्री

नई दिल्ली

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से कृषि एवं ग्रामीण समृद्धि पर बजट पश्चात वेबिनार को संबोधित करते हुए कहा कि इस वर्ष के केन्द्रीय बजट का उद्देश्य कृषि क्षेत्र को अधिक लचीला और समृद्ध बनाना है। उन्होंने कहा कि बजट घोषणाओं को लागू करने के लिए तेजी से काम करने की जरूरत है। प्रधानमंत्री ने कहा कि इस वर्ष का बजट हमारी सरकार के तीसरे कार्यकाल का पहला पूर्ण बजट था। इस बजट में हमारी नीतियों में निरंतरता और विकसित भारत के विजन में नया विस्तार भी दिखा है। बजट से पहले सभी हितधारकों द्वारा दिए गए इनपुट और सुझाव बजट तैयार करते समय बहुत उपयोगी रहे। अब इस बजट को और अधिक प्रभावी तरीके से लागू करने में इसके परिणाम जल्द से जल्द प्राप्त करने में और सभी नीतियों को प्रभावी बनाने में आपकी भूमिका और बढ़ गई है। हम सब मिलकर एक ऐसा भारत बनाने में जुटे हैं, जहां किसान समृद्ध हों। उन्होंने बजट में पीएम धन धान्य योजना की घोषणा का उल्लेख करते हुए कहा कि हमने बजट में पीएम धन धान्य कृषि योजना का ऐलान किया है। इसके तहत देश के 100 सबसे कम कृषि उत्पादकता वाले जिलों के विकास पर फोकस किया जाएगा। उन्होंने कहा कि आज लोगों में पोषण को लेकर काफी जागरूकता बढ़ी है। इसलिए बागवानी, डेयरी और फिशरी प्रोडक्ट्स की बढ़ती मांग को देखते हुए इन क्षेत्रों में काफी निवेश किया गया है। फल और सब्जियों का उत्पादन बढ़ाने के लिए अनेक कार्यक्रम चलाये जा रहे हैं। बिहार में मखाना बोर्ड के गठन की घोषणा भी की गई है। प्रधानमंत्री ने कहा कि हमारी सरकार ग्रामीण अर्थव्यवस्था को समृद्ध बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। पीएम आवास योजना-ग्रामीण के तहत करोड़ों गरीबों को घर दिया जा रहा है, स्वामित्व योजना से संपत्ति मालिकों को 'अधिकारों का अभिलेख' मिला है। हमने सेल्फ हेल्प ग्रुप की आर्थिक ताकत बढ़ाई है। हमने 3 करोड़ लखपति दीदी बनाने का लक्ष्य रखा है। हमारे प्रयासों से सवा करोड़ से ज्यादा बहनें लखपति दीदी बन चुकी हैं। उन्होंने कहा कि विकसित भारत के लक्ष्य की ओर बढ़ रहे भारत के संकल्प बहुत स्पष्ट हैं। हम सभी मिलकर एक ऐसे भारत के निर्माण में जुटे हैं, जहां किसान समृद्ध और सशक्त हो। हमारा प्रयास है कि कोई किसान पीछे न छूटे। हम कृषि को विकास का प्राथमिक इंजन मानते हैं। हम दो प्रमुख लक्ष्यों की ओर काम कर रहे हैं, पहला, कृषि क्षेत्र का विकास और दूसरा गांवों की समृद्धि। पीएम-किसान सम्मान निधि 6 साल पहले शुरू की गई थी और लगभग 3.75 लाख करोड़ रुपये सीधे 11 करोड़ किसानों के बैंक खातों में स्थानांतरित किए गए हैं।

आर्थिक मामलों के सचिव अजय सेठ को राजस्व विभाग का अतिरिक्त प्रभार

एजेंसी। नई दिल्ली

केंद्र सरकार ने शनिवार को आर्थिक मामलों के विभाग (डीईए) के सचिव अजय सेठ को राजस्व विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा है। यह कदम तुहिन कांत पांडे को सेबी का नया प्रमुख नियुक्त किए जाने के बाद उठाया गया है। सरकारी आदेश में कहा गया है कि सक्षम प्राधिकारी ने 1987 बैच के ओडिशा कैडर के भारतीय प्रशासनिक सेवा (आईएएस) के अधिकारी तुहिन कांत पांडे द्वारा पद का प्रभार छोड़ने पर डीईए के सचिव अजय सेठ को राजस्व विभाग के सचिव का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। कर्नाटक कैडर के 1987 बैच के

आईएएस अधिकारी सेठ राजस्व विभाग की अतिरिक्त जिम्मेदारी संभालते हुए आर्थिक मामलों के विभाग में अपने कर्तव्यों को जारी रखेंगे। ज्ञातव्य है कि कैबिनेट की नियुक्ति समिति ने गुरुवार को वित्त सचिव तुहिन कांत पांडे को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) का नया अध्यक्ष नियुक्त करने को मंजूरी दी थी। पांडे तीन साल के शुरुआती कार्यकाल के लिए पदभार संभालेंगे।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

झारखंड पुलिस एसोसिएशन चुनावः राहुल मुर्मू बने अध्यक्ष, संजीव कुमार महामंत्री

एजेंसी : रांची झारखंड पुलिस एसोसिएशन के चुनाव के नतीजे शुक्रवार देर रात घोषित कर दिए गए। 28 फरवरी को हुए मतदान में कुल 1056 मतदाताओं में से 996 ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। गिनती के बाद घोषित परिणामों में राहुल कुमार मुर्मू को अध्यक्ष, रोहित रजक और महताब आलम को उपाध्यक्ष, संजीव कुमार को महामंत्री, राकेश कुमार पांडे और संतोष महतो को संयुक्त सचिव तथा मंटू कुमार को संगठन सचिव चुना गया।इस बार एसोसिएशन के सात पदों के लिए कुल 17 प्रत्याशी चुनावी मैदान में थे।

झारखंड में तीन से चार डिग्री बढ़ेगा तापमान

एजेंसी : रांची। राजधानी रांची सहित राज्य के अधिकांश जिलों में आनेवाले चार पांच दिनों में तापमान में तीन से चार डिग्री सेल्सियस की वृद्धि होने की सम्भावना है। यह जानकारी मौसम विभाग ने शनिवार को व्यक्त की है। विभाग के अनुसार राज्य भर में फिलहाल मौसम साफ रहेगा। इससे तापमान में वृद्धि होगी। उल्लेखनीय है कि पश्चिमी विक्षोभ के चलते राज्य के लगभग 12 जिलों में मौसम में बदलाव हुआ था। इसके प्रभाव से रांची में भी शुक्रवार को हल्की बूंदाबांदी दर्ज की गई थी।

हालांकि बाद में मौसम साफ हो गया- वहीं शनिवार को रांची में अधिकतम तापमान 31.2 डिग्री, जमशेदपुर में 34.8, डालटेनगंज में 33.7 और बोकारो में अधिकतम तापमान 34.1 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया।

जिला अनुकम्पा समिति की बैठक में 14 लोगों के नियुक्ति की बनी सहमति

एजेंसी : रांची । रांची जिला अनुकम्पा समिति की बैठक शनिवार को समाहरणालय ब्लॉक-ए स्थित सभागार में अनुकम्पा समिति के आधार पर नियुक्ति सम्बंधित बैठक आयोजित की गई। जिला अनुकम्पा समिति सामान्य में कुल 10 की नियुक्ति की सहमति प्रदान की गई। साथ ही अनुकम्पा क़े आधार पर चौकीदार की नियुक्ति में कुल चार की नियुक्ति की सहमति प्रदान की गई। बैठक में पंचायती राज पदाधिकारी राजेश कुमार साहू, डीएसपी जैप 2, जिला स्थापना उप-समाहर्ता ज्योति वंदना कुजूर एवं सभी सम्बंधित अधिकारी उपस्थित थे।

नक्सली के नाम पर चिपकाया धमकी भरा पोस्टर

एजेंसी : रांची दुमका । जिले के शिकारीपाड़ा थाना क्षेत्र के बैनागड़िया कौवामहल गांव में नक्सलियों के नाम से धमकी भरे कई पोस्टर चिपकाए गये हैं। यह पोस्टर खुर्शीद आलम जो दर्जी का काम करते हैं। उनके टेलर दुकान के बाहर चिपका अंजाम बुरा करने की धमकी दी गई है। पोस्टर में लिखा है खुर्शीद अंसारी तुम्हारा सालबदरा में जो जमीन निकला है वह हमारे हवाले कर दो नहीं तो तुम्हारा अंजाम बुरा होगा भाकपा (माओवादी)।इस पोस्टर के मिलने के बाद इलाके में सनसनी है। इधर शिकारीपाड़ा की पुलिस घटनास्थल पर पहुंचकर पोस्टर को अपने कब्जे में लिया । थाना प्रभारी अमित लकड़ा ने शनिवार को बताया कि यह किसी असामाजिक तत्व की करतूत हो सकता है। जमीन विवाद में इस तरह के पोस्टर चिपकाए गए हैं।पुलिस इसकी जांच कर दोषियों पर आवश्यक कार्रवाई करेगी।

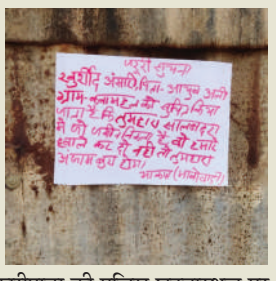

प्रशासन और द हंस फाउंडेशन के बीच हुआ समझौता हस्ताक्षर

एजेंसी : रांची लोहरदगा । जिला प्रशासन और द हंस फाउंडेशन के बीच एक महत्वपूर्ण समझौता पर शनिवार को हस्ताक्षर किया गया। इस अवसर पर उपायुक्त डॉ. वाघमारे प्रसाद कृष्ण, सिविल सर्जन डॉ शम्भूनाथ चौधरी, हंस फाउंडेशन के क्षेत्रीय सीनियर मैनेजर शिशुपाल मेहता, प्रोग्राम मैनेजर सैमुअल सिंह और प्रोजेक्ट कोऑर्डिनेटर अमित कुमार सिंह भी उपस्थित रहे। लोहरदगा जिले में संचालित ये मोबाइल मेडिकल यूनिट्स ग्रामीण और दूरदराज के क्षेत्रों में स्वास्थ्य सेवाओं को पहुंचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही हैं। इस समझौते के माध्यम से यह सुनिश्चित किया जाएगा कि लोगों को उच्च गुणवत्ता वाली चिकित्सा सेवाएं निरंतर मिलती रहे। द हंस फाउंडेशन के रीजनल सीनियर मैनेजर शिशुपाल मेहता ने कहा, "द हंस फाउंडेशन का उद्देश्य देश के ग्रामीण और वंचित समुदायों को सुलभ स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान करना है। इस समझौते के तहत छह मोबाइल मेडिकल यूनिट्स जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निःशुल्क चिकित्सा परामर्श, जांच, दवा वितरण और रेफरल सेवाएं प्रदान करना जारी रखेगी। यह पहल स्वास्थ्य सेवाओं की उपलब्धता और पहुंच को बेहतर बनाने में मददगार साबित होगी।

वृंदावन की होली से नौ को सराबोर होगी रांची

एजेंसी : रांची । रंगों का त्यौहार होली के अवसर पर अलिशा डांस स्टूडियो की ओर से रांची में वृंदावन की होली नामक कार्यक्रम का आयोजन किया जाएगा। यह कार्यक्रम नौ मार्च को रांची के कडरू न्यूश एजी कॉलोनी स्थित चिल्ड्रन पार्क में होगा। इस कार्यक्रम में रांची की मशहूर डांसर अलिशा सिंह शामिल होंगी। अपनी संस्कृति और विरासत को संजोए रखने और आगे बढ़ाने के उददेश्य से कार्यक्रम का आयोजन किया जा रहा है। कार्यक्रम में अलिशा सिंह और प्रियंका सिंह दोनों बहनों की जोड़ी शामिल होगी। मौके पर अलिशा डांस स्टूडियो की निर्देशिका प्रियंका सिंह ने शनिवार को बताया कि आजकल होली के आयोजन इस तरह के होते जा रहे हैं कि हम अपने परिवार और बच्चों के साथ खुलकर आनंद भी नहीं ले पाते। इसी को ध्यान में रखते हुए दोनों बहनों ने एक ऐसा उत्सव मनाने का निर्णय लिया है, जिसमें हर उम्र के लोग अपनी संस्कृति से जुड़ कर होली का असली आनंद ले सकें। कार्यक्रम में कई सांस्कृतिक कार्यक्रमों के अलावे लाइव डांस परफोर्मेंस, राधा कृष्ण की जोड़ी अदभुत समा बांधेगी। साथ ही अलिसा डांस स्टूडियो के छात्र छात्राओं की ओर से मोहक की प्रस्तुति, डीजे सौनिक, डीजे तानिया और क्रीज़ क्वांटा शानदार बिट्स से समा बांधेंगे। नासिक ढोल,रेन डांस, ऑर्गेनिक गुलाल, फ्री ठंडई, किड्स जोन और फुड स्टॉल भी लगाए जाएंगे। इस अवसर पर कार्यक्रम से संबंधित पोस्टर का अनावरण किया गया। मौके पर अलिशा डांस स्टूडियो की निर्देशिका प्रियंका सिंह, रिलेशंस के निदेशक आशुतोष द्विवेदी, राहुल सोनी, मीनाक्षी सिंह, रोहित सिंह, अनिकेत राज, सुबू राजपूत सहित अन्य मौजूद थे।

बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार का जन्मदिन मनाया गया

एजेंसी : रांची

बिहार के मुख्यमंत्री और जदयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार का 74वां जन्मदिन एक मार्च 2025 को रांची में धूमधाम से मनाया गया। यह भव्य समारोह विधायक सरयू रॉय के सरकारी आवास, डोरंडा, रांची में आयोजित किया गया, जिसमें झारखंड प्रदेश जदयू के पदाधिकारी, कार्यकर्ता और अन्य पदाधिकारी शामिल हुए। समारोह की शुरुआत में नीतीश कुमार के योगदान और उनके विकास और सामाजिक न्याय के दृष्टिकोण की सराहना की गई। मुख्यमंत्री के जन्मदिन पर केक काटकर सुशासन दिवस के रूप में मनाया गया। सभी कार्यकर्ताओं और समर्थकों ने मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के नेतृत्व के प्रति अपनी प्रतिबद्धता जाहिर की और उनके कार्यों को सम्मानित किया। मौके पर समारोह के दौरान झारखंड प्रदेश जदयू के प्रदेश अध्यक्ष और राज्यसभा सांसद खीरु महतो ने कहा कि वह नए पदाधिकारियों का स्वागत करते हुए अत्यधिक अभिभूत हैं। उन्होंने कहा, "आज का दिन हमारे संगठन के लिए महत्वपूर्ण है और हम सभी नए पदाधिकारियों का सादर स्वागत करते हैं।" इसके साथ ही उन्होंने एक बड़े सदस्य अभियान की शुरुआत की घोषणा की, जो झारखंड के विभिन्न हिस्सों में बड़े पैमाने पर चल रहा है। उन्होंने विश्वास जताया कि यह अभियान पार्टी को मजबूत करेगा और जदयू झारखंड की राजनीति में एक महत्वपूर्ण और निर्णायक भूमिका निभाएगा। इस अवसर पर विधायक सरयू राय कहा कि "मैं नए पदाधिकारियों को दिल से शुभकामनाएं देता हूं । मुझे पूरा विश्वास है कि झारखंड में जदयू बहुत जल्द और तेजी से विकसित होगा।" उन्होंने पार्टी की शक्ति को बढ़ाने और संगठन को मजबूती देने के लिए सभी पदाधिकारियों से लगातार मेहनत करने की अपील की। इस अवसर पर धर्मेन्द्र तिवारी, पी.एन. सिंह, सौमेन दत्ता, आशीष शीतल मुंडा, मीर अशरार को झारखंड प्रदेश जदयू के प्रदेश अध्यक्ष खीरु महतो ने सम्मानित किया।

विधानसभा में मामला उठते ही टूटी पथ निर्माण विभाग और संवेदक की निद्रा

एजेंसी : रांची

खूंटी । झारखंड विधानसभा में खूंटी-तोरपा-कोलेबिरा रोड की गुणवत्ता और निर्माण कार्य में अनियमितता का मामला उठने के बाद आखिरकार संवेदक की निद्रा टूटी। शनिवार से टूटी सड़क की मरम्मत का काम ठेकेदार ने शुरू कर दिया । उल्लेखनीय है कि तोरपा के विधायक सुदीप गुड़िया ने शुक्रवार को शून्यकाल के दौरान सदन में खूंटी-तोरपा-कोलेबिरा रोड के निर्माण कार्य में अनियमितता का मामला उठाते हुए इसकी जांच कराकर दोषी संवेदक के खिलाफ कार्रवाई की मांग की थी। विधानसभा में मामला उठते ही विभाग के अधिकारियों के साथ ही संवेदक की भी नींद खुल गई। संवेदक द्वारा जहां-जहां सड़क टूट गई है, वहां मरम्मत का काम शुरू कर दिया गया। लगभग 53 करोड़ की लागत से खूंटी-तोरपा-कोलेबिरा रोड का निर्माण कराया जा रहा है, लेकिन निर्माण कार्य में भारी अनियमितता बरते जाने के कारण निर्माण के दौरान ही सड़क टूटने लगी। कुछ दिन पहले ही विधायक सुदीप गुड़िया ने जनता की शिकायत मिलने पर सड़क निर्माण कार्य का भौतिक निरीक्षण किया था और विभाग के कार्यपालक अभियंता से गुणवत्ता में सुधार करने का निर्देश दिया था, लेकिन न तो संवेदक ने और न ही कार्यपालक अभियंता ने विधायक की बातों को अहमियत दी। बाद में विधायक ने सदन में मामला उठाया, तो विवश होकर संवेदक का टूटी सड़कों की मरम्मत करानी पड़ रही है।

गैर-अनुशासित पुलिसकर्मियों पर गिरेगी गाज, डीजीपी ने मांगी सूची

एजेंसी : रांची

झारखंड के डीजीपी अनुराग गुप्ता ने राज्य के सभी जिलों और इकाइयों से गैर-अनुशासित पुलिस अफसरों और कर्मियों की सूची मांगी है। इस सूची के आधार पर डीजीपी स्तर से कड़ी कार्रवाई की जाएगी। शनिवार को पुलिस मुख्यालय से मिली जानकारी के अनुसार, डीजीपी द्वारा जारी आदेश में निर्देश दिया गया है कि सभी जिलों और इकाइयों में पदस्थापित अनुशासनहीन पुलिसकर्मियों की सूची मुख्यालय को भेजी जाए। इस आदेश की प्रति सभी रेंज आईजी और डीआईजी को भी भेजी गई है।

आदेश में पुलिसकर्मियों के संबंध में सात बिंदुओं पर रिपोर्ट मांगी गई है।

ये है सात बिंदु

•वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जिनके विरुद्ध आम नागरिकों, महिलाओं से दुर्व्यवहार करने के आरोप में पूर्व में कोई कार्रवाई की गई है।

•वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जिनके संबंध जमीन माफिया और आपराधिक प्रवृत्ति के व्यक्तियों के साथ पाई गई है।

•वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जो कर्तव्य से फरार रहते हैं।

•वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जो ड्यूटी के दौरान आदतन शराब का सेवन करते हैं।

•वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जो बिना कारण अवकाश की समय सीमा को स्वतः बढ़ाकर देर से ड्यूटी पर लौटते हैं।

•वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जिनपर अपने वरीय पदाधिकारी के साथ गलत व्यवहार करने के आरोप में पूर्व में कार्रवाई की गई है। अथवा वे जो अब भी गलत व्यवहार करते हैं।

•वैसे पुलिस अफसर और कर्मी जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार का आरोप हो या फिर जिनके खिलाफ भ्रष्टाचार के मामले चल रहे हैं।

महिलाओं के सशक्तिकरण से ही बढ़ेगा समाज : जस्टिस प्रसाद

एजेंसी : रांची

बोकारो । हाईकोर्ट के न्यायाधीश और झालसा के कार्यकारी अध्यक्ष सुजीत नारायण प्रसाद ने कहा है कि महिलाओं के सशक्तिरण से ही समाज आगे बढ़ेगा। उन्होंने कहा कि सरकारी स्कूल लोगों के कल्याण के लिए है। बच्ची को जन्म से पहले और बाद में कैसे स्वस्थ रखें। इस पर ध्यान देने की जरूरत है। उन्होंने लोगों से विधिक सहायता और सरकारी योजनाओं से अवगत कराने को कहा। न्यायाधीश शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकार, बोकारो की ओर से आदिम जनजातियों एवं समाज के कमजोर वर्गों के लिए राज्य स्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर में बोल रहे थे। शिविर का डीवीसी चंद्रपुरा, बोकारो में किया गया था। उन्होंने लोगों से राज्य के बिरहोर और पहाड़िया जनजाति को मुख्य धारा में जोड़ने पर भी बल दिया। कार्यक्रम में हाई कोर्ट के न्यायाधीश प्रदीप कुमार श्रीवास्तव ने कहा कि कमजोर वर्गों को न सिर्फ विधिक सहायता बल्कि उनका सशक्तिकरण कैसे हो इस पर ध्यान देने की जरुरत है। न्यायाधीश ने डायन प्रथा पर चिंता प्रकट करते हुए कहा कि डायन प्रथा अब भी समाज में है, यह चिंता का विषय है। विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर में राज्य के विभिन्न विभागों सीसीएल, डीवीसी और बैंकों के लगभग 25 स्टॉल भी लगाए गए थे। इस अवसर पर कुल 200439 लाभुकों के बीच कुल एक अरब 65 करोड़ 44 लाख 51 हजार 716 रुपये की परिसंपत्तियों का वितरण किया गया। कार्यक्रम में हाई कोर्ट के कई न्यायाधीश सहित अन्य उपस्थित थे।

प्रशिक्षण संस्थान में वेबीनार का आयोजन

एजेंसी : रांची

लोहरदगा । लोहरदगा के आरसेटी कार्यालय में शनिवार को बजट 2025-26 घोषणाओं के कार्यान्वयन पर चर्चा करने के लिए कृषि और ग्रामीण समृद्धि पर बजट के बाद वेबिनार आयोजित किया गया। उद्घाटन भाषण प्रधान मंत्री के जरिये दिया गया और कृषि और किसान कल्याण विभाग के विभिन्न विभागों के सचिवों की अध्यक्षता में किया गया। इस वेबिनार का सीधा प्रसारण ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान लोहरदगा में किया गया। प्रतिभागियों में बैंको के प्रतिनिधि, अग्रणी जिला प्रबंधक, निदेशक, ग्रामीण स्वरोजगार प्रशिक्षण संस्थान, डीडीएम नाबार्ड और लोहरदगा जिले के किसान शामिल थे। आर्थिक सर्वेक्षण 2024 में भी बताया गया है कि 31 मार्च 2024 तक 7.75 करोड़ किसान क्रेडिट कार्ड केसीसी खाते हैं। अल्पकालिक ऋण जरूरतों को पूरा करके केसीसी योजना ने कृषि उत्पादकता बढ़ाने और किसानों की आय बढ़ाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। केसीसी-संशोधित ब्याज अनुदान योजना किसानों को चार प्रतिशत की प्रभावी रियायती ब्याज दर पर ऋण दे रही है। किफायती ऋण तक आसान पहुंच सुनिश्चित करने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने जमानत-मुक्त ऋण को 1.6 लाख से बढ़ाकर दो लाख कर दिया है। एक बड़े कदम के रूप में केंद्रीय बजट 2025-26 ने संशोधित ब्याज सहायता योजना के तहत ऋण सीमा को तीन लाख से बढ़ाकर पांच लाख कर दिया है। इस कदम से छोटे और सीमांत किसानों पर वित्तीय तनाव कम होने के साथ-साथ कृषि में अधिक निवेश को बढ़ावा मिलने की उम्मीद है। इससे फसल उत्पादन, बागवानी, पशुपालन और मत्स्य पालन के लिए किसानों की बढ़ी हुई कार्यशील पूंजी आवश्यकताओं को पूरा करने में काफी मदद मिलेगी।सरकार ने पिछले दशकों में एमआईएस के माध्यम से किसानों को 1.44 लाख करोड़ रुपये प्रदान किए हैं। इन पहलों के माध्यम से सरकार का लक्ष्य 2023-24 में कृषि अल्पकालिक ऋण को 9.81 लाख करोड़ रुपये से बढ़ाकर 2029-30 तक 20 लाख करोड़ रुपये तक पहुंचाना है। इन उपायों के ज़रिए सरकार न केवल ग्रामीण क्षेत्रों में ऋण की सुलभता बढ़ा रही है, बल्कि किसानों को वित्तीय स्वतंत्रता भी दे रही है। जैसे-जैसे यह पहल पूरे देश में लागू होगी, इसमें भारत में कृषि ऋण को फिर से परिभाषित करने की क्षमता है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि समय पर और किफ़ायती ऋण उन लोगों तक पहुंचे जिन्हें इसकी सबसे ज़्यादा ज़रूरत है। मौके पर बडी संख्या में लोग मौजूद थे।

झारखंड उच्च न्यायालय के जज ने बाबा आम्रेश्वर धाम में की पूजा-अर्चना

एजेंसी : रांची

खूंटी। झारखंड उच्च न्यायालय के न्यायाधीश न्यायमूर्ति संजय कुमार दिवेदी ने अपनी धर्म पत्नी के साथ शुक्रवार को बाबा आम्रेश्वर में पूजा-अर्चना की। अंगराबारी पहुंचने पर बाबा आम्रेश्वर धाम प्रबंध समिति के महामंत्री मनोज कुमार ने अंग वस्त्र देकर उनका स्वागत किया। बाबा मंदिर के पुजारी पंडित हरिहर कर ने विधि-विधान से पूजा अनष्ठान संपन्न कराये। बाद में न्यायाधीश ने बाबा आम्रेश्वर धाम स्थित सभी मंदिरों में घूम घूम कर पूजा की। प्रबंध समिति के महामंत्री ने जज को बाबा आम्रेश्वर धाम का प्रतीक चिह्न भेंट की।। मौके पर खूंटी के प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश रसिकेश कुमार, खूंटी के उपायुक्त लोकेश मिश्रा, कार्यपालक दंडाधिकारी विपिन चन्द्र विश्वास, मुरहू के अंचलाधिकारी शंकर विद्यार्थी आदि उपस्थित थे।

श्री श्याम प्रभुजी की निशान शोभा यात्रा पांच को

एजेंसी : रांची

खूंटी। श्री श्याम मंडल खूंटी के तत्वावधान में पांच मार्च को दोपहर तीन बजे से श्री श्याम प्रभुजी की निशान(ध्वजा) शोभा यात्रा का आयोजन किया जाएगा। इसको लेकर तैयारियां जोरों पर है। निशान यात्रा की शुरुआत महादेव मंडा, कर्रा रोड से होगी और नगर भ्रमण करते हुए पिपरा टोली स्थित राम मंदिर में निशान अर्पण किया जायगा। श्री श्याम मंडल द्वारा जारी विज्ञप्ति में कहा गया कि जो भक्त निशान (ध्वजा) बाबा श्याम प्रभु को चढ़ाना चाहते हैं, उन्हें एक निशान कार्ड दिया जाएगा। निशान के लिए कार्ड श्री श्याम मंडल खूंटी के संरक्षक ओम प्रकाश भाला के मोबाईल नंबर 93341 75999 और महामंत्री विशाल कुमार साहू के 7903382499 से संपर्क किया जा सकता है। मंडल ने सभी भक्तों से आग्रह किया है कि इस भव्य शोभा यात्रा में शामिल हो कर इसे सफल बनाएं।

पूर्ववर्ती छात्र सम्मान समारोह में मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की हुईं सम्मानित

एजेंसी : रांची

बेंगलुरु स्थित क्राइस्ट विश्वविद्यालय में आयोजित पूर्ववर्ती छात्रों के सम्मान समारोह में झारखंड की कृषि, पशुपालन एवं सहकारिता मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की को सम्मानित किया गया। इस कार्यक्रम में देशभर से कई सांसद, विधायक और मंत्री शामिल हुए। यह जानकारी मंत्री की ओर से दी गई। क्राइस्ट विश्वविद्यालय से उच्च शिक्षा प्राप्त करने के बाद समाज में अपने काम के दम पर अलग पहचान बनाने वाले सफल छात्रों को ये सम्मान दिया गया। सम्मान पाने वाले सभी आज अपने-अपने क्षेत्र में बेहतर मुकाम पर हैं। मंत्री के साथ सांसद सुधा मूर्ति, सांसद फ्रांसिस जॉर्ज, कर्नाटक सरकार में राजस्व मंत्री कृष्णा गौड़ा, सांसद मल्लेश बाबू , विधायक चांडी ओमन, विधायक दर्शन ध्रुवनरायणा , सांसद सागर ईश्वर खंड्रे को विश्वविद्यालय के द्वारा सम्मानित किया गया। सम्मान पाने के बाद मंत्री शिल्पी नेहा तिर्की ने कहा कि अपनों के हाथ सम्मान पाना गर्व की बात है। बेंगलुरु के क्राइस्ट विश्वविद्यालय के द्वारा सम्मान पा कर जो सुखद अनुभूति हुई, उसके लिए मेरे पास शब्द नहीं है। विश्वविद्यालय के द्वारा पूर्वर्ती छात्रों के सम्मान में आयोजित समारोह में देश भर के कई सांसद, विधायक और मंत्रियों के साथ सम्मानित होने का गौरव प्राप्त हुआ। छात्रों के भविष्य को गढ़ने में शिक्षण संस्थान का हमेशा से महत्वपूर्ण योगदान रहा है। गुरुदेव हमेशा पथ प्रदर्शक की भूमिका में रहे है। क्राइस्ट विश्वविद्यालय देश के गिने चुने उन विश्वविद्यालयों में शामिल हैं, जहां शिक्षा प्राप्त करना हर एक मेधावी छात्र का सपना होता है। विश्वविद्यालय के प्रांगण में आ कर पुरानी यादें ताजा हो गईं और वो तमाम सपने भी जो भविष्य को लेकर अक्सर देखती थी।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

प्रशासन द्वारा जायका का जायका बिगाड़ने की तैयारी

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : बोकारो जिला प्रशासन ने समाहरणालय परिसर से सटे पर्यटन विभाग द्वारा आवंटित भवन में चल रहे जायजा हैपनिंग रेस्टोरेंट का जायका बिगाड़ने की तैयारी शुरू कर दी है। प्रशासन ने रेस्टोरेंट प्रबंधन को 24 घंटे के भीतर आसपास में फैलाए गए अपशिष्ट पदार्थों की सफाई करने का आदेश दिया है और ऐसा नहीं करने पर पांच हजार रुपए का जुर्माना तथा अन्य दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी है।

आधिकारिक सूत्रों के अनुसार प्रायः ऐसा देखा जा रहा है कि समाहरणालय बोकारो के बगल में पर्यटन विभाग द्वारा आवंटित भवन में संचालित जायका हैपनिंग रेस्टोरेंट से निकलने वाले कूड़े, पानी, शराब की बोतलें, रैपर्स, फल-फूल इत्यादि के अपशिष्ट पदार्थों को समाहरणालय परिसर के आस-पास फेंका जा रहा है या उसे जलाया जा रहा है। खाने-पीने की वस्तुओं को फेंके जाने की स्थिति में तथा रेस्टोरेंट के बाहर रखे हुए कूड़ेदान में फेंके गये अपशिष्ट पदार्थों को खाने के लिए गाय-भैंस इत्यादि जानवर भटकते रहते है, जिससे दुर्घटना होने की संभावना बनी रहती है। साथ ही, पर्यावरण भी प्रदूषित हो रहा है। अपशिष्ट पदार्थों के दुर्गंध से समाहरणालय के पदाधिकारियों/कर्मियों के साथ ही आम जनों को भी परेशानी होती है।

इसे लेकर उपायुक्त श्रीमती विजया जाधव ने रेस्टोरेंट प्रबंधन को चेतावनी दी है कि 24 घंटे के अंदर समाहरणालय परिसर के आस-पास तथा अन्य स्थानों पर रेस्टोरेंट द्वारा फेंके गये कूड़े-कचड़े को साफ कराएं। अन्यथा पर्यावरण को प्रदूषित करने एवं सरकारी संपत्ति का दुरुपयोग कर आमजनों को परेशान करने के आरोप में प्रबंधन के विरुद्ध रु०- 5000/- (पांच हजार) का आर्थिक जुर्माना लगाते हुए अन्य दंडात्मक कार्रवाई की जायेगी।

रमजान आज से, पहला रोजा आज

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया (बोकारो) : मुस्लिम समुदाय का सबसे पाक महीन रमज़ान भारत में 2 मार्च (रविवार) से शुरू होने वाला ।गोमिया आईईएल जामा मस्जिद इमाम मुफ्ती काशिफ रजा ने बताया कि 28 फरवरी यानी 29 शाबान 1446 हिजरी को रमजान का चांद नजर नहीं आया, इसलिए रमजान का पहला 2 मार्च 2025 को पहला रोजा रखा जाएगा। रमजान का महीना चांद दिखने के साथ शुरू होता है। रमजान इस्लामिक कैलेंडर का नौवां महीना है। यह महीना खैरो-ए- बरकत और नेक -अमल करने का है। इस माह में नेक काम का सवाब (पुण्य) बढ़ा दिया जाता है।

युवक का पेड़ से लटकता शव बरामद

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया (बोकारो) : गोमिया थाना के अंतर्गत डुमरी बिहार ओवरब्रिज के समीप शनिवार सुबह करीब सात बजे एक युवक का पेड़ पर गमछा से बंधा शव लटकता बरामद किया गया। आने-जाने के क्रम में ग्रामीणों ने यह देख मुखिया को सूचित किया और फौरन ही गोमिया थाने को सूचित किया। सूचना मिलते ही पुलिस ने सदल-बल घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पेड़ से उतारा। मृतक ने जीन्स-शर्ट पहन रखी थी। पुलिस की जांच -पड़ताल के दौरान मृतक की जेब से उसका मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड, एक बैग मिला। बैग में मृतक के पुराने कपड़े थे। मोबाइल फोन से ज्ञात हुआ कि मृतक ललपनिया थाना अन्तर्गत केरी गांव महतो टोला का निवासी सूरज बेसरा (36) स्व. नीका मांझी का पुत्र था। पुलिस ने इसकी जानकारी मृतक के परिजनों को दी। मृतक के परिजनों ने बताया कि मृतक उसका भाई था, जिसकी काफी दिनों से मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी। पुलिस ने कागजी कार्रवाई कर शव को उसके परिजनों के साथ पोस्टमार्टम हेतु अनुमंडल अस्पताल भेज दिया।

बीएसएल के एसएमएस - 2 एंड सीसीएस विभाग ने मासिक उत्पादन का बनाया नया रिकॉर्ड

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : बोकारो स्टील प्लांट के एस एम एस - 2 एवं सीसीएस विभाग ने फरवरी 2025 माह में 3,00,460 टन क्रूड स्टील का उत्पादन किया। यह फरवरी महीने में सेल में किसी भी एसएमएस द्वारा अब तक का सबसे अधिक क्रूड स्टील का उत्पादन है। फरवरी माह में क्रूड स्टील के मासिक उत्पादन का पिछला सर्वश्रेष्ठ भिलाई स्टील प्लांट के एसएमएस-3 के द्वारा 2,94,375 टन किया गया था। उल्लेखनीय है कि बोकारो स्टील प्लांट का एस एम एस -2 एंड सी सी एस विभाग अपने प्रदर्शन के स्तर में लगातार बेहतरी लाते हुए नित नए कीर्तिमान स्थापित कर रहा है। इस कड़ी में एस एम एस - 2 एंड सीसीएस विभाग ने विगत दिनांक 16 फरवरी को एक दिन में 47 हीट के साथ 13,281 टन क्रूड स्टील का उत्पादन कर दैनिक उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाया था। इसके पूर्व दिनांक 20 अक्टूबर 2022 को एस एम एस - 2 एंड सीसीएस विभाग द्वारा 46 हीट के साथ 12,880 टन क्रूड स्टील का रिकॉर्ड दैनिक उत्पादन किया गया था।

बोकारो स्टील प्लांट के एस एम एस - 2 एवं सीसीएस विभाग ने वर्ष 2025 के जनवरी माह में भी 3,37,500 टन क्रूड स्टील का उत्पादन कर पूरे सेल में क्रूड स्टील के मासिक उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाया था। निदेशक प्रभारी बीरेंद्र कुमार तिवारी के साथ बोकारो स्टील के शीर्ष प्रबंधन ने मुख्य महाप्रबंधक (एस एम एस - 2 एवं सीसीएस) अरविंद कुमार एवं उनकी समस्त टीम तथा सभी सहयोगी विभागों तथा संविदा कर्मियों को इस उपलब्धि पर बधाई दी है।

डीपीएस बोकारो के रूपेश के 'रक्षक' प्रोजेक्ट को अपनाएगी भारत सरकार, मिला पेटेंट

अब एक्सीडेंट होते ही अस्पतालों को मिल जाएगी सूचना और समय पर पहुंच सकेगी एंबुलेंस

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के साथ-साथ अपने विद्यार्थियों के समग्र विकास दिशा में डीपीएस बोकारो की कटिबद्धता ने एक बार फिर अपना रंग दिखाया है। विद्यालय का छात्र रहे रूपेश कुमार के वैज्ञानिक नवाचार संबंधी प्रोजेक्ट रक्षक को अब भारत सरकार अपनाने जा रही है। सड़क हादसों में लोगों की जान बचाने में काफी महत्वपूर्ण उसके इस प्रोजेक्ट को भारत सरकार ने इंस्पायर मानक अवार्ड स्कीम के तहत पेटेंट प्रदान किया है। विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विभाग, भारत सरकार के अधीनस्थ राष्ट्रीय नवप्रवर्तन प्रतिष्ठान (नेशनल इनोवेशन फाउंडेशन) की ओर से इससे संबंधित सारी प्रक्रियाएं पूरी की गईं। अब संभावना है कि आने वाले दिनों में कार बनाने वाली कंपनियां उसके इस प्रोजेक्ट को इस्तेमाल करेंगी और सड़क दुर्घटनाओं में समय रहते लोगों की जान बचाई जा सकेगी।

उल्लेखनीय है कि रूपेश ने एक खास डिवाइस और मोबाइल एप्लीकेशन - रक्षक तैयार किया है। इसकी मदद से दुर्घटना होने के साथ ही संबंधित घटनास्थल के एक किलोमीटर के दायरे में स्थित सभी अस्पतालों को कॉल और एसएमएस के जरिए वाहन के लोकेशन के साथ सूचना मिल जाएगी। इससे सही समय पर घायल व्यक्ति तक एंबुलेंस पहुंचाई जा सकेगी। इतना ही नहीं, अस्पतालों के साथ-साथ वाहन में सवार लोगों के परिजनों और पुलिस को भी तत्काल सूचना मिल सकेगी। इसके अलावा उक्त एप में रजिस्टर्ड आसपास के कार चालकों को भी लोकेशन व सूचना मिल जाएगी। घर-परिवार के लोगों को भी अलर्ट मिल जाएगा।

उल्लेखनीय उपलब्धि पर प्राचार्य डॉ गंगवार ने दी बधाई- रूपेश की इस उपलब्धि से डीपीएस बोकारो परिवार में हर्ष है। विद्यालय के प्राचार्य डॉ. ए. एस. गंगवार ने इसके लिए उसे बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उन्होंने कहा कि विद्यालय अपने छात्र-छात्राओं की प्रतिभाओं को निखारने का हर अवसर प्रदान करता है। रूपेश प्रतिभाशाली छात्र रहा है। उसकी वैज्ञानिक कुशलता को विद्यालय ने पहचाना और तराशते हुए आज यह मुकाम दिलाया कि उसे सरकार से पेटेंट मिल सका। उसके द्वारा बनाया गया रोड सेफ्टी डिवाइस सड़क-सुरक्षा के दृष्टिकोण से काफी अहम है।

जून में जापान टूर पर भेजेगी सरकार- डीपीएस बोकारो से भारत सरकार की महत्वाकांक्षी योजना इंस्पायर मानक अवार्ड योजना के लिए चयनित होने वाले रूपेश को तीन महीने बाद जून 2025 में जापान टूर का भी मौका मिला है। उक्त योजना के तहत अंतिम चरण में चयनित होने पर उसे पुरस्कार-स्वरूप लगभग आठ लाख रुपए की पुरस्कार-राशि भी मिलेगी और राष्ट्रपति भवन में चार दिनों तक आतिथ्य का अवसर भी मिलेगा। अपनी इस उपलब्धि पर प्रसन्नता तथा डीपीएस बोकारो परिवार के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करते हुए रूपेश ने कहा कि जिस तरह का सेफ्टी डिवाइस उसने बनाया है, अगर कार निर्माता कंपनियां पहल करें, तो वह अपने आइडिया को व्यापक स्तर पर धरातल पर उतार सकता है। इससे दूसरा फायदा यह भी होगा कि सभी वाहन चालकों का डाटा एक जगह सुरक्षित रह पाएगा। साथ ही, सड़क हादसों के समय मिलने वाले लोकेशन के आधार पर संबंधित इलाके के एक्सीडेंट जोन की भी जानकारी मिल सकेगी।

एंबुलेंस के अभाव में हर साल 45 हजार लोगों की होती है मौत- फिलहाल सीबीएसई 12वीं बोर्ड की परीक्षा दे रहे रूपेश ने बताया कि भारत में सड़क दुर्घटना प्रमुख चुनौतियों में से एक है। भागम-भाग और रफ्तार की होड़ में हर साल अपने देश में लगभग डेढ़ लाख लोगों की मौत सड़क हादसे में होती है। इनमें लगभग 30 फीसदी यानी लगभग 45 हजार लोगों की मौत सही समय पर एंबुलेंस नहीं पहुंच पाने के कारण हो जाती है। इस समस्या से निजात पाने और सही समय पर दुर्घटनाग्रस्त लोगों को चिकित्सा सुविधा मुहैया कराने के उद्देश्य से ही उसने यह प्रोजेक्ट तैयार किया, जिसे पूरा करने में इंस्पायर मानक अवार्ड योजना के तहत भारत सरकार की तरफ से उसे पारितोषिक के रूप में सहयोग भी मिला।

पिता के दोस्त की सड़क हादसे में मौत के बाद आया आइडिया- रूपेश ने बताया कि लगभग कुछ वर्ष पहले उसके पिता बीएसएलकर्मी रविशंकर कुमार के एक पूर्व सैनिक मित्र की सड़क हादसे में दर्दनाक मृत्यु हो गई थी। अगर सही समय पर एंबुलेंस घटनास्थल पर पहुंच गई होती, तो शायद उनकी जान बचाई जा सकती थी। इस दुर्घटना के बाद ही उसे यह आइडिया सूझा कि कुछ ऐसा उपकरण वह बनाए, जिससे सड़क हादसे में घायल लोगों की जान समय रहते बचाई जा सके। उसने इस बारे में अपने विद्यालय में संबंधित गाइड टीचर मो. ओबैदुल्लाह अंसारी से बात की और उनकी मदद से इस प्रोजेक्ट की ओर काम आगे बढ़ाया। प्रारंभिक स्तर पर इसे मूर्त रूप देने में उसे लगभग एक महीने का समय लगा था और करीब 1200 रुपए का खर्च आया था। इस प्रोजेक्ट के लिए उसने सभी सामान आनलाइन जुगाड़ किए थे।

कार की स्पीड और झटके के दबाव का पता लगाकर काम करता है सेंसर- रूपेश द्वारा बनाया गए डिवाइस में एमसीयू (माइक्रोकंट्रोलर यूनिट), सेंसर, जीपीएस, सिम कार्ड, एक्सीलरेशन डिटेक्टर और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) तकनीक का इस्तेमाल किया गया है। जबकि, इससे जुड़े मोबाइल ऐप में वाहन चालक का नाम, घर का पता, ब्लड ग्रुप एवं परिजनों के मोबाइल नंबर रजिस्टर्ड रहते हैं। कंप्यूटर कोडिंग की मदद से उक्त डिवाइस में सभी संबंधित डाटा को फीड किया जाता है। रूपेश ने बताया कि इसमें खास तरह के सेंसर का इस्तेमाल किया गया है, जो कार की स्पीड और झटके के दबाव का पता लगाता है। सुरक्षित सीमा से अधिक रफ्तार होने पर यह डिवाइस ड्राइवर को अलर्ट भी करता है। वहीं, एक्सीडेंट होने पर वाहन की गति और गाड़ी पर झटके से अचानक पड़ने वाले दबाव का पता लगाकर सेंसर एमसीयू को संदेश भेजता है, जहां से संबंधित नंबरों पर फोन और एसएमएस चला जाता है।

झारखंड से दो छात्रों को मिला पेटेंट- गौरतलब है कि डीपीएस बोकारो के रूपेश के साथ-साथ झारखंड से कुल दो विद्यार्थियों के वैज्ञानिक नवाचार को पेटेंट मिला है। दूसरा छात्र कोयला नगर, धनबाद का तुहीन भट्टाचार्जी है, जिसने कोयला चोरी रोकने को लेकर एक परिवहन प्रणाली विकसित की है। बता दें कि रूपेश ने डीपीएस बोकारो से नागपुर यूनिवर्सिटी में आयोजित 108वीं इंडियन साइंस कांग्रेस में भी झारखंड का प्रतिनिधित्व कर पूरे राज्य का मान बढ़ाया था। बीएसएलकर्मी रविशंकर कुमार एवं बिहार में राजस्व पदाधिकारी सुनीता कुमारी के होनहार पुत्र रूपेश की शुरू से ही कोडिंग में रुचि रही है। वह आगे चलकर एक सफल कंप्यूटर इंजीनियर बनना चाहता है।

चिन्मय विद्यालय में प्री नर्सरी, द्वितीय एवं तृतीय के नव नामांकित छात्रों का हुआ स्वागत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : चिन्मय विद्यालय बोकारो में वर्ष 2025-26 के प्री नर्सरी द्वितीय एवं तृतीय के नवीन नामांकित छात्रों के लिए आयोजित सम्मान समारोह सोल्लास संपन्न हुआ। इसमें सभी छात्र-छात्राओं के अभिभावकों ने भाग लिया, जहां उन्हें विद्यालय की उपलब्धि, उद्देश्य, सेवा कार्य एवं संस्थागत ढांचे के बारे में जानकारी दी गई।

कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि सहित गणमान्य उपस्थित अतिथियों विद्यालय के अध्यक्ष विश्वरूप मुखोपाध्याय, विद्यालय के सचिव महेश त्रिपाठी, प्राचार्य सूरज शर्मा, उप प्राचार्य नरर्मेन्द्र कुमार, रश्मि सिंह, रश्मि शुक्ला एवं सोमा झा ने दीप प्रज्वलित कर किया। तत्पश्चात विद्यालय के संगीत नाटक विभाग द्वारा सुंदर स्वागत गान एवं नृत्य प्रस्तुत किया गया। सभी विशिष्ट अतिथियों, छात्रों एवं अभिभावकों का स्वागत करते हुए प्राचार्य सूरज शर्मा ने कहा कि मुख्य अतिथियों का विद्यालय उनके सहयोग एवं दिव्य उपस्थिति के लिए हमेशा आभारी रहेगा। उन्होंने कहा कि चिन्मय विद्यालय कोई सामान्य विद्यालय नहीं है। इसकी स्थापना परम पूज्य गुरुदेव स्वामी चिन्मयानंद महाराज के हाथों जिस उद्देश्य से हुई, विद्यालय उस उद्देश्य की पूर्ति के लिए सतत प्रयत्नशील रहा है और राष्ट्रीय एवं अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर उल्लेखनीय सफलता हासिल कर रहा है। चिन्मय विद्यालय बोकारो, झारखंड का पहला विद्यालय है, जो नाबेट (एनएबीईटी) का सर्टिफिकेशन, सी.बी.एस.ई से न्यू जनरेशन स्कूल एवं ब्रिटिश काउंसिल से भी विशिष्ट प्रमाण पत्र प्राप्त कर चुका है। उन्होंने सभी छात्र एवं उनके अभिभावकों को विश्वास दिलाया कि उनका भविष्य सुरक्षित हाथों में है। केवल आवश्यकता इस बात की है कि निर्भय होकर कोशिश करें। कोशिश हमेशा कामयाब होती है। आपके प्रयास एवं सहयोग के लिए विद्यालय सभी संसाधनों के साथ खड़ा है।

इस अवसर पर सोनालीसा, सरिता वर्मा, आकांक्षा, पुनीत दोषी ने विद्यालय के आधारभूत ढांचा, विद्यालय शुल्क, बस एवं शैक्षणिक उपलब्धि का पीपीटी शो प्रस्तुत किया। उन्होंने शिक्षकों का परिचय करवाया। कार्यक्रम में छात्रों के अभिभावकों को विद्यालय संबंधित सभी विषयों की जानकारी दी गई, ताकि आने वाले दिनों में उन्हें कोई कष्ट न हो। कार्यक्रम के अंत में उप प्राचार्य नरेंद्र कुमार ने सभी अभिभावकों सहित उपस्थित गणमान्य अतिथियों के प्रति धन्यवाद प्रकट किया। कार्यक्रम का संचालन करुणा झा एवं स्पंदिता ने किया।

राजभाषा नीति के अनुपालन को ले बोकारो जनरल अस्पताल प्रतिबद्ध : डा. करुणामय

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बीजीएच के प्रभारी डॉ. बी बी करुणामय की अध्यक्षता में अस्पताल में एक हिंदी कार्यशाला का आयोजन किया गया। कार्यशाला में बीजीएच के मुख्य चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. आनंद कुमार एवं डॉ. अनिन्दा मंडल के साथ वरीय चिकित्सक तथा चिकित्साकर्मी उपस्थित थे। कार्यशाला का संचालन बी एस एल के राजभाषा अधिकारी उप महाप्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) आलोक कुमार तथा सहायक प्रबंधक (संपर्क एवं प्रशासन) मानस चंद्र रजवार द्वारा किया गया। कार्यशाला में राजभाषा विभाग की तरफ से डॉ. एन के राय, प्रधानाचार्य (शिक्षा विभाग) उपस्थित थे। सर्वप्रथम मंचासीन अतिथियों और कार्यशाला में उपस्थित सभी अधिकारियों-कर्मचारियों का स्वागत करते हुए विभागीय हिंदी अधिकारी डॉ. कुमारी अल्पना ने विभाग में राजभाषा कार्यान्वयन की दिशा में प्रगति से संबंधित संक्षिप्त प्रतिवेदन प्रस्तुत किया। राजभाषा विभाग के प्रतिनिधि एनके राय ने राजभाषा नियमों और सांविधिक प्रावधानों से जुड़े भारत सरकार की नीति, वार्षिक कार्यक्रमों, निर्धारित वार्षिक लक्ष्यों, विश्वपटल पर हिंदी के बढ़ते चरण आदि विषयों पर विस्तृत रूप से एक प्रस्तुतीकरण दिया और राजभाषा हिंदी का शत-प्रतिशत लक्ष्य प्राप्त करना आवश्यक बताया।

डॉ. बी बी करुणामय ने अपने उद्बोधन में बोकारो जनरल अस्पताल का राजभाषा नीति के प्रति प्रतिबद्धता दोहराई और दैनिक कार्यालयीन कार्यों में हिंदी के प्रभावी प्रयोग को सुनिश्चित करने हेतु वरीय चिकित्सकों तथा चिकित्सा कर्मियों का उत्साहवर्धन किया। उन्होंने हिंदी भाषा में कामकाज को बढ़ावा देने की दिशा में सेल राजभाषा विभाग द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर भी प्रकाश डाला। इस अवसर पर निबंध प्रतियोगिता, कविता प्रतियोगिता, व्याख्यान प्रतियोगिता एवं पोस्टर/स्केच प्रतियोगिता रखी गई थी। प्रतियोगिता में चयनित श्रेष्ठ प्रतिभागियों को पुरस्कृत किया गया। कार्यक्रम का समापन मोयना मंडल, उप प्रबंधक (बी जी एच) के धन्यवाद ज्ञापन के साथ किया गया।

13 दिनों से लापता युवक का उपलता शव बंद खदान में मिला, हत्या का अंदेशा

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के सीसीएल गोविंदपुर के कर्मी राजकुमार भुइंया के लापता 21 वर्षीय पुत्र राहुल कुमार का शव शनिवार को 14वें दिन परियोजना के बंद खदान के पानी में उपलता हुआ पाया गया। शनिवार की सुबह उक्त खदान के पानी में लोग स्नान तथा मछली मारने के लिए पहुंचे तो देखा कि पानी में एक शव तैर रहा है। सूचना स्थानीय पुलिस सहित कॉलोनी के लोगों को दी गई। सूचना के आधार पर थाना के इंस्पेक्टर शैलेंद्र कुमार सिंह, एनि धनंजय कुमार सिंह, अजीत कुमार, दीपक कुमार पासवान सुरक्षाबलों के साथ सीसीएल के उक्त खदान के पास पहुंचे। इसी बीच गोविंदपुर कॉलोनी से भी काफी संख्या में लोग तथा राजकुमार भुईंया भी पहुंचे। इंस्पेक्टर ने मुर्गी फार्म कॉलोनी निवासी आनंद राम सहित अन्य लोगों की मदद से पानी से शव निकाला। शव निकालने के बाद उसकी शिनाख्त पिछले 14 दिन से लापता सीसीएल कर्मी राजकुमार भुइंया के पुत्र राहुल कुमार के रूप में की गई। शव पानी में काफी दिनों से रहने के कारण क्षत-विक्षत हो गया था तथा उससे काफी दुर्गंध भी आ रही थी। बाद में पुलिस ने शव का पंचनामा करवाकर उसे पोस्टमार्टम के लिए तेनुघाट अनुमंडलीय अस्पताल भिजवाया, तथा पोस्टमार्टम के बाद शव को परिजनों को सौंप दिया।

बताया जाता है कि राहुल विगत 16 फरवरी की शाम को घर से यह कहकर निकला कि वह सामान लाने के लिए बाजार जा रहा है और फिर वापस नहीं लौटा। काफी खोजबीन के बाद भी जब वह घर नहीं लौटा तो उसके पिता ने 17 फरवरी को स्थानीय थाना में लिखित सूचना दी। शनिवार को उसका शव उक्त खदान से बरामद किया गया। उक्त खदान से ही सीसीएल की स्थानीय कॉलोनी में कामगारों एवं अधिकारियों के लिए पेयजलापूर्ति की जाती है। खदान से शव बरामद होने के बाद राहुल के मित्र एवं कॉलोनी के लोगों का कहना था कि राहुल खुद बहुत अच्छा तैराक था और वह बराबर उक्त खदान के पानी में तैरने को आता था। कहा कि वह कभी पानी में डूबकर नहीं मर सकता है, उसकी हत्या की गई है। पुलिस मामले की तहकीकात करेगी तो कारण का खुलासा हो जाएगा।

हादसे में मृत हाइवा चालक का शव ऐश पौंड में रखकर मुआवजा की मांग, ट्रांसपोर्टिंग ठप

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो थर्मल : बोकारो थर्मल के नूरीनगर स्थित डीवीसी के ऐश पौंड में छाई उठाने वाली कंपनी लॉर्ड्स के अंतर्गत चलने वाले हाईवा नंबर-जेएच05डीयू-9986 के चालक गांधीनगर थाना अंतर्गत राइसा फाइल निवासी 40 वर्षीय मनोज नायक की मौत हाईवा और टेलर के बीच टक्कर में जैनामोड़ के कोचागोड़ा के समीप शुक्रवार की शाम को हो गई। घटना के बाद जरीडीह थाना की पुलिस ने दोनों वाहनों को जब्त कर लिया है। शनिवार को अपराहन चार बजे कांग्रेस नेत्री पम्मी सिंह, गोविंदपुर सी पंचायत के मुखिया विकास सिंह के नेतृत्व में कुरपनिया के लोगों एवं अन्य हाईवा चालकों ने मृत चालक का शव डीवीसी के ऐश पौंड में लाकर रख दिया और 50 लाख रुपये मुआवजा, मृतक के आश्रित को नौकरी तथा बच्चों की पढ़ाई का खर्च की मांग करने लगे। सभी आंदोलनकारियों ने ऐश पौंड को बंद करवा दिया, जिससे पौंड से छाई ट्रांसपोर्टिंग का कार्य भी बंद हो गया।

आंदोलनकारियों का कहना था कि जब तक कार्यरत कंपनी और डीवीसी के द्वारा मृतक के आश्रित को मुआवजा नहीं मिलता है तब तक आंदोलन जारी रहेगा। मृतक हाईवा चालक ढाई माह पूर्व ही उक्त हाईवा में चालक के पद पर कार्य संभाला था। मृतक को दो पुत्र 17 वर्षीय छोटू नायक, 6 वर्षीय जय कुमार नायक एवं एक पुत्री 11 वर्षीय सांवली कुमारी सहित पत्नी सुमन देवी है। आंदोलन को सफल बनाने में गोविंदपुर ए पंचायत के मुखिया प्रतिनिधि महबूब आलम, बी पंचायत के मुखिया चंद्रदेव घांसी, मंजूर आलम, भाजपा नेत्री सीमा देवी, रिजवान अहमद, सुनील महतो सहित कई लोग थे। मामले को लेकर बेरमो एसडीएम मुकेश मछुआ से पूछा गया तो उनका कहना था कि मुआवजा की मांग को लेकर छाई का उठाव करने वाली कंपनी लॉर्ड्स के साथ आंदोलनकारियों की वार्ता को लेकर बेरमो सीओ संजीत कुमार को बोकारो थर्मल भेजा गया है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

विधायक प्रतिनिधि ने 22.53 लाख की लागत से बनने वाले तीन योजनाओं का हुआ शिलान्यास

राष्ट्रीय मुख्यधाराः साहिबगंज : राजमहल नगर पंचायत के माध्यम से 22.53 लाख से बनाने वाले तीन योजनाओं का शिलान्यास कार्यक्रम किया गया. विधायक प्रतिनिधि मो मारूफ उर्फ गुड्डू एवं नपं प्रशासक स्मिता किरण ने संयुक्त रूप से वार्ड संख्या 5 में बनाने वाले पेब्बर्स ब्लॉक सड़क व वार्ड संख्या 6 में दो पीसीसी सड़क का शिलान्यास किया. विधायक प्रतिनिधि के नेतृत्व में नगर पंचायत के पदाधिकारी एवं अभियंताओं ने वार्ड क्षेत्र का भ्रमण कर सड़क एवं नाला के जिर्णोद्धार एवं निर्माण की दिशा में कार्य करते हुए प्राक्कलन तैयार करने की बात कहे हैं. विधायक प्रतिनिधि ने कहा कि नगर क्षेत्र में साफ सफाई की व्यवस्था को दुरुस्त करें.

पीएम विश्वकर्मा योजना के तहत 36 लाभुकों का हुआ नामांकन

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो : प्रधानमंत्री विश्वकर्मा सम्मान योजना अन्तर्गत नाई ट्रेड में आवेदनों की संख्या बढ़ाने हेतु विशेष अभियान शनिवार को बोकारो जिला उद्योग केंद्र द्वारा सहयोगिनी कार्यालय बहादुरपुर में शिविर का आयोजन किया गया। इस दौरान 36 नाई कारीगरों का ऑनलाइन के माध्यम से पीएम विश्वकर्मा योजना में नामांकन कराया गया। इस दौरान सहयोगिनी के निदेशक गौतम सागर ने बताया कि मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड झारखंड सरकार द्वारा नाई ट्रेड के शिल्पकारों को योजनाबद्ध तरीके से पीएम विश्वकर्मा योजना से लिंकेज कराने का कार्य कर रही है। मुख्यमंत्री लघु एवं कुटीर उद्यम विकास बोर्ड बोकारो के डीईसी किशोर रजक ने बताया कि योजना के इस योजना से लाभुकों को स्किल अपग्रेडेशन हेतु 5 से 7 दिन की बेसिक ट्रेनिंग के साथ 500 रुपए प्रति दिन का ट्रेनिंग स्टाइपेंड दिया जाएगा। साथ ही टूलकिट इंसेंटिव के तहत 15 हजार रुपए संबंधित उपकरण खरीदने के लिए, योग्य आवेदकों को फ्री लोन, उत्पादों और सेवाओं का ऑनलाइन मार्केटिंग एवं ट्रेड फेयर में भाग लेने का अवसर मिल पाएगा। इस दौरान जिला उद्योग केंद्र के सुभाष कुमार, सहयोगिनी की कुमारी किरण, रवि कुमार राय, सूरजमनी देवी, अमरजीत कुमार व अन्य लोग उपस्थित थे।

16वां स्व शिवनारायण कुमार महतो मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता शुरू

राष्ट्रीय मुख्यधाराः बोकारो थर्मल : नावाडीह प्रखंड अंतर्गत ऊपरघाट के गोनियाटो स्थित ग्रामीण स्टेडियम में युवा विकास क्लब एवं ग्राम विकास समिति गोनियाटो के तत्वावधान में आयोजित दो दिवसीय 16वां स्व शिवनारायण कुमार महतो मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन शनिवार को किया गया। मैच का उद्घाटन युवा आजसू के राज्य संयोजक टिकैत कुमार महतो, मुखिया प्रतिनिधि रामकुमार मरांडी, झामुमो नेता गंगाराम महतो, समाजसेवी सीताराम सोरेन, राजेश तुरी ने खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त कर किया। उद्घाटन मैच जेएमडी क्लब पेंक बनाम युवा विकास क्लब गोनियाटो के बीच खेला गया। उद्घाटन मैच में पहले टॉस जीतकर पेंक की टीम ने फील्डिंग का निर्णय लिया। बल्लेबाजी करते हुए गोनियाटो की टीम ने 8 ओवर में 6 विकेट के नुकसान पर 78 रन बनाए। जवाबी पारी खेलते हुए पेंक की टीम ने 9 विकेट खोकर 79 रन बनाकर मैच को जीत लिया। मौके पर आयोजन समिति के अध्यक्ष काजल उर्फ तुलसी कुमार महतो, उपाध्यक्ष शैलेश कुमार, सचिव बीरेंद्र कुमार महतो, कोषाध्यक्ष अशोक तुरी, उपसचिव होरिल महतो, टिंकू कुमार, अजय नायक, मैच संचालक दिनेश कुमार महतो, दिलीप मरांडी, संजीत कुमार, विजय कुमार दास, कृष्णा कुमार, गणपत महतो, जितेंद्र मुर्मू, दशरथ मुर्मू, मिथुन कुमार, महेंद्र महतो, कपिल तुरी, जितेंद्र महतो, राजाबाबू आदि लोग उपस्थित थे।

राजस्व उपनिरीक्षक को दी भावभीनी विदाई

राष्ट्रीय मुख्यधाराः गोमिया (बोकारो) : गोमिया प्रखंड कार्यालय सभागार में शनिवार को विदाई सह सम्मान समारोह आयोजित हुआ। मौके पर बीडीओ महादेव कुमार महतो, सीओ आफताब आलम, प्रखण्ड पशुपालन पदाधिकारी डॉ सुरेश कुमार, प्रभारी कल्याण पदाधिकारी राज किशोर मिश्रा मौजूद थे। वहीं गोमिया प्रखंड कार्यालय में पदस्थापित प्रभारी प्रखंड पंचायत राज पदाधिकारी गजेन्द्र प्रसाद वर्मा एवं गोमिया अंचल कार्यालय में पदस्थापित राजस्व उप निरीक्षक अरुण कुमार राम को शॉल ओढ़ाकर तथा पुष्पगुच्छ देकर भावभीनी विदाई दी गई। बीडीओ महादेव कुमार महतो एवं अंचल अधिकारी आफताब आलम ने संबोधित कर उनके कार्यकाल की काफी सराहना की तथा कार्यक्रम का संचालन रोजगार सेवक विनय गुरु ने किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन प्रभारी कल्याण पदाधिकारी राजकिशोर मिश्रा ने किया। मौके पर पंचायत सचिव राजू मल्लाह, संजय कुमार, उदय कुमार, रितु कुमारी, राधा कुमारी, आशीष कुमार,चंदन, नितेश कुमार, मोहसिना परवीन, प्रीति कुमारी रोजगार सेवक एकराम शम्सी, कपिलदेव रविदास सहित काफी संख्या में प्रखंड कर्मी एवं अंचल कर्मी मौजूद थे।

बोकारो के चंद्रपुरा में लगा राज्यस्तरीय विधिक सेवा सह सशक्तिकरण शिविर

राष्ट्रीय मुख्यधारा

न्यायमूर्तियों ने बांटी एक अरब 65 करोड़ 44 लाख 51716 रुपए की परिसंपत्ति

बोकारो : झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकार, रांची के तत्वावधान में जिला विधिक सेवा प्राधिकार एवं जिला प्रशासन बोकारो द्वारा शनिवार को डीवीसी फुटबॉल मैदान, चन्द्रपुरा में राज्य स्तरीय विधिक सेवा-सह-सशक्तिकरण शिविर का आयोजन आदिम जनजातियों एवं समाज के कमजोर वर्गों के लिए किया गया। इस कार्यक्रम में बतौर मुख्य अतिथि माननीय न्यायाधीश, झारखण्ड उच्च न्यायालय सह कार्यकारी अध्यक्ष, झालसा न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, प्रदीप कुमार श्रीवास्तव, न्यायाधीश, झारखण्ड उच्च न्यायालय, रांची, कुमारी रंजना अस्थाना आदि शामिल हुए। शिविर को संबोधित करते हुए माननीय न्यायमूर्ति सुजीत नारायण प्रसाद, न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय सह कार्यकारी अध्यक्ष झालसा द्वारा सरकारी संस्थाओं द्वारा दी जा रही लाभ महिलाओं की भागीदारी तथा डायन कुप्रथा के संबंध में विस्तृत रूप से बताया। वहीं, माननीय प्रदीप कुमार श्रीवास्तव न्यायाधीश झारखंड उच्च न्यायालय,रांची द्वारा सरकारी योजनाओं के संबंध में बताया गया।

अपने संबोधन में उपायुक्त विजया जाधव ने कहा कि सरकार द्वारा संचालित जन कल्याणकारी योजनाओं से जिलान्तर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में बेहतर सुविधाएं और सेवाएं प्रदान की जा रही है। इसी क्रम में झारखंड मुख्यमंत्री मंईयां सम्मान योजनान्तर्गत कुल 3 लाख 75 हजार 187 लाभुकों को योजना से लाभान्वित करते हुए सभी सुयोग्य लाभुकों को दो हजार पांच सौ रूपये की आर्थिक सहायता राशि का भुगतान किया जा रहा है, जिससे उनकी आर्थिक स्थिति सुदृढ़ हो रही है। युवाओं को रोजगार उपलब्ध कराने की दिशा में कार्य करते हुए जिला में 152 चौकीदारों की नियुक्ति की गयी है। साथ हीं मनरेगा अंतर्गत संविदा आधारित रिक्त पदों पर बहाली की प्रक्रिया पूर्ण करते हुए 50 पदों पर यथा प्रखंड कार्यक्रम पदाधिकारी, सहायक अभियंता, कनीय अभियंता, लेखा सहायक एवं कम्प्यूटर सहायक को नियुक्ति पत्र प्रदान किया गया है। इसके अतिरिक्त स्वास्थ्य सेवा को बेहतर बनाने के उद्देश्य से 27 पारा मेडिकल कर्मियों एवं जिला बाल संरक्षण इकाई के तहत 10 कर्मियों की नियुक्ति की गयी है। इसके साथ ही बोकारो जिले ने शिक्षा, खेल, स्वास्थ्य, आपदा, आपूर्ति, सामाजिक सुरक्षा, विकास, योजना, कल्याण, समाज कल्याण शाखा आदि विभागों के विभिन्न क्षेत्रों में कार्य करते हुए विकास का नया आयाम स्थापित किया है। उपायुक्त ने जानकारी दी कि उक्त राज्यस्तरीय शिविर में जिला प्रशासन द्वारा महिला स्वयं सहायता समूहों को सशक्त बनाने के उद्देश्य से 482 स्वयंसहायता समूहों के बीच 12 करोड़ 68 लाख रुपए की राशि का वितरण माननीय न्यायामूर्तिगणों एवं अतिथियों द्वारा किया गया।

इस अवसर पर विभिन्न विभागों द्वारा केंद्र एवं राज्य सरकार द्वारा संचालित विभिन्न कल्याणकारी योजनाओं से संबंधित कुल 22 स्टॉलों के माध्यम से आम जनों को योजनाओं की अहर्ता व लाभ की जानकारी दी गई। मौके पर माननीय न्यायामूर्तिगणों द्वारा सांकेतिक रूप से अन्नप्राशन एवं गोदभराई की रस्म भी अदा की गई। विभिन्न योजनाओं के लाभुकों के बीच परिसंपत्ति वितरण किया गया।

शिविर में विभिन्न विभागों द्वारा कुल एक अरब 65 करोड़ 44 लाख 51716 रुपए की परिसंपत्ति भौतिक तथा आभासी रूप से वितरित किया गया।

इस अवसर पर सीसीएल, डीवीसी एवं स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के सीएसआर फंड के तहत लाभुकों के बीच सिलाई मशीन, सोलर लैंप और वाटर मशीन वितरण किया गया। वहीं, वन विभाग द्वारा 500 पौधा आमजनों के बीच वितरण किया गया। उक्त शिविर के सफल संचालन एवं पर्यवेक्षण हेतु पैनल अधिवक्तागण एवं पारा लीगल वालंटियर का पदस्थापित किया गया था। जिनके द्वारा लोगों को विधिक सहायता प्रदान किया गया। शिविर में डीआइजी कोयला प्रक्षेत्र सुरेन्द्र कुमार झा, पुलिस अधीक्षक मनोज स्वर्गियारी, जिला वन प्रमंडल पदाधिकारी रजनीश कुमार, डीआरडीए निदेशक मेनका, अपर नगर आयुक्त संजीव कुमार, अपर समाहर्ता मो. मुमताज अंसारी, अनुमंडल पदाधिकारी चास प्रांजल ढ़ांडा, जिला परिवहन पदाधिकारी वंदना शेजवलकर, अनुमंडल पदाधिकारी बेरमो मुकेश मछुआ समेत सभी जिला स्तरीय, अनुमंडल एवं प्रखंड स्तरीय पदाधिकारी व न्यायिक पदाधिकारी, अधिवक्तागण आदि उपस्थित थे। धन्यवाद ज्ञापन सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकार बोकारो द्वारा दिया गया।

साहिबगंज में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : राजमहल विधायक मो. ताजुद्दीन उर्फ एमटी राजा ने साहिबगंज जिले में मेडिकल कॉलेज खोलने की मांग को सदन में मजबूती से रखा। उन्होंने कहा कि क्षेत्र के विद्यार्थियों को मेडिकल की पढ़ाई के लिए दूर-दराज जाना पड़ता है, जिससे उन्हें कई परेशानियों का सामना करना पड़ता है। यदि जिले में मेडिकल कॉलेज खुलता है तो इससे न केवल शिक्षा बल्कि स्वास्थ्य सेवाओं में भी सुधार होगा।

सरकार ने सदन के माध्यम से उत्तर देते हुए कहा कि फिलहाल मेडिकल कॉलेज खोलने पर कोई निर्णय नहीं लिया गया है। हालांकि, विधायक ने सरकार से अनुरोध किया कि साहिबगंज जिला राज्य का सुदूरवर्ती इलाका है और राजधानी से लगभग 550 किलोमीटर दूर स्थित है। ऐसे में स्वास्थ्य सुविधाओं और चिकित्सा शिक्षा को बेहतर बनाने के लिए मेडिकल कॉलेज की स्थापना जरूरी है।

उपायुक्त ने पहाड़ों का किया निरीक्षण, ग्रामीणों से की बातचीत

राष्ट्रीय मुख्यधारा

साहिबगंज : उपायुक्त हेमंत सती ने पगार पहाड़, बालको पहाड़ और भतभंगा पहाड़ का दौरा कर वहां की स्थिति का जायजा लिया। उन्होंने ग्रामीणों से मुलाकात कर सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन और लाभ प्राप्ति की जानकारी ली। जल जीवन मिशन के तहत की गई पेयजल आपूर्ति का निरीक्षण किया और ग्रामीणों से पूछा कि क्या उन्हें पाइपलाइन के माध्यम से शुद्ध पेयजल मिल रहा है। उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना और विरसा हरित ग्राम योजना की भी समीक्षा की और लाभुकों से फीडबैक लिया।

आंगनबाड़ी भवन नहीं होने पर जताई नाराजगी- निरीक्षण के दौरान उपायुक्त ने पाया कि आंगनबाड़ी भवन का अभाव है और सेविका अपने निजी आवास में केंद्र चला रही हैं, जिससे बच्चों की पढ़ाई प्रभावित हो रही है। इस पर उन्होंने तत्काल आंगनबाड़ी भवन निर्माण के लिए जमीन चिह्नित करने का निर्देश दिया।

स्वरोजगार को मिलेगा बढ़ावा- उन्होंने पहाड़ों पर बसे गांवों के महिलाओं और पुरुषों को मशरूम उत्पादन और बांस के हेड़ी क्राफ्ट की ट्रेनिंग देने का निर्देश दिया, जिससे ग्रामीणों को स्वरोजगार के अवसर मिल सकें और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत हो सके।

ग्रामीणों से किया संवाद- उपायुक्त ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याएं सुनी और समाधान के लिए अधिकारियों को निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सरकार की योजनाएं गांव-गांव तक पहुंच रही हैं और सभी पात्र लोगों को इनका लाभ मिलना चाहिए।

जस्टिस आनंद सेन के बोकारो बार में आगमन पर किया सम्मानित

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : बोकारो के जोनल जज न्यायमूर्ति जस्टिस आनंद सेन के बोकारो बार में आगमन पर स्थानीय अधिवक्ताओं ने जस्टिस आनंद सेन को गुलदस्ता और शॉल ओढ़ा कर सम्मानित किया। इस दौरान इंडियन एसोसिएशन ऑफ लॉयर्स के नेशनल कौंसिल मेंबर अधिवक्ता रणजीत गिरि ने अधिवक्ताओं के हितों से जुड़े विभिन्न महत्वपूर्ण मुद्दों को न्यायमूर्ति आनंद सेन के समक्ष प्रस्तुत किया। बैठक में अधिवक्ताओं की कार्यशैली, न्यायिक प्रक्रियाओं में सुधार, अधिवक्ता कल्याण योजनाओं एवं न्यायिक संरचना को मजबूत करने जैसे विषयों पर विस्तृत चर्चा हुई। अधिवक्ता रणजीत गिरि ने न्यायपालिका और अधिवक्ता समुदाय के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने के सुझाव भी दिए, जिससे न्यायिक प्रक्रिया अधिक सुचारू और प्रभावी हो सके। इस दौरान न्यायमूर्ति जस्टिस आनंद सेन ने अधिवक्ताओं की समस्याओं को गंभीरता से सुना और उनके उचित समाधान के लिए आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया। उन्होंने कहा कि अधिवक्ताओं की भूमिका न्याय प्रणाली में अत्यंत महत्वपूर्ण है और उनकी समस्याओं के समाधान के लिए न्यायपालिका हमेशा संवेदनशील रहेगी। इस अवसर पर बोकारो के प्रधान जिला जज अनिल कुमार मिश्रा समेत सभी न्यायिक अधिकारी व वरिष्ठ अधिवक्ता भी उपस्थित रहे और सभी ने अधिवक्ता हित में कार्य करने की सलाह दी। इस अवसर पर बोकारो बार के पदाधिकारी व अध्यक्ष ठाकुर कालिका नंद सिंह, उपाध्यक्ष बासुदेव गोस्वामी, प्रभारी महासचिव महेश चौधरी, कोषाध्यक्ष सोमनाथ शेखर, अतुल कुमार, संपूर्ण चंद्र लायक, रूपेश कुमार, माया सिंह, प्रेम कुमार, कामदेव पाठक, समेत सैकड़ो अधिवक्ता मौजूद थे।

खनन विभाग की टीम ने अवैध खनन के सुरंग को किया बंद, प्राथमिकी दर्ज

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : उपायुक्त बोकारो श्रीमती विजया जाधव के निर्देशानुसार एवं जिला खनन पदाधिकारी के मार्गदर्शन में शनिवार को जिले के जगेश्वर विहार थाना अंतर्गत मौजा दनिया के वन क्षेत्र में खनन विभाग की टीम ने छापामारी अभियान चलाया। इस दौरान उक्त स्थल पर अवैध रूप से रेट होल माइनिंग कर कोयला खनिज के उत्खनन का साक्ष्य पाया गया। उक्त स्थल पर अवैध रूप से कोयला खनन के लिए बनाये गए सुरंगों के मुहाने को जेसीबी के माध्यम से टीम ने बंद कराया।

वहीं, उक्त अवैध कार्य में संलिप्त व्यक्तियों पर जगेश्वर विहार थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई गई। छापेमारी अभियान टीम में खान निरीक्षक जितेंद्र कुमार महतो, खान निरीक्षक सीताराम टुडू, वनरक्षी अजीत कुमार मुर्मू, तेनुघाट वन प्रक्षेत्र, वनरक्षी विकास कुमार महतो, तेनुघाट वन प्रक्षेत्र, स.अ.नि विशाल कुमार, जगेश्वर विहार थाना, वन सुरक्षा बल एवं स्थानीय पुलिस बल मौजूद थे।

सीपीआई नेता ने मार्केट कॉम्प्लेक्स के स्थल परिवर्तन पर उपायुक्त को लिखा पत्र

राष्ट्रीय मुख्यधारा

बोकारो : भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी के कसमार अंचल सचिव दिवाकर महतो ने बोकारो उपायुक्त को पत्र लिखकर कसमार में बननेवाले मार्केट कॉम्प्लेक्स के निर्माण में स्थल परिवर्तन को राजनीतिक परिद्वेष बताते हुए इसपर अविलंब रोक लगाने की मांग की है। उपायुक्त को लिखे गए पत्र में उन्होंने बताया है कि कसमार के गर्री स्थित प्लस टू हाई स्कूल के सामने सड़क किनारे खाली पड़े सरकारी जमीन पर जिला परिषद बोकारो द्वारा अनुसंशित 3 करोड़ 14 लाख 81 हजार की लागत से मार्केट कॉम्प्लेक्स निर्माण कार्य की स्वीकृति मिली है। उक्त स्थल पर अगस्त 2024 में तत्कालीन विधायक डॉ लंबोदर महतो एवं स्थानीय जिप सदस्य अमरदीप महाराज ने शिलान्यास भी कर चुके हैं। जिसके बाद कार्यादेश भी जारी हो चुका है। उन्होंने लिखा है कि इसके बाद राजनीतिक परिद्वेष के कारण उक्त मार्केट कॉम्प्लेक्स का स्थल परिवर्तन क्लौन्दी कलौंदी बांध के सामने सुनसान जगह पर कर दोबारा भूमिपूजन कर दिया गया है। उन्होंने कहा है कि उक्त कार्य अगर सुनसान जगह पर किया गया तो आम जनता को इस योजना से कोई फायदा नही होगा। सिर्फ ठीकेदारी एवं कमीशन का खेल होगा और करोड़ों की सरकारी राशि का बंदरबांट होगा।

उन्होंने यह भी लिखा है कि पूर्व में भी निर्जन एवं अनुपयोगी जगह में मार्केट निर्मित होने से जरीडीह प्रखंड के बारू, पेटरवार प्रखंड के उतासारा एवं चंदनकियारी मार्केट कॉम्प्लेक्स बेकार पड़े हुए हैं। जिसमें न तो सरकार को राजस्व को प्राप्ति हो रही है और न ही आम जनता को इसका लाभ पहुँच रहा है। उन्होंने उपायुक्त से उक्त योजना के कार्य प्रारंभ करने पर रोक लगाने पूर्व में चयनित स्थल पर मार्केट कम्पलेक्स बनाने की मांग की है। उन्होंने कहा है कि अगर सुनसान जगह पर मार्केट बनाने की प्रक्रिया शुरू हुई तो ग्रामीण आंदोलन करेंगे। उन्होंने पत्र की प्रतिलिपि बोकारो डीडीसी को भी दी है।

रोक के बावजूद धडल्ले से हो रही बालू की तस्करी

राष्ट्रीय मुख्यधारा

रामगढ़ : गोला थाना क्षेत्र में कई तरह का अवैध कारोबार होता है, जो किसी से छुपा नहीं है, परन्तु इसका खुलासा तब ही होता है, जब किसी अधिकारी द्वारा अवैध कारोबार का भंडाफोड़ किया जाता है। नहीं तो ज्यादातर दिनों में यह फलता फूलता रहता है। यहां कौन नहीं जानता है कि यह क्षेत्र बालू के अवैध कारोबारियों का प्रमुख अड्डा है। इसके साथ ही सीसीएल क्षेत्र का लोहा चोरी का कारोबार, जंगल क्षेत्र का पेड़ और उसके लकड़ी का कारोबार, बगैर लाइसेंस और पात्रता के पत्थर और बालू का कारोबार तो सभी जानते ही हैं। इन सभी का प्रमुख इंट्री क्षेत्र गोला और सीमावर्ती बरलंगा थाना क्षेत्र है। और जब से गोला होते हुए जमशेदपुर का बिना टोल टैक्स का सुगम और नजदीक मार्ग बन गया है। तब से, तो और भी कई तरह के अवैध कारोबार होने लगे हैं। जैसे डीजल चोरी, सरिया चोरी, सीमेंट चोरी होने लगा है और मालामाल क्षेत्र की पुलिस होती है। इन दिनों बालू तस्करी करने का तरीका बदल गया है। इससे जुड़े लोग ट्रेक्टर से दिन के उजाले में ही बालू लाते है । बताया जाता है कि दामोदर नदी से रोजाना दर्जनों ट्रेक्टर से थाना क्षेत्र से होते हुए गोला थाना क्षेत्र के बड़काजारा, बंदा, जोभिया, कुष्टगढ़ा, रजरप्पा चौक, डीवीसी चौक, मुरी रोड होते हुए बरलंगा थाना क्षेत्र में प्रवेश कर जाता है। इन दिनों खास यह है कि अवैध बालू थाना और प्रखंड मुख्यालय के पास से गुजरता है। तस्कर रात दो बजे से लेकर सुबह छह बजे तक इसकी तस्करी करते रहते है।इसके लिए तस्करों द्वारा पुलिस को नजराना दिया जाता है।जिसके बाद वे आसानी से सड़क होते हुए गंतव्य स्थानों तक पहुंच जाते है। इसके लिए उन्हें किसी का डर नही रहता है ।

बताया जाता है कि बालू के धंधा तो खुलेआम है। थाना में इंट्री दो और धंधा करो। इसमें अंचल के लोग भी शामिल हैं। खास बात है कि बालू गाड़ी से अगर एक्सीडेंट होता है, तो बालू का डेला और चालक हमेशा गायब हो जाता है। बाकि ट्रेक्टर का चेचीस पुलिस के हवाले हो जाता है। ऐसा ही हाल ही में एक मामला गोला थाना में हुआ है। और आपको क्या बताऊँ आप तो पब्लिक हैं सब जानते हैं। यह जान लीजिए कि बगैर पुलिस के मिलीभगत से क्षेत्र में कुछ संभव नहीं है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

झारखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम पहुंची खूंटी, पदाधिकारियों को दी हिदायत

खूंटी, एजेंसी। जिले में पांच आदिवासी नाबालिग लड़कियों के साथ सामूहिक दुष्कर्म की घटना के पांच दिनों बाद झारखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग की टीम खूंटी पहुंची. टीम में सदस्य डॉ आभा वीरेंद्र अकिंचन, रुचि कुजूर और विकास दोदराजका शामिल थे. टीम में शामिल सदस्यों ने खूंटी में पदाधिकारियों के साथ बैठक कर पूरे मामले की जानकारी ली. बैठक में बाल संरक्षण और बाल कल्याण पर चर्चा की गई. बैठक में डीडीसी श्याम नारायण राम, एसडीओ दीपेश कुमारी समेत सभी डीएसपी और थाना प्रभारी के अलावा बीडीओ समेत जिले के विभिन्न विभागों के पदाधिकारी मौजूद थे.

झारखंड बाल अधिकार संरक्षण आयोग के सदस्यों ने बैठक करने के बाद रनिया स्थित घटनास्थल भी गए और स्थल का निरीक्षण किया. सदस्यों ने रनिया में हुई गैंगरेप की घटना को दुर्भाग्यपूर्ण बताया और कहा कि ऐसी घटना जिले में दोबारा न हो इसके लिए संबंधित अधिकारियों को निर्देशित किया गया है.

इस तरह के जघन्य अपराध को रोकने के लिए जनजागरुकता के साथ-साथ बेहतर शिक्षा पर जोर दिया गया है. बाल सुरक्षा, शिक्षा, पोषण एवं अन्य आवश्यक सेवाओं की वर्तमान स्थिति की भी समीक्षा की गई है. इन क्षेत्रों में सुधार के लिए प्रशासनिक पदाधिकारियों को आवश्यक सुझाव और निर्देश दिए गए हैं.साथ ही खूंटी में ऑब्जर्वेशन सेंटर बनाने के लिए पत्राचार करने का निर्देश दिया गया.

टीम में शामिल सदस्यों ने कहा कि बाल संरक्षण तंत्र को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विभिन्न योजनाओं के कार्यान्वयन पर भी जोर दिया जाएगा. बैठक के दौरान पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि बाल अधिकारों के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए ठोस कदम उठाए जाएं. बैठक के पश्चात सदस्यों द्वारा रनिया प्रखंड जाकर पीड़ित के परिजनों से भी मुलाकात की. साथ ही सरकार की ओर से उन्हें हर संभव सहायता प्रदान करने, उन्हें न्याय दिलाने का भरोसा दिलाया.

चोरी की मोटरसाइकिल पर घूम रहा था अपराधी, पुलिस ने पकड़ा तो हुआ खुलासा

गिरिडीह, एजेंसी। पुलिस ने चोरी की मोटरसाइकिल पर घूम रहे एक शख्स को पकड़ा है. पकड़े गए आरोपी से पूछताछ करने पर बड़ा खुलासा हुआ है. उसकी निशानदेही पर पुलिस ने बड़ी सफलता हासिल की है. पकड़ा गया व्यक्ति मुफस्सिल थाना क्षेत्र के सिहोडीह का रहने वाला अभिषेक कुमार बरनवाल है.

एसपी ने बताया कि लगातार हो रही मोटरसाइकिल चोरी की घटना पर अंकुश लगाने के लिए अलग-अलग टीम बना कर जांच अभियान चलाया जा रहा था. इसी क्रम में पचंबा थाना पुलिस ने बनखंजो स्थित उसरी नदी के पुल के पास एक व्यक्ति को रोकने की कोशिश की. पुलिस को देख कर युवक मोटरसाइकिल लेकर भागने लगा. जिसे पुलिस टीम ने खदेड़ कर पकड़ा और उससे पूछताछ पर बाइक की चोरी होने का पूरा मामला जाना.

सख्ती से पूछने पर युवक ने बताया कि 18 फरवरी को उसने उक्त बाइक की चोरी नगर थाना क्षेत्र के भंडारीडीह से की थी. पकड़े गए युवक ने पुलिस को बताया कि वह बाइक चोर गिरोह का सक्रिय सदस्य है. उसके द्वारा नगर थाना, मुफस्सिल थाना, पचंबा थाना एवं अन्य अलग-अलग क्षेत्रों से कई बाइक की चोरी कर अलग-अलग स्थानों पर बेची गई है.

एसपी ने बताया कि पकड़े गए युवक के शास्त्री नगर स्थित घर की पार्किंग से चोरी की पांच मोटरसाइकिल बरामद की है. इसके साथ ही उसकी निशानदेही पर बिहार, जमुई के चंद्रमंडी थाना क्षेत्र स्थित सिमरा निवासी लाला पासवान उर्फ लखन पासवान के पास छिपा कर रखी गयी पांच मोटरसाइकिल और सुनसान जंगल से चार मोटरसाइकिल बरामद की गयी है. बताया गया कि पकड़ा गया युवक अभिषेक कुमार बरनवाल उर्फ गोलू, बाइक चोर गिरोह का सक्रिय सदस्य है. उसके द्वारा गिरोह के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर वह बाइक चोरी कर उनकी बिक्री करता था. गिरफ्तार युवक के विरुद्ध कांड अंकित करते हुए उसे जेल भेज दिया गया है. पुलिस टीम गिरोह के अन्य सदस्यों की गिरफ्तारी के लिए छापेमारी कर रही है.

राज्यकर्मियों को दी स्वास्थ्य बीमा योजना की सौगात, 5 लाख तक फ्री में होगा इलाज

रांची, एजेंसी। राज्य के विधानसभा सदस्यों, सरकारी कर्मियों, अधिवक्ताओं, पेंशनभोगियों और उनके आश्रितों को बड़ी सौगात देते हुए हेमंत सरकार ने स्वास्थ्य बीमा योजना की शुरुआत की है. शुक्रवार 28 फरवरी को मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने इसकी शुरुआत विधानसभा सभागार में आयोजित कार्यक्रम में की. इस मौके पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी, उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव, मुख्य सचिव अलका तिवारी, स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह मौजूद थे.

इस योजना के तहत लाभुकों की तीन श्रेणी बनाई गई हैं: कैटेगरी ए -इसमें विधानसभा के वर्तमान सदस्य और राज्य के सभी सेवाओं के कर्मी शामिल हैं.

कैटेगरी बी -इनमें राज्य के सभी सेवाओं के सेवानिवृत्तकर्मी, पारिवारिक पेंशन प्राप्तकर्ता एवं उनके आश्रित, विधानसभा के पूर्व सदस्य, अखिल भारतीय सेवाओं के इच्छुक सेवारत, सेवानिवृत्त पदाधिकारी, राज्य सरकार के विभिन्न बोर्ड, निगम, संस्थान, संस्था में कार्यरत, सेवानिवृत नियमितकर्मी और राजकीय विश्वविद्यालय में कार्यरत, सेवानिवृत शिक्षक एवं शिक्षकेत्तर कर्मी शामिल हैं.

कैटेगरी सी-स्वास्थ्य बीमा के कैटेगरी सी में झारखंड उच्च न्यायालय के स्तर पर गठित झारखंड अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति के अंतर्गत निबंधित अधिवक्ताओं को स्वास्थ्य बीमा का लाभ प्रदान किया जाएगा. निबंधित अधिवक्ताओं का ऑनलाइन वैलिडेशन झारखंड अधिवक्ता कल्याण निधि न्यासी समिति के सचिव द्वारा किया जाएगा. इनकी वार्षिक प्रीमियम की राशि 6000 रुपया प्रति निबंधित अधिवक्ता तय की गई है.

देश के पांच राज्यों से अलग है बीमा योजना : झारखंड देश का पहला राज्य है जहां के सरकारी कर्मियों के बीमा कवरेज की सीमा नहीं निर्धारित की गई है यानी इसके जरिए असीमित लाभ मिलेगा. इतना ही नहीं स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत देश के सभी बड़े हॉस्पिटल के अलावा कहीं भी इलाज कराने का मौका मिलेगा. योजना के तहत 5 लाख तक सामान्य बीमारी का मुफ्त इलाज होगा, विशेष परिस्थिति यानी गंभीर बीमारी में अतिरिक्त 5 लाख तक का भी इलाज हो सकेगा. योजना के तहत राज्य सरकार के सभी कर्मियों को 500 रुपया प्रतिमाह की दर से यानी 6000 रुपया वार्षिक प्रीमियम की राशि देनी होगी.

मुख्यमंत्री ने लाभुकों को बीमा कार्ड वितरित की

स्वास्थ्य बीमा योजना के तहत अब तक 1 लाख 62 हजार 931 श्रमिकों का पंजीकरण किया जा चुका है, जिन्हें 01 मार्च 2025 से बीमा योजना का लाभ मिलेगा. मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने सांकेतिक रुप से 10 कर्मियों को बीमा कार्ड देकर इसका शुभारंभ किया. कार्यक्रम के दौरान राज्य सरकार और टाटा एआई जी के बीच एमओयू साइन हुआ जो स्वास्थ्य बीमा योजना का लाभ कर्मचारियों को देगा.इस मौके पर स्वास्थ्य विभाग के द्वारा पोर्टल भी जारी किया गया. कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन ने कहा कि अब झाड़-फूंक का समय गया. आज के समय में हर कोई किसी ना किसी बीमारी का शिकार हो जाता है ऐसे में जितना बड़ा हॉस्पिटल उतनी बड़ी राशि की आवश्यकता होती है. ऐसे में स्वास्थ्य बीमा से राज्यकर्मियों को बड़ी सहायता मिलेगी.इस अवसर पर स्वास्थ्य मंत्री डॉ इरफान अंसारी और उद्योग मंत्री संजय प्रसाद यादव ने संबोधित करते हुए राज्यकर्मियों को बधाई दी. स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि 2014 में मुख्यमंत्री जी ने जो सपना देखा था उसे आखिरकार पूरा करने में सफलता मिली है. इस मौके पर स्वास्थ्य सचिव अजय कुमार सिंह ने कहा कि देश के अन्य राज्यों की तुलना में स्वास्थ्य बीमा योजना काफी बेहतर है, जिसमें कई तरह की सुविधाएं दी गई हैं.

हजारीबाग हिंसा - झारखंड के राज्यपाल की सीएम सोरेन से चर्चा, कहा- सरकार उचित कदम उठाए

रांची , एजेंसी। झारखंड के राज्यपाल संतोष कुमार गंगवार ने महाशिवरात्रि पर बुधवार को हजारीबाग के इचाक में हुई हिंसा की घटनाओं पर मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन से चर्चा की। उन्होंने कहा कि उनके पास इन घटनाओं से जुड़ी सूचनाएं पहुंची हैं। इस मामले में सरकार को उचित कदम उठाना चाहिए। मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन गुरुवार को राज्यपाल से मिलने राजभवन पहुंचे थे।

दरअसल, बुधवार को इचाक प्रखंड के डुमरौन गांव में एक सरकारी स्कूल के पास लोग बिजली के खंभे पर लाउडस्पीकर और धार्मिक ध्वज लगाने पहुंचे थे तो एक समुदाय विशेष के लोगों ने उन पर पथराव कर दिया था। इसके बाद दोनों ओर से हुई हिंसक झड़प में एक कार, एक ऑटो सहित कई बाइक में आग लगा दी गई थी। झड़प में दोनों ओर से करीब 15 लोग घायल हुए थे।

इस घटना को लेकर अब भी तनाव बरकरार है। पुलिस और सुरक्षा बल इलाके में कैंप कर रहे हैं। गुरुवार को यह मामला कई विधायकों ने झारखंड विधानसभा में भी उठाया। राज्यपाल गंगवार ने सीएम सोरेन के साथ चर्चा के दौरान राज्य में पेसा (पंचायत एक्सटेंशन टू शेड्यूल एरिया) एक्ट को प्रभावी रूप से लागू करने की जरूरत पर भी जोर दिया। उन्होंने सीएम से कहा कि इस एक्ट की नियमावली शीघ्र गठित करने की दिशा में कदम उठाएं।

राज्यपाल इसके पहले भी सरकार का इस ओर ध्यान दिला चुके हैं। 9 अगस्त, 2024 को आदिवासी महोत्सव को संबोधित करते हुए उन्होंने सीएम सोरेन की मौजूदगी में कहा था कि देश के अनुसूचित क्षेत्रों में एकमात्र झारखंड ऐसा राज्य है, जहां पेसा (पंचायत एक्सटेंशन टू शेड्यूल एरिया) कानून लागू नहीं हुआ है। सीएम हेमंत सोरेन को इस दिशा में पहल करनी चाहिए। उन्होंने कहा था कि संविधान में अनुसूचित क्षेत्रों के शासन में राज्यपाल को विशेष दायित्व सौंपे गए हैं।

सुप्रीम कोर्ट के पुनर्विचार याचिका पर टिकी बर्खास्त अनुसेवकों की निगाहें

पेंशन और अन्य लाभ की भी नहीं मिलेगी सुविधा

पलामू, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद पलामू में 251 अनुसेवकों को नौकरी से बर्खास्त कर दिया गया है. सभी अनुसेवक 2017-18 से विभिन्न विभागों में काम कर रहे थे. अब अनुसेवकों ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका दायर की है. 2010 में जारी एक विज्ञापन के आधार पर सभी अनुसेवक काम कर रहे थे. सुप्रीम कोर्ट ने विज्ञापन को ही अवैध करार दे दिया है. बर्खास्त अनुसेवकों के परिजनों की कई कहानियां हैं. कई अनुसेवक कुछ ही महीनों में रिटायर होने वाले थे, जबकि कई के परिजनों को अनुकंपा के आधार पर नौकरी भी मिल गई है. बर्खास्त होने के बाद अनुसेवकों को अब पेंशन और अन्य सुविधाओं का लाभ नहीं मिलेगा. इससे सभी परेशान हैं.

बर्खास्त किए गए विनोद राम ने नौकरी की जिद पर की थी शादी

251 की सूची में दिव्यांग अनुसेवक विनोद राम का नाम भी शामिल है. विनोद राम पलामू के मोहम्मदगंज थाना क्षेत्र के बटौवा के रहने वाले हैं. विनोद राम ने नौकरी के आधार पर बैंक से लोन लिया था, जिसकी ईएमआई 6500 रुपये प्रति माह है. अब उन्हें इस बात की चिंता सता रही है कि कर्ज कैसे चुकाएंगे और परिवार का भरण पोषण कैसे करेंगे. विनोद राम का कहना है कि वह दिव्यांग हैं और उन्होंने तय किया था कि जब नौकरी लगेगी तभी शादी करेंगे. नौकरी लगने के बाद उनकी शादी हुई. अब उनकी सात माह की बेटी भी है. वह किराए के मकान में रहते थे लेकिन अब उन्हें नहीं पता कि उनका क्या होगा. बर्खास्त अनुसेवक अरुण कुमार ठाकुर चार माह में सेवानिवृत्त होने वाले थे. उनका कहना है कि अब उन्हें किसी भी प्रकार का कोई लाभ नहीं मिलेगा, उन्हें समझ में नहीं आ रहा है कि वह क्या करेंगे.

अनुसेवकों की सुप्रीम कोर्ट पर टिकी निगाहें, अफसरों ने नहीं दिया समय : बर्खास्त अनुसेवकों की निगाहें सुप्रीम कोर्ट में दायर होने वाली पुनर्विचार याचिका पर टिकी हैं. अनुसेवक राजेंद्र राम के नेतृत्व में 239 ने सुप्रीम कोर्ट में पुनर्विचार याचिका संख्या 10619/2025 दायर की है. बर्खास्त अनुसेवक नरेश भारती ने बताया कि वह अफसरों के दरवाजे पर जाकर मुलाकात का अनुरोध कर चुके हैं. किसी ने उनकी नहीं सुनी. अनुसेवक धर्मेंद्र कुमार सिंह ने कहा कि पुनर्विचार याचिका सरकार और प्रशासन को दायर करनी चाहिए थी.

प्रदेश में महिला रसोइया की बल्ले-बल्ले, हेमंत सरकार ने बढ़ाया मानदेय, अब मिलेगी इतनी सैलरी

रांची, एजेंसी। झारखंड में सरकारी स्कूलों में मिड डे मील बनानेवाली महिला रसोइया को अब 3000 रुपये मानदेय मिलेगा। शुक्रवार को विधानसभा में मंत्री योगेंद्र प्रसाद ने बताया कि इसके लिए तीसरे अनुपूरक बजट में राशि का प्रविधान किया गया है।

अभी तक रसोइया को 2000 रुपये ही भुगतान होता था। राज्य सरकार ने कैबिनेट की बैठक में राशि बढ़ाने की स्वीकृति प्रदान की थी, लेकिन इसका लाभ उन्हें अभी तक नहीं मिला था।

महिला रसोइया वह महिला होती है जो सरकारी स्कूलों में मिड-डे-मील (मध्याह्न भोजन) कार्यक्रम के तहत बच्चों के लिए भोजन तैयार करती है। उनका मुख्य काम स्कूल में बच्चों के लिए स्वच्छ और पौष्टिक भोजन तैयार करना होता है।

लंबे समय से कर रही थीं मानदेय बढ़ाने की मांग

बता दें कि महिला रसोइया बहुत दिनों से मानदेय बढ़ाने की मांग कर रही थी और हेमंत सरकार ने भरोसा भी दिया था। लेकिन किसी न किसी कारण से टल जा रहा था। लेकिन अब विधानसभा में इसकी मंजूरी मिल गई है। बिहार में महिला रसोइया तो बार-बार परमानेंट

करने के लिए आंदोलन कर रही हैं लेकिन वहां भी उनकी कोई सुनवाई नहीं हो रही है।

गुरुवार को विधानसभा में पेश विनयोग लेखा की रिपोर्ट देखें तो कई विभागों की नाकामी उजागर होती दिख रही है। कम से कम चार विभाग ऐसे हैं जो एक उपलब्ध होने के बावजूद हजार से चार हजार करोड़ रुपये खर्च नहीं कर पाए। राशि खर्च नहीं हो पाने का मतलब स्पष्ट रूप से क्रियान्वयन के वक्त कम प्राथमिकता दिया जाना है।

वर्ष 2023-24 के दौरान कुछ मामलों में 1572.53 करोड़ का अनुपूरक बजट अनावश्यक साबित हुआ और मूल आवंटन के विरुद्ध भी विभागों में बड़े पैमाने पर राशि खर्च नहीं हो सकी। किसी अनुदान के अधीन पर्याप्त बचत यह दर्शाता है कि खास योजनाओं और कार्यक्रमों का या तो क्रियान्वयन नहीं किया गया या फिर मंद गति से कार्रवाई की गई।

नतीजा यह रहा कि राशि होते हुए भी बजट का इस्तेमाल नहीं हो सका। झारखंड में वित्तीय वर्ष 2023-24 में सहकारिता विभाग का बजट 2290 करोड़ रुपये था, इसके बावजूद 26 करोड़ रुपये अनुपूरक बजट में लिए गए और वास्तविक व्यय 1214 करोड़ रुपये ही हुआ।

भाजपा विधायकों का आरोप, प्लानिंग के तहत हिंदुओं को बनाया निशाना

रांची, एजेंसी। झारखंड के हजारीबाग में दो समुदायों के बीच हुई हिंसक झड़प के मामले ने तूल पकड़ लिया है। इस घटना को लेकर झारखंड में सियासत तेज हो गई है। हजारीबाग से भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि हिंसा के मुद्दे को सदन में उठाया जाएगा। भाजपा विधायक प्रदीप प्रसाद ने मंत्री इरफान अंसारी के बयान की निंदा करते हुए कहा, मैं सिर्फ उनसे यही कहूंगा कि वह जिस पद पर बैठे हैं, उसका सम्मान करें। अगर हजारीबाग में कोई घटना घटी है तो उन्हें (इरफान अंसारी) यह कहना चाहिए था कि इस मामले की निष्पक्ष जांच होगी और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जाएगी। प्रदेश में जब-जब भाजपा की सरकार नहीं होती है तो हिंसा करने वाले लोगों का मनोबल बढ़ जाता है। हजारीबाग की घटना को सदन में उठाया जाएगा। हम इस मामले में निष्पक्ष जांच की मांग करेंगे।

बरकट्ठा से विधायक अमित यादव ने मीडिया से बात करते हुए कहा कि मुझे लगता है कि हजारीबाग में जो घटना घटी है, उसकी पहले से प्लानिंग की गई थी। एक विशेष समुदाय द्वारा हिंदुओं पर पथराव किया गया और उनकी गाड़ियों को भी तोड़ दिया गया। उन्होंने कहा, मैं पूरी घटना के बारे में बता देता हूं कि वहां महाशिवरात्रि के अवसर पर लाउडस्पीकर लगाया जा रहा था, उसी बीच कुछ अल्पसंख्यक समुदाय के लोग आए और उन्होंने ऐसा करने से मना किया। इसके बाद मामला थाने तक पहुंचा और उन्हें बता दिया गया कि महाशिवरात्रि के चलते लाउडस्पीकर बजेगा। जब मौके से प्रशासन चला गया तो कुछ असामाजिक तत्वों ने हमला कर दिया। एक प्लानिंग के तहत घरों में रखे पत्थरों को बरसाया गया। काफी लोग इसमें चोटिल हुए हैं, इस घटना के चलते प्रशासन भी लाचार हो गया और उन्हें वहां से वापस लौटना पड़ा।

धनबाद-बांकुड़ा मेमू 61 दिनों से लापता! यात्री पूछ रहे नए टाइम पर चलने से पहले कहां चली गई ट्रेन?

धनबाद। झारखंड के सबसे बड़े रेलवे स्टेशन होने के बाद भी धनबाद के पास गिनती की पैसेंजर ट्रेनें हैं। उस पर एक-एक कर छीनी जा रही हैं। पहले अलसुबह चलने वाली धनबाद-आसनसोल पैसेंजर चुपके से छीन ली गई। फिर दोपहर की धनबाद-आसनसोल-पैसेंजर के पहिए थम गये।

अब पिछले 61 दिनों से धनबाद-बांकुड़ा मेमू लापता है। रेलवे ने 30 दिसंबर से धनबाद-बांकुड़ा और बिष्णुपुर-धनबाद मेमू को अपरिहार्य कारण बताकर अगले आदेश तक रद कर दिया है।

दिसंबर के अंत में बंद हुई ट्रेन जनवरी और फरवरी बीतने के बाद भी पटरी पर नहीं लौटी। हर दिन यात्री रेलवे के सहयोग काउंटर पर पहुंचकर ट्रेन चलने की तिथि पूछ रहे हैं। जवाब में उन्हें मायूसी मिल रही है।

धनबाद से सुबह 5:40 पर चलने वाली स्वर्णरेखा एक्सप्रेस के बाद दोपहर में चलने वाली धनबाद-बांकुड़ा मेमू ही इस रूट के यात्रियों का विकल्प थी। धनबाद शहर के साथ पाथरडीह, सुदामडीह और बोकारो के भोजूडीह से बड़ी संख्या में यात्री इस ट्रेन से सफर करते थे। उनसे यह सुविधा छिन गई है।

रेलवे का नया टाइम टेबल एक जनवरी से लागू किया गया। इससे ठीक दो दिन पहले 08677 बिष्णुपुर-धनबाद मेमू तथा 08678 धनबाद-बांकुड़ा मेमू को रद कर दिया गया।

झारखंड विधानसभा में सीएजी की रिपोर्ट पेश, खस्ताहाल स्वास्थ्य व्यवस्था

रांची, एजेंसी। झारखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान गुरुवार 27 फरवरी को सीएजी की विस्तृत रिपोर्ट सदन के पटल पर रखी गई. इसी रिपोर्ट में कोरोना काल के दौरान राज्य के स्वास्थ्य व्यवस्था पर विस्तृत ब्यौरा है. बजट सत्र के दौरान भाजपा के विधायक सीएजी की रिपोर्ट को लेकर सत्ता पक्ष पर जोरदार हमला बोला. भाजपा के युवा महिला विधायक पूर्णिमा दास, पूर्व मंत्री और विधायक सीपी सिंह, सत्येंद्रनाथ तिवारी सहित कई विधायकों ने कहा कि राज्य में खस्ताहाल स्वास्थ्य व्यवस्था को सीएजी की रिपोर्ट ने उजागर कर दिया है. पूर्व मुख्यमंत्री रघुवर दास की बहू और जमशेदपुर पूर्वी से भाजपा विधायक पूर्णिमा दास ने कहा कि राज्य में डॉक्टर्स, नर्सेस, पारा मेडिकल स्टाफ की घोर कमी है. महज 1400 डॉक्टरों के भरोसे राज्य की जनता है, दवा नहीं है, पद खाली पड़े हैं और युवा रोजगार के लिए भटक रहे हैं.

बड़बोली और अहंकार में डूबी हुई है सरकार- सीपी सिंह

भाजपा के वरिष्ठ विधायक सीपी सिंह ने कहा कि यह सरकार के छक्का मारने का कमाल है. सीपी सिंह ने कहा कि सीएजी की पूरी रिपोर्ट अहंकार में डूबी सरकार की हकीकत बयां कर रही है. उन्होंने कहा कि बालू पर सदन में इतनी चर्चा और आवाज उठाने के बाद सरकार मौन है और दूसरी ओर

झामुमो के बहरागोड़ा विधायक समीर मोहंती का दाहिना हाथ कहे जाने वाला व्यक्ति 200 ट्रक बालू के साथ पकड़े गए हैं.

कोई ऐसा सेक्टर बताएं जहां भ्रष्टाचार नहीं- सत्येंद्र नाथ तिवारी

भाजपा विधायक सत्येंद्र नाथ तिवारी ने सीएजी रिपोर्ट पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि कोई भी सेक्टर बताएं जहां घपला घोटाला नहीं हुआ है. उन्होंने कहा कि विपक्ष को सत्ता पक्ष और मुख्यमंत्री द्वारा हम लोगों को भगा दिया जाता है. डुमरी इधयकन ने कहा कि सीएजी की रिपोर्ट पढ़ने के बाद अपनी पूरी बात रखेंगे लेकिन यह सही है कि राज्य में स्वास्थ्य व्यवस्था खस्ताहाल है.

सत्तापक्ष के ज्यादातर मंत्री और विधायकों ने रिपोर्ट पढ़ने के बाद टिप्पणी करने की बात कही

राज्य में कोरोना काल के दौरान राज्य की स्वास्थ्य व्यवस्था को लेकर सीएजी की रिपोर्ट पर सरकार के ज्यादातर मंत्रियों और विधायक ने रिपोर्ट पढ़ने के बाद ही कुछ कहने की बात कही, वहीं विधायक रामचंद्र सिंह ने रिपोर्ट के आलोक में जांच कमेटी बनाने की मांग की. मंत्री हफीजुल हसन ने कहा कि कोरोना काल में जितनी जरूरत थी उतना खर्च किया गया, किसी को दिक्कत नहीं होने दिया गया था.

क्या है सीएजी की स्वास्थ्य को लेकर रिपोर्ट में

सीएजी की रिपोर्ट में कहा गया है कि मार्च 2020 से 2022 तक कोविड-19प्रबंधन के लिए भारत सरकार ने 485.54 करोड़ दिए थे, जिसके विरुद्ध झारखंड सरकार को 272.8 करोड़ अपने मद से देना था. लेकिन कुल 756.42 करोड़ से कोरोना से निपटने के लिए शुरू प्रावधान में झारखंड सरकार ने सिर्फ 145.10 करोड़ ही दिए. सीएजी की रिपोर्ट में अस्पतालों की ओपीडी, आईसीयू, मातृत्व आईपीडी में दवा और मूलभूत जरूरतों की कमी कभी जिक्र है. जिस पर विपक्ष आक्रामक है.

झारखंड पुलिस एसोसिएशन चुनाव संपन्न, राहुल मुर्मू बने अध्यक्ष

रांची, एजेंसी। झारखंड पुलिस एसोसिएशन का चुनाव शुक्रवार की देर रात संपन्न हो गया. 28 फरवरी को हुए चुनाव में 1056 मतदाताओं में से 996 ने अपने मत का प्रयोग किया. काउंटिंग में अध्यक्ष पद पर राहुल मुर्मू, उपाध्यक्ष पद पर रोहित रजक व महताब आलम, महामंत्री के पद पर संजीव कुमार, संयुक्त सचिव के पद पर राकेश कुमार पांडे व संतोष महतो और संगठन सचिव पद पर मंटू कुमार ने जीत हासिल की. चुनावी मैदान में इन पद के लिए ये प्रत्याशी थे मैदान में-अध्यक्ष : राहुल कुमार मुर्मू, रवींद्र कुमार व कमलेश सिंह, उपाध्यक्ष : निरंजन तिवारी, रोहित कुमार रजक, रामाकांत उपाध्याय, महताब आलम व अशोक तिवारी, महामंत्री : संजीव कुमार, अरविंद कुमार यादव व नीलमणी राम, संयुक्त सचिव : संतोष कुमार महतो, राकेश कुमार पांडेय, श्रीकांत शर्मा व मनोज पासवान, संगठन सचिव : मंटू कुमार व निर्मल कुमार यादव.बता दें कि झारखंड पुलिस के एएसआई से पुलिस निरीक्षक स्तर के अधिकारियों का केंद्रीय एसोसिएशन चुनाव, दो साल की देरी से हुआ. झारखंड पुलिस एसोसिएशन के नये पदाधिकारियों के चुनाव को लेकर पुलिस मुख्यालय से भी कई बार रिमाइंडर भेजे जा चुके था. यह एसोसिएशन झारखंड पुलिस के कनीय पुलिस पदाधिकारियों का एसोसिएशन है, जो अपने सदस्यों की समस्याओं के समाधान को लेकर पुलिस मुख्यालय, सरकार के बीच सेतु का काम करता है.

जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर

धार्मिक आस्था अक्सर तथ्यों और तर्कों से ऊपर होती है। बेशक, इसमें किसी को दखल नहीं देना चाहिए। मगर संभावित जोखिम के प्रति आगाह करना सरकारों, खास कर स्वास्थ्य प्रशासनिक एजेंसियों का कर्त्तव्य एवं उत्तरदायित्व दोनों ही है। प्रयागराज में गंगा जल की गुणवत्ता संबंधी विवाद गंभीर है। इसमें मुख्य मुद्दा पर्यावरण की गुणवत्ता को सुनिश्चित करने वाली भारत की सर्व-प्रमुख एजेंसी की केंद्रीय और उत्तर प्रदेश इकाई के बीच मतभेद का है। प्रश्न है कि ये एजेंसियां सभी स्तरों पर स्वायत्त ढंग से काम करती हैं, या ये सत्ताधारी दलों के सियासी एजेंडे से प्रभावित भी हो जाती हैं? स्वागतयोग्य है कि नेशनल ग्रीन ट्रिब्यूनल (एनजीटी) ने इसे गंभीरता से लिया है और उत्तर प्रदेश प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (यूपीपीसीबी) से जवाब तलब किया है। पूछा है कि क्या यूपीपीसीबी की गंगा जल की स्वच्छता संबंधी रिपोर्ट केंद्रीय प्रदूषण नियंत्रण बोर्ड (सीपीसीबी) के निष्कर्षों के विपरीत थी। सीपीसीबी लगातार पांच दिन के नमूनों की जांच के बाद इस नतीजे पर पहुंचा कि संगम का पानी पीने और नहाने योग्य नहीं है। फिर भी उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि ये पानी नहाने और आचमन दोनों के योग्य है। इसके पक्ष में उन्होंने यूपीपीसीबी की रिपोर्ट का हवाला दिया। अब एनजीटी ने सीपीसीबी की रिपोर्ट की रोशनी में यूपीपीसीबी से जल की गुणवत्ता के बारे में विस्तृत रिपोर्ट मांगी है। सीपीसीबी के मुताबिक कई स्थानों पर गंगा में फेकल कोलीफॉर्म बैक्टीरिया मान्य स्टैंडर्ड से 1400 गुना और यमुना में 660 गुना ज्यादा मिला। 19 जनवरी को तो हर 100 मिलीलीटर में ये मात्रा सात लाख अधिकतम संभव संख्या (एमपीएन) तक पहुंच गई, जबकि इसे 500 के अंदर होना चाहिए। इस रूप में संगम का पानी नहाने योग्य जल के लिए तय प्रतिमान पर खरा नहीं उतरता। तो जाहिर है, लोगों ने वहां अपनी सेहत के लिए भारी जोखिम लेकर स्नान किया। धार्मिक आस्था अक्सर तथ्यों और तर्कों से ऊपर होती है। बेशक, इसमें किसी को दखल नहीं देना चाहिए।

हिन्दी की स्वीकार्यता में सभी भारतीय भाषाओं का विकास जुड़ा है

हृदयनारायण दीक्षित

तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन ने केन्द्र पर हिन्दी थोपने का आरोप दोहराया है। इस बयान से राष्ट्रभाषा प्रेमी आहत हैं। हिन्दी हमारा जीवनरस है। प्राण और आत्म भी। मां के गर्भ से संसार में आए तो रोये हिन्दी में। सोए हिन्दी के आंचल में। जागे तो हिन्दी सुने। उठे, बैठे, चले, लुढ़के, गिरे, रोए हिन्दी में। मां ने उठाया और मनाया भी हिन्दी में। गुस्साए और रूठे भी हिन्दी में। बालक से तरुण हुए, गांव, क्षेत्र, नगर जाना हिन्दी में। प्रीति, रीति, नीति हिन्दी की। हमारी प्रकृति हिन्दी है। स्वाभाविक ही हमारी संस्कृति भी हिन्दी में ही खिलती है। उल्लास और उत्साह का रस हिन्दी है। हम हिन्दी में सोचते हैं, हिन्दी में प्रकट होते हैं। हिन्दी हमारी मां है। अंग्रेजी हमारे परिवार की भाषा नहीं है। हमें बताया जाता है कि अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय भाषा है। हम यह उपदेश मान भी लेते लेकिन क्या करें? एशिया महाद्वीप के 48 देशों में से भारत छोड़ किसी भी देश की मुख्य भाषा अंग्रेजी नहीं है। अजरबैजान की भाषा अजेरी, अर्मेनिया की अर्मेनियन, इजराइल की हिब्रू, ईरान की फारसी, उज्बेकिस्तान की उज्बेक, ओमान, सऊदी अरब, सीरिया, ईराक, जार्डन, यमन, बहरीन, कतर व कुवैत की भाषा अरबी है। चीन, ताईवान, सिंगापुर की मंदारिन, इण्डोनेशिया की डच, दोनों कोरिया की कोरियायी, श्रीलंका की सिंहली व तमिल, कम्बोडिया की खमेर, अफगानिस्तान की पश्तो, पाकिस्तान की उर्दू और तुर्किए की तुर्की है। यूरोप को अंग्रेजी भाषी क्षेत्र माना जाता है लेकिन यूरोप के 43 देशों में से 40 की भाषा अंग्रेजी नहीं है। यहां डेनमार्क की डेनिस, चेक गणराज्य की चेक, रूस की रूसी, स्वीडन की स्वीडिस, जर्मनी की जर्मन, स्विटजरलैण्ड व पोलैण्ड की पोलिस, इटली की इटैलियन, ग्रीस की ग्रीक, बुल्गारिया की बल्गेरियन, मोल्दोवा की रोमानियन, यूक्रेन की यूक्रेनियन, फ्रांस की फ्रेंच, स्पेन की स्पेनिस है। सिर्फ ब्रिटेन की ही भाषा अंग्रेजी है। आयरलैण्ड की आयरिश व अंग्रेजी है। अफ्रीका और आस्ट्रेलिया के क्षेत्रों में भी अंग्रेजी मूल भाषा नहीं है। बावजूद इसके अंग्रेजी अंतरराष्ट्रीय भाषा क्यों है? लार्ड मैकाले ने ब्रिटिश संसद में कहा था "उच्चतर जीवन मूल्य और क्षमताओं को देखते हुए भारतीयों पर तब तक विजय प्राप्त नहीं की जा सकती, जब तक वहां की आध्यात्मिक, सांस्कृतिक परम्परा की सशक्त रीढ़ नहीं तोड़ी जाती। इसलिए मेरा प्रस्ताव है कि भारत की प्राचीन शिक्षा पद्धति, संस्कृति को विस्थापित करें कि भारतवासी अंग्रेजी को श्रेष्ठ समझते हुए स्वसंस्कृति और स्वाभिमान खोकर हमारी इच्छानुरूप शासित हो जाएं।" महात्मा गांधी ने आहत मन कहा था, "पृथ्वी पर हिन्दुस्तान ही ऐसा देश है जहां मां-बाप बच्चों को मातृभाषा के बजाय अंग्रेजी पढ़ाना-लिखाना पसंद करेंगे।" भारत की संविधान सभा में राजभाषा पर तीन दिन बहस हुई। एनजी आयंगर ने सभा (12.9.1949) में हिन्दी को राजभाषा बनाने का प्रस्ताव रखा, "हम अंग्रेजी को एकदम नहीं छोड़ सकते। यद्यपि सरकारी प्रयोजनों के लिए हमने हिन्दी को अभिज्ञात किया फिर भी हमें यह मानना चाहिए कि आज वह सम्मुनत भाषा नहीं है।" डॉ. धुलेकर ने बहस (13.9.1949) में कहा, "अंग्रेजी वीरों की भाषा नहीं है। वह वैज्ञानिकों की भी भाषा नहीं है। विज्ञान का एक शब्द भी अंग्रेजी भाषा का नहीं कहा जा सकता और न अंग्रेजी भाषा में प्रयुक्त अंक उस भाषा के अंक हैं। आप कहते हैं अगले 15 वर्षों तक अंग्रेजी भाषा को देश की राजभाषा के रूप में रहने दिया जाये। स्वराज्य के पश्चात भी हमारे स्कूल, विश्वविद्यालय तथा वैज्ञानिक अंग्रेजी में ही काम करते रहेंगे तो यह सुनकर मैं कांप उठता हूं।" सेठ गोविंददास ने कहा "हमने सेक्युलर स्टेट मान लिया है। मगर इसका यह अर्थ कभी नहीं समझा कि सेक्युलर स्टेट मानना अनेक संस्कृतियां मानना है। यह एक प्राचीन देश है और इसका पुराना इतिहास है। इस देश में हजारों वर्षों से एक ही संस्कृति चली आई है। इस परम्परा को रखने के लिए और इस बात का खण्डन करने के लिए कि हमारी दो संस्कृतियां हैं, हम एक भाषा और एक लिपि रखना चाहते हैं।" सभा की बहस रोमांचकारी है। पं. नेहरू ने कहा, "हमने अंग्रेजी इस कारण स्वीकार की, कि वह विजेता की भाषा थी, अंग्रेजी कितनी ही अच्छी हो किन्तु इसे हम सहन नहीं कर सकते।" पं. नेहरू अंग्रेजी सहन करने को तैयार नहीं थे। राजभाषा प्राविधान के प्रस्तावक हिन्दी को कमतर बता रहे थे। सभा ने 14 सितम्बर 1949 को हिन्दी को राजभाषा बनाया। 15 वर्ष तक अंग्रेजी में राजकाज चलाने का 'परन्तुक' जोड़ा। संविधान के अनु0 343 (1) में हिन्दी राजभाषा बनी, किन्तु अनु0 343 (2) में अंग्रेजी जारी रखने का प्राविधान हुआ। हिन्दी के लिए आयोग/समिति बनाने की व्यवस्था हुई। हिन्दी के विकास की जिम्मेदारी (अनु0 351) केन्द्र पर डाली गयी। मूल प्रश्न यह है कि क्या अंग्रेजी ज्यादा ज्ञानबोधक है? अमेरिकी भाषा विज्ञानी ब्लूम फील्ड ने अंग्रेजी की बाबत (लैंग्वेज, पृष्ठ 52) लिखा "यार्कशायर (इंग्लैंड) के व्यक्ति की अंग्रेजी को अमेरिकी नहीं समझ पाते।" तो

फिर अंग्रेजी विश्व भाषा क्यों है? प्रख्यात भाषाविद् चिंतक डॉ. रामविलास शर्मा ने 'भाषा और समाज' (पृष्ठ 401) में लिखा "अंग्रेजी के भारतीय प्रोफेसरों को हॉलीवुड की फिल्म दिखाइए, पूछिए, वे कितना समझे? इसके विपरीत हिन्दी की सुबोधता को हर किसी ने माना है। हिन्दी अपनी बोलियों के क्षेत्र में तो समझी ही जाती है गुजरात, महाराष्ट्र आदि प्रदेशों में भी उसे समझने वाले करोड़ों हैं। यूरोप में जर्मन और फ्रांसीसी अंग्रेजी से ज्यादा सहायक है। जर्मनी और अस्ट्रिया की भाषा जर्मन है। स्विट्जरलैण्ड के 70 फीसदी लोगों की मातृभाषा भी जर्मन है। चेकोस्लोवाकिया, हंगरी, युगोस्लाविया और पोलैण्ड के लोग जर्मन समझते हैं।" हिन्दी भाषी बढ़े हैं। हिन्दी वाले ज्यादा हैं बावजूद इसके वह अपने ही देश में परिपूर्ण राष्ट्रभाषा भी नहीं है। भाषा संस्कृति की संवाहक होती है। ब्रिटिश व्यापार और सत्ता के साथ अंग्रेजी लाये थे। अमेरिकी बहुराष्ट्रीय कम्पनियाँ पूंजी के साथ भाषा लाती है। भाषा के साथ संस्कृति आती है। अमेरिकी भाषा विज्ञानी नोमचोम्स्की ने कहा था, "करोड़ों डॉलर के जनसंपर्क उद्योग के जरिए बताया जाता है कि जिन चीजों की जरूरत उन्हें नहीं है, वे विश्वास करें कि उनकी जरूरत उन्हें ही है।" भाषा का विकास सामाजिक विकास से जुड़कर होता है। सामाजिक विकास में संस्कृति और आर्थिक उत्पादन के कारक प्रभाव डालते हैं। भारत की नई पीढ़ी मूल स्रोत भाषा और संस्कृति से कट रही है। भारत में हिन्दी जानने वालों की संख्या सौ करोड़ से ज्यादा है। अमेरिका, पाकिस्तान, नेपाल, इंडोनेशिया, इराक, बांग्लादेश, इजरायल, ओमान, इक्वाडोर, फिजी, फ्रांस, जर्मनी, ग्रीस, ग्वाटेमाला, म्यांमार, यमन, त्रिनिडाड, सऊदी अरब, पेरू, रूस, कतर आदि देशों में लाखों हिन्दी भाषी हैं। सबसे बड़ी प्रसार संख्या वाले अखबार हिन्दी के हैं। हिन्दी फिल्मों/सीरियलों का व्यापार करोड़ों में है। हिन्दी में लिखे गए इतिहास, संस्कृति व दर्शन ग्रंथ विश्व की किसी भी भाषा से उत्कृष्ट हैं। लेकिन हिन्दी राजभाषा के असली सिंहासन से दूर है। हिन्दी पंख फैलाकर उड़ी है। अपनी सरलता और लोक आच्छादन की क्षमता के कारण। हिन्दी की स्वीकार्यता में सभी भारतीय भाषाओं का विकास भी जुड़ा हुआ है। स्टालिन पुनर्विचार करें। तमिल और हिन्दी साथ-साथ चलें। राष्ट्र भाषा को वास्तविक सम्मान मिलना ही चाहिए।

सूडोकु नवताल- 7357

★★★✬☆ मध्यम

3				8				9
		8	6		9	5		
6	5			4			7	1
	4						2	
1	2			6			9	8
		6	4		5	8		
9				1				7

Jagrutidaur.com, Bangalore

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7356 का हल

2	3	8	5	1	9	6	4	7
9	6	4	7	3	8	2	5	1
5	1	7	4	6	2	8	3	9
3	2	5	1	9	7	4	6	8
1	8	9	6	4	3	7	2	5
4	7	6	2	8	5	1	9	3
6	4	3	8	5	1	9	7	2
8	9	2	3	7	4	5	1	6
7	5	1	9	2	6	3	8	4

क्या भाजपा एक नए क्षेत्रीय हिंदुत्व आइकॉन की तलाश में है ?

रंजन श्रीवास्तव

क्या भाजपा वर्ष 2029 में होने वाले लोक सभा चुनावों से पहले किसी बड़े क्षेत्रीय हिंदुत्व आइकॉन की तलाश में है जो खासकर उत्तर प्रदेश में भाजपा के खोये हुए जनाधार को फिर से वापस ले आए और मध्य प्रदेश में पार्टी के जनाधार को मजबूती से बनाये रख सके। देखना यह है कि 2029 के चुनावों में प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी भाजपा के पीएम फेस बने रहते हैं या नहीं पर दोनों ही परिस्थितियों में भाजपा के केंद्रीय नेतृत्व के मन में 2024 के परिणाम पीछा करते रहेंगे जबकि भाजपा उत्तर प्रदेश में 63 सीट से नीचे आकर 33 सीट पर सिमट गयी और 400 पार के नारे के बावजूद 240 सीट पर सिमट गयी। पार्टी का उत्तर प्रदेश में अंकगणित खराब हुआ इस बात के बावजूद कि भाजपा यहाँ डबल इंजन के सरकार की बात लगातार करती रही और योगी आदित्यनाथ हिंदुत्व ब्रांड के एक प्रमुख चेहरा बने रहे। यह सोचना कि भाजपा 2029 के चुनावों में हिंदुत्व के नैरेटिव पर चुनाव नहीं लड़ेगी महज एक अकादमिक चर्चा के लिए तो ठीक है पर वास्तविकता में ऐसा होगा नहीं। इसके बावजूद भी पार्टी नहीं चाहेगी कि उत्तर प्रदेश में वही परिणाम दुहराए जाएँ जो परिणाम 2024 में आए थे। 2029 के पहले उत्तर प्रदेश में 2027 में और मध्य प्रदेश, राजस्थान और छत्तीसगढ़ में 2028 में विधान सभा चुनाव होंगे। मगर विधान सभा के परिणाम का इंतज़ार करने के बजाय भाजपा अभी से अपना चुनावी गणित विशेषकर उत्तर प्रदेश में ठीक करने में लगी है। प्रयागराज में महाकुम्भ 144 साल बाद आयोजित हो रहा है यह बात केंद्र सरकार और उत्तर प्रदेश सरकार दोनों के द्वारा प्रचारित किया गया। परिणामस्वरूप पूरे देश से हिन्दुओं की आस्था का सैलाब प्रयागराज की तरफ उमड़ पड़ा। महाकुम्भ में भगदड़ और मौतें और नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर हुए भगदड़ और मौतों ने केंद्र और उत्तर प्रदेश सरकार दोनों की व्यवस्थाओं पर एक बड़ा प्रश्न चिन्ह लगा दिया पर फिर भी जनता इसको लेकर सरकारों के खिलाफ आंदोलित हो गयी हो ऐसा दिखा नहीं। पर आस्था का सैलाब 2029 में वोटों के अंकगणित में बदल जाए और 400 पार का नारा चरितार्थ हो जाए इस बात पर विश्वास करके पार्टी अपनी चुनावी रणनीति नहीं बना सकती। पार्टी का केंद्रीय नेतृत्व किसी किन्तु परन्तु की बजाय ऐसे ठोस रणनीति पर काम करना चाहेगा या काम कर रहा है जिससे उसे 2029 में पूर्ण बहुमत मिले और चौथी बार लगातार सरकार बनाने के लिए जदयू या टीडीपी जैसे किसी बैसाखी की जरूरत ना पड़े। इसलिए भाजपा अपने हिंदुत्व की धार को और तेज करना चाहेगी और उसके लिए एक ऐसे चेहरे की जरूरत पड़ सकती है जो पहले से आजमाया हुआ ना हो और हिन्दुओं के बड़े वर्ग में उसकी स्वीकारोक्ति हो। तो क्या अब बागेश्वर धाम के धीरेन्द्र शास्त्री भाजपा के नए हिंदुत्व आइकॉन या अस्त्र हो सकते हैं? जिस तरह से प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी ने बागेश्वर धाम में जाने का प्रोग्राम बनाया और धीरेन्द्र शास्त्री को अपना छोटा भाई बताते हुए उनपर अपना स्नेह उड़ेला उससे तो यही लगता है कि भाजपा नेतृत्व उनकी बढ़ती हुयी लोकप्रियता को देखते हुए उनसे चमत्कृत है। प्रधान मंत्री ने बागेश्वर धाम में बालाजी सरकार कैंसर इंस्टीट्यूट का शिलान्यास ही नहीं किया बल्कि वहां एक जनसभा को भी सम्बोधित किया। अप्रत्यक्ष रूप से प्रधान मंत्री ने धीरेन्द्र शास्त्री के पर्ची निकालने विधा की प्रशंसा तक की । उन्होंने धीरेन्द्र शास्त्री की माताजी से यह कहा कि उनके मन में चल रही बात की पर्ची उनके पास है और वह यह कि वे अपने बेटे की शादी देखना चाहती हैं। इन पक्तियों को लिखे जाने तक भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू भी बागेश्वर धाम पहुँच चुकी हैं। मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव और उप मुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल भी वहां जा चुके हैं और धीरेन्द्र शास्त्री की प्रशंसा कर चुके हैं। धीरेन्द्र शास्त्री अपने मंचों से हिन्दू राष्ट्र की वकालत करते रहे हैं। भाजपा इसपर अपनी मुहर तो नहीं लगाती पर उसकी चुनावी राजनीति में ऐसे नारे या भाषण उसको सम्बल ही प्रदान करते हैं। तर्कवादियों की नज़र में धीरेन्द्र शास्त्री की विधा सिर्फ एक ढोंग है। 2023 में उनके महाराष्ट्र दौरे के दौरान तर्कवादियों ने उन्हें उनकी सिद्धि को साबित करने की चुनौती दी थी। पर धीरेन्द्र शास्त्री वहां से वापस चले आए और दावा किया कि वो मैदान छोड़कर नहीं भागे बल्कि उनकी वहां से वापस आने का प्लान पूर्व निर्धारित था। पिछले वर्ष गुरुशरण महाराज (पंडोखर सरकार) के विरुद्ध उनके द्वारा कथित रूप से धीरेन्द्र शास्त्री के विरुद्ध आपत्तिजनक बयान देने पर कोर्ट में एक आवेदन दाखिल किया गया था। जाहिर है धीरेन्द्र शास्त्री के बारे में जनता में दो मत है पर फिर भी बहुत से लोग उन्हें सिद्ध पुरुष मानकर उनके दरबार में जाते हैं और अपनी समस्याओं के निराकरण की अपेक्षा रखते हैं।

मेष राशिः आज आपका दिन खुशनुमा पलों से भरा रहेगा। आज परिवार से खुशखबरी मिलेगी। ईश्वर की कृपा से आज आपके सभी काम सफल होंगे। आज आपको अपने काम में ज्यादा ध्यान देने की जरूरत है। आपको प्रोजेक्ट में अपने कलीग की मदद मिलेगी। आज आपकी किसी रिश्तेदार से फोन पर बात हो सकती है, आपको कुछ नया सुनने को मिलेगा।

वृष राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। घर खरीदने का विचार कर रहे लोगों के लिए आज का दिन शुभ है। आज आपका मन घरेलू काम काज में लगेगा। आज बॉस आपको किसी नए प्रोजेक्ट पर काम करने को कह सकते हैं। डिप्लोमा की तैयारी कर रहे छात्रों को पढ़ाई करने की जरूरत है। कपड़े का व्यापार कर रहे लोगों का कारोबार अच्छा चलेगा।

मिथुन राशिः आज आपका दिन नई उमंगों के साथ शुरू होने वाला है। आज आपकी सूझ-बूझ से किसी काम में सफलता हासिल होगी। गौ सेवा करने का अवसर मिलेगा। आर्थिक समस्या से परेशान लोगों को राहत मिलेगी। आज आप जीवनसाथी के लिए नई ज्वेलरी खरीद सकते हैं, जीवन में आनंद बढ़ेगा। डॉक्टर्स के लिए आज का दिन अच्छा रहेगा। आज आपका मन शांत व संतुष्ट रहेगा।

कर्क राशिः आज आपका दिन खुशियों से भरा रहने वाला है। आपके दोस्त आपसे मदद की गुहार करेंगे, आप उन्हें निराश नहीं करेंगे। बिजनेस कर रहे लोगों को अच्छा मुनाफा होगा। आज आप शॉपिंग करने का मन बनायेंगे। आज आप अपनी बहन को कुछ गिफ्ट दे सकते हैं, जिससे आपका रिश्ता मजबूत बनेगा। आज आप किसी जरुरी मीटिंग में शामिल होंगे। पिता की सलाह से आपको अपने बिजनेस में काफी मदद मिलेगी।

सिंह राशिः आज आपका दिन शांत रहेगा। आज आपकी मुलाक़ात किसी अजनबी से होगी, जिससे आप जीवन की नई सीख लेंगे। आपकी कड़ी मेहनत से लोग प्रभावित होंगे और आपका अनुसरण करेंगे। आज आप ऑफिस के किसी काम में उलझे रहेंगे। इस राशि के स्टूडेंट्स कॉलेज में कुछ नया सीखेंगे और पढाई की तरफ झुकाव बढ़ेगा। रोज की अपेक्षा आज व्यापार में अच्छा मुनाफा होगा।

कन्या राशिः आज आपका दिन अच्छा रहने वाला है। सिविल इंजीनीयर्स के लिए दिन बेहतरीन रहेगा। स्वास्थ्य समस्या से परेशान लोग आज खुद को बेहतर महसूस करेंगे। जॉब की तलाश कर लोगों को अच्छी जॉब मिलने के योग हैं। दाम्पत्य रिश्ता मजबूत बनेगा, परिवार के साथ क्वालिटी टाइम स्पेंड करेंगे।

तुला राशिः आज आपका दिन बेहतरीन रहने वाला है। आज किसी बड़ी कंपनी से आपके लिए जॉब का ऑफर आ सकता है। आज आप नया हुनर सीखेंगे, जो आगे चलकर आपके लिए कारगर साबित होगा। परिवार में किसी सदस्य से आपको अच्छी सलाह मिलेगी। आज आपके घर में मेहमान आ सकते हैं, जिससे घर में खुशनुमा माहौल बना रहेगा।

वृश्चिक राशिः आज आपका दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आप किसी जरुरी काम से बाहर जा सकते हैं, अपना जरुरी सामान रखना न भूलें। आज आपके बिजनेस में प्रॉफिट होगा। फ्रेंड्स के साथ ट्रिप पर जाने का प्लान बना सकते हैं। आज काम करने से पहले अपने बड़ों का आशीर्वाद लेंगे। रिश्तों में चल रही अनबन से आज आपको छुटकारा मिलेगा।

धनु राशिः आज आपका दिन अनुकूल रहने वाला है। ऑफिस में आज आपको सहयोगियों से मदद मिलेगी। घर से दूर रहकर पढ़ाई कर रहे स्टूडेंट्स आज माता-पिता से मिल सकते हैं। सोशल वर्क कर रहे लोगों के लिए आज का दिन बेहतर रहने वाला है। आज लवमेट कहीं घूमने जा सकते हैं आपके रिश्ते की डोर और मजबूत बनेगी।

मकर राशिः आज का दिन उत्साह से भरा रहने वाला है। आपके व्यापार में बेहतर सुधार आयेगा। पारिवारिक जीवन में हो रही अनबन आज समाप्त होगी, आपके परिवार में खुशियां बढ़ेगी। नर्सिंग कर रहे छात्रों को उनके करियर में सफलता मिलेगी। आज आपके नए दोस्त बनेंगे। आज कार्यक्षेत्र में मेहनत कर रहे लोग सफल होंगे।

कुंभ राशिः आज आपका दिन आपके लिए खुशियां लाने वाला है। परिवार में आपके अच्छे काम की तारीफ़ होगी। महिलाओं के लिए आज का दिन बेहद ख़ास रहने वाला है। आज आपके पास बिजनेस को आगे बढ़ाने का अच्छा मौका है। कम्पटीशन की तैयारी कर रहे छात्रों को तैयारी जारी रखनी चाहिए।

मीन राशिः आज आपका दिन बेहद खुशहाल रहने वाला है। आज अपने बिजनेस को आगे बढ़ाने की नयी योजना बनायेंगे, जिससे आपकी कामयाबी आसमान की बुलंदियों पर होगी। आपकी मुलाकात बचपन के किसी दोस्त से होगी, आपकी पुरानी यादें ताज़ा होंगी।

क्यों क्रूर बदमाशी का रूप ले रही है रैगिंग?

प्रियंका सौरभ

रैगिंग को अक्सर एक संस्कार के रूप में प्रस्तुत किया जाता है जो नए छात्रों को उच्च शिक्षा संस्थानों में परिसर में जीवन को समायोजित करने में सहायता करता है। हालाँकि जूनियर कैंपस के रीति-रिवाजों को सीख सकते हैं और वरिष्ठों के साथ सकारात्मक बातचीत के माध्यम से एक सहायक समुदाय बना सकते हैं, लेकिन जब इसके परिणामस्वरूप उत्पीड़न, अपमान और हिंसा होती है, तो रैगिंग एक बड़ी समस्या बन जाती है। इन घटनाओं में लंबे समय तक चलने वाले आघात का कारण बनने की क्षमता होती है, जो एक स्वागत योग्य और समावेशी परिसर समुदाय को बढ़ावा देने के लक्ष्य को विफल कर देगा। हालाँकि रैगिंग से छात्रों को जुड़ने और एकीकृत होने का मौका मिलना चाहिए, लेकिन यह अक्सर एक हानिकारक उत्पीड़न में बदल जाता है। उत्पीड़न के कारण रैगिंग एक सहायक वातावरण को बढ़ावा देने के बजाय हिंसक व्यवहार से जुड़ा हुआ है, जो दोस्ती के बजाय डर को बढ़ावा देता है। केरल के कोट्टायम नर्सिंग कॉलेज और तिरुवनंतपुरम के करियावट्टम कॉलेज जैसी कई दुखद घटनाओं ने रैगिंग के हानिकारक प्रभावों की ओर ध्यान आकर्षित किया है और परंपरा के रूप में रैगिंग के भयावह पहलू को उजागर किया है। भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में कई वर्षों से, रैगिंग एक गंभीर प्रकार की बदमाशी और उत्पीड़न की समस्या रही है, जिसके परिणामस्वरूप अक्सर मनोवैज्ञानिक आघात, आत्महत्या और यहाँ तक कि हत्या जैसे हिंसक अपराध भी होते हैं। सुप्रीम कोर्ट के आदेशों और 2009 से यूजीसी के एंटी-रैगिंग नियमों के बावजूद घटनाएँ जारी हैं। 2012 और 2023 के बीच रैगिंग के परिणामस्वरूप 78 छात्रों की मृत्यु से प्रवर्तन में विफलता उजागर हुई। भारतीय उच्च शिक्षा संस्थानों में, रैगिंग मुख्य रूप से सामाजिक-सांस्कृतिक कारकों के कारण होती है। भारतीय सामाजिक संरचनाओं द्वारा सुदृढ़ कठोर पदानुक्रम में वरिष्ठ छात्र कनिष्ठों पर अपना प्रभुत्व जताते हैं। यह इंजीनियरिंग कॉलेजों में शक्ति-आधारित सामाजिक व्यवस्था को मज़बूत करता है जब वरिष्ठ जूनियर से अपमानजनक कार्य करवाते हैं। आक्रामकता का महिमामंडन करने वाली अति-पुरुषवादी संस्कृति छात्रों को रैगिंग की परंपराओं का पालन करने के लिए मजबूर करती है। मेडिकल स्कूलों में छात्रों को लचीलापन बनाने के नाम पर धीरज-आधारित असाइनमेंट पूरा करने के लिए मजबूर किया जाता है। कई उच्च शिक्षा संस्थान अत्यधिक हिंसा होने तक हस्तक्षेप को हतोत्साहित करते हैं क्योंकि वे रैगिंग को एक दीक्षा अनुष्ठान के रूप में देखते हैं। जादवपुर विश्वविद्यालय (2023) में रैगिंग को बॉन्डिंग प्रक्रिया के रूप में लिखा गया था, जिसके परिणामस्वरूप एक छात्र की असामयिक मृत्यु हो गई। प्रतिशोध का डर, प्रभावी गवाह सुरक्षा की कमी और सामाजिक कलंक पीड़ितों को रैगिंग की रिपोर्ट करने से अनिच्छुक बनाते हैं। 2009 में, अमन काचरू ने पहले शिकायत दर्ज नहीं की क्योंकि वह वरिष्ठ प्रतिशोध से डरता था, भले ही उसके साथ बार-बार दुर्व्यवहार किया गया हो। साथियों का दबाव या इसके बारे में संदेह कई छात्रों को रैगिंग की रिपोर्ट करने से रोकता है। रैगिंग को प्रभावी ढंग से समाप्त करने के लिए सख्त और त्वरित दंड आवश्यक है। संभावित रैगर्स को हतोत्साहित करने के लिए, सुनिश्चित करें कि तत्काल अनुशासनात्मक उपाय किए जाएँ, जैसे निष्कासन, कानूनी मुकदमा और अपराधी को ब्लैकलिस्ट करना। कठोर समाधान समयसीमा और खुली निगरानी के साथ एक निजी ऑनलाइन शिकायत पोर्टल स्थापित करें। पारदर्शी जवाबदेही के साथ विश्वविद्यालय अनुदान आयोग हेल्पलाइन का एक नया संस्करण आवश्यक है क्योंकि वर्तमान हेल्पलाइन पर्याप्त तेज़ी से प्रतिक्रिया नहीं देती है। अनिवार्य कार्यशालाओं, संवेदनशीलता अभियानों और मेंटरशिप कार्यक्रमों को लागू करके सकारात्मक वरिष्ठ-जूनियर सम्बंधों को प्रोत्साहित करें और दृष्टिकोण बदलें। एम्स दिल्ली रैगिंग के मामलों को कम करता है और नए छात्रों को परामर्श सत्र देकर एक सहायक संस्कृति को बढ़ावा देता है। संभावित मुद्दों को अधिक गंभीर होने से पहले पहचानने के लिए व्यवहार ट्रैकिंग, सरप्राइज चेक और छात्रावासों में सीसीटीवी गाने का उपयोग करें। आईआईटी मद्रास ने बातचीत की निगरानी के लिए सीसीटीवी और छात्र प्रोफ़ाइलिंग का उपयोग करके रैगिंग की घटनाओं की संख्या में उल्लेखनीय कमी की है। एक संगठित मेंटरशिप कार्यक्रम स्थापित करें जहाँ वरिष्ठ नए कर्मचारियों की सकारात्मक तरीके से मदद करने के लिए नेतृत्व प्रमाणपत्र या अकादमिक क्रेडिट प्राप्त कर सकें। वरिष्ठ छात्र बिट्स पिलानी के बडी सिस्टम के माध्यम से जूनियर का मार्गदर्शन करते हैं, जो बदमाशी के बजाय रचनात्मक सम्बंधों को बढ़ावा देता है। नए छात्रों के लिए सुरक्षित और मैत्रीपूर्ण वातावरण की गारंटी देने के लिए व्यवहार सम्बंधी आकलन को उच्च शिक्षा संस्थानों की प्रणालियों में शामिल किया जाना चाहिए। सक्रिय अवलोकन संभावित खतरों के बारे में जानकारी प्रकट कर सकता है। संगठित सलाह कार्यक्रमों का समर्थन उपचार में सहायता कर सकता है। रैगिंग की समस्या का कोई एकल, सार्वभौमिक रूप से लागू समाधान नहीं है। शैक्षणिक संस्थानों, छात्रों और बड़े पैमाने पर समाज के लिए एक सुरक्षित और देखभाल करने वाला वातावरण स्थापित करने के लिए मिलकर काम करना महत्त्वपूर्ण है। रैगिंग को ख़त्म करने के लिए, एक बहुआयामी रणनीति, कठोर कानूनी प्रवर्तन, गुमनाम रिपोर्टिंग प्रणाली और त्वरित दंडात्मक कार्यवाही की आवश्यकता है। मज़बूत सलाह नेटवर्क, आवश्यक संवेदीकरण कार्यक्रम और दयालु सहकर्मी बातचीत को प्रोत्साहित करना निरोध के अलावा अन्य तरीकों से परिसर की संस्कृति को बदल सकता है। संस्थागत जवाबदेही और प्रौद्योगिकी-संचालित निगरानी यह गारंटी देगी कि उच्च शिक्षा संस्थान भय के बजाय सुरक्षा, समावेशिता और समग्र विकास के स्थान हैं।

'पुष्पेश पब्लिकेशन', श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013 के लिए स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'** द्वारा प्रकाशित तथा 'गोपीन्दु इंटरप्राइजेज' प्रेस, चास, बोकारो में मुद्रित। पंजीकृत कार्यालय– गोपीन्दु भवन, श्रीकृष्णापुरी, चास, बोकारो–827013. झारखंड।
संपादक : **पूर्णेन्दु सिन्हा 'पुष्पेश'**❋; प्रबंध संपादक : **राजेश मोहन सहाय**; बिहार प्रभारी : **संतोष श्रीवास्तव।**
रांची – 93, मेजर कोठी, इटकी रोड, हेहल, झारखंड।
फोन– 9142412511/9102251947; WhatsApp- 9142412511; Website : www.rashtriyamukhyadhara.com
❋समाचार चयन के लिए पीआरबी एक्ट के तहत जिम्मेदार। ◦ यहाँ प्रकाशित लेखों–आलेखों में व्यक्त सत्य, तथ्य और विचार लेखकों के सर्वथा निजी हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी

संक्षिप्त समाचार

पत्नी के साथ नाबालिग बेटी को भी देना होगा गुजारा भत्ता, पटना हाईकोर्ट का बड़ा फैसला

पटना, एजेंसी। शुक्रवार को सुनवाई करते हुए पटना उच्च न्यायालय ने मुस्लिम पत्नी के साथ उसके नाबालिग बच्ची को भी जीवन निर्वाह गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया है. कोर्ट ने पत्नी को प्रति माह दो हजार और बच्ची को दो हजार कुल चार हजार रुपये प्रति माह के हिसाब से 1 मार्च 2012 से देने का आदेश दिया है. जस्टिस जितेंद्र कुमार ने हसीना खातून और नाबालिग बच्ची की ओर से दायर अर्जी पर सुनवाई के बाद यह आदेश दिया है. मुस्लिम पत्नी के साथ नाबालिग बच्ची को भी गुजारा भत्ताः पूर्वी चंपारण के परिवार न्यायालय ने पति को 1500 रुपये प्रति माह और मुकदमा खर्च के रूप में पांच हजार रुपये देने का आदेश दिया था लेकिन बच्ची को एक पैसा नहीं मिला. परिवार न्यायालय के आदेश को पत्नी ने हाईकोर्ट में अर्जी दायर कर चुनौती दी. कोर्ट ने मामले पर विस्तार से सुनवाई कर कहा कि पति को पत्नी के साथ साथ बच्ची को भी गुजारा भत्ता देना होगा. पटना हाईकोर्ट ने सुप्रीम कोर्ट के फैसले और दंड प्रक्रिया संहिता के धारा 125 का हवाला देते हुए कहा कि नाबालिग बच्ची अपने पिता से गुजारा भत्ता पाने का हकदार है लेकिन निचली अदालत ने बच्ची को गुजारा भत्ता नहीं दिया. पटना उच्च न्यायालय ने कहा कि मुस्लिम पत्नी दंड प्रक्रिया संहिता के धारा 125 के तहत अपने पति से गुजारा भत्ता पाने की हकदार है. अदालत ने पति को पत्नी और बच्ची को कुल चार हजार रुपये प्रति माह देने का आदेश दिया है.

बिहार में पुलिसकर्मियों की छुट्टियां कैंसल, होली के चलते मार्च में इतने दिन नहीं ले सकेंगे छुट्टी

पटना, एजेंसी। बिहार में होली को लेकर राज्य पुलिसकर्मियों की छुट्टी पर 10 से 18 मार्च 2025 तक रोक लगा दी गयी है। शुक्रवार को मिली जानकारी के अनुसार, बिहार पुलिस मुख्यालय ने होली के दौरान होने वाली विधि व्यवस्था की समस्या को देखते हुए पुलिस पदाधिकारियों व कर्मियों के छुट्टी लेने पर यह रोक लगायी है। आगामी 14 और 15 मार्च को होली का त्योहार है ऐसे में पुलिस मुख्यालय ने 10 से 18 मार्च तक सभी पुलिसकर्मियों की छुट्टियों को रद्द कर दिया है। अपर पुलिस मुख्यालय लॉ एंड ऑर्डर संजय कुमार सिंह ने पत्र जारी कर इसकी जानकारी दी है।

मैंने वर्दी छोड़ा,अब चमड़ी ही खाकी है ; पूर्व आईपीएस शिवदीप लांडे ने बताया सेकेंड इनिंग का प्लान

पटना, एजेंसी। सुपर कॉप और सिंघम जैसे नामों से चर्चित पूर्व आईपीएस शिवदीप वामनराव लांडे रन फॉर सेल्फ के बैनर तले अपनी दूसरी पारी की शुरुआत करने जा रहे हैं। पूर्णिया में आईजी के पद पर रहते हुए 19 सितम्बर को उन्होंने सोशल मीडिया पर अपने इस्तीफे की सूचना देकर बिहार के लोगों को चौंका दिया था। उसके बाद पहली बार वे पटना में मीडिया के सामने पत्नी डॉ ममता के साथ आए। बिहार में व्यापक बदलाव की दस सालों की योजना की जानकारी देते हुए पूर्व आईपीएस ने कनेक्ट विद शिवदीप नाम का एप भी लॉन्च किया जिसे बिहार के युवाओं ने तैयार किया है। उन्होंने कहा कि वे किसी की विचारधारा से से प्रभावित नहीं हैं इसलिए किसी के साथ जुड़कर काम करने का फिलहाल कोई प्लान नहीं है। यह भी कहा कि उनकी पूरी चमड़ी ही खाकी हो गई है और वर्दी छोड़ने के बाद भी खाकी उनके दिल में बसता है।पत्रकारों से बात करते हुए शिवदीप लांडे ने बताया कि उनका जन्म भले ही महाराष्ट्र में हुआ लेकिन बिहार ने उन्हें असली पहचान दी। वे बिहार की मिट्टी का कर्ज चुकाना चाहते हैं। मुंगेर से पद पर रहते हुए उन्हें बहुत सारे लोगों के मैसेज आते थे। लोग उनसे बहुत उम्मीद रखते हैं जिनसे पद की मर्यादा के का कारण कनेक्ट नहीं कर पाते थे। कहा कि जो लोग बिहार की दशा और दिशा बदलना चाहते हैं वे एप के माध्यम से उनसे जुड़ें। यह एप प्लेस्टोर पर उपलब्ध है। मकसद बिहार को बदलना है और इसके पीछे कोई स्वार्थ नहीं है। शिवदीप लांडे ने कहा कि आईपीएस का सपना पूरा करने कि लिए काफी संघर्ष करना पड़ा। 18 सालों तक सेवा दी। बिहार से मुझे बड़ी पहचान मिली। सेवा में रहते हुए न्याय देने की लड़ाई लड़ी। वहां अपना डेवलमेंट हो सकता था पर जो काम अंदर से करने का मन था वह पूरा होता नहीं दिख रहा था। इसीलिए आईपीएस नौकरी छोड़ दी। अब बिहार के लोगों के लिए जीना है। आने वाले दस सालों में बिहार की दशा और दिशा को बदलने का प्लान सामने दिख रहा है। इसी से इस माटी का कर्ज चुकेगा। उन्होंने कहा कि बिहार की प्रतिभा और यहां का परिश्रम पूरे देश में छाया हुआ है। फिर में शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार जैसे फ्रंट पर ऐसी स्थिति क्यों है।

बिहार में पहली बार रग्बी का आयोजन: महिला और पुरुष की 16 टीम लेगी हिस्सा

रवीन्द्रण शंकरण ने कहा- खुशी और गर्व की बात

नालंदा, एजेंसी। बिहार पहली बार एशिया रग्बी अंडर 20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 की मेजबानी करेगा। राजगीर में 9 और 10 अगस्त को होने वाली इस चैंपियनशिप के आयोजन के लिए पाटलिपुत्र खेल परिसर में रग्बी इंडिया और बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के बीच एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ। बिहार सरकार के प्रतिनिधि के रूप में बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के महानिदेशक सह मुख्य कार्यकारी अधिकारी रवीन्द्रण शंकरण और रग्बी इंडिया के महासचिव जेरॉल्ड प्रभु ने समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए। इस अवसर पर बिहार राज्य खेल प्राधिकरण के निदेशक सह सचिव रविंद्र नाथ चौधरी, रग्बी इंडिया के चीफ ऑपरेटिंग ऑफिसर अंकुश अरोड़ा ,बिहार रग्बी एसोसिएशन के सचिव पंकज कुमार ज्योति सहित रग्बी प्रशिक्षक और खिलाड़ी भी उपस्थित रहे ।

अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर सुदृढ़ करने में सफलता : श्री शंकरण ने आगे कहा कि बिहार लगातार अन्तर्राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिताओं की मेजबानी कर रहा है,अभी हाल ही में सेपक टाकरा वर्ल्ड कप की मेजबानी के लिए भी समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुआ था और 20 से 25 मार्च तक यह प्रतियोगिता पटना में हो रही है। अभी महिला कबड्डी विश्व कप और हीरो एशिया कप हॉकी भी राजगीर में होने वाला है। खेलो इंडिया यूथ गेम्स भी मई में यहां होने वाला है। सरकार के निरंतर सहयोग और प्रयास से खेल के क्षेत्र में बिहार नई ऊंचाइयों को छूने के साथ साथ अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर भी अपनी छवि को और सुदृढ़ करने में सफल रहा है। रग्बी इंडिया के महासचिव जेरॉल्ड प्रभु ने कहा कि खेल के क्षेत्र में बिहार की बढती ख्याति और अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खेल आयोजनों को सफलतापूर्वक आयोजन करने की बिहार की क्षमता और कुशलता को देख कर रग्बी इंडिया ने ये टूर्नामेंट बिहार में कराने का निर्णय लिया है और ये हमारे लिए भी बहुत खुशी और

गर्व की बात है। रग्बी में बिहार के खिलाड़ी निरंतर अच्छा कर रहे हैं और इनमें राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर खेलने की पूरी क्षमता और योग्यता है। बिहार में बुनियादी स्तर पर ही प्रतिभा का चयन कर उन्हें प्रशिक्षण के द्वारा राष्ट्रीय अंतर्राष्ट्रीय स्तर के खिलाड़ी के रुप में तैयार किया जा रहा है।

चैंपियनशिप में 16 टीम लेगी हिस्सा : यह बहुत ही सराहनीय और दूसरे प्रदेशों के लिए प्रेरणादायक कदम है। आगे उन्होंने बताया कि राजगीर में 9 और 10 अगस्त 2025 को एशिया रग्बी अंडर 20 सेवेन्स चैंपियनशिप 2025 का आयोजन होने वाला है।

रवीन्द्रण शंकरण ने कहा- बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात

रवीन्द्रण शंकरण ने बताया कि बिहार में पहली बार एशिया रग्बी अंडर 20 सेवेन्स चैंपियनशिप का आयोजन होना बिहार के लिए बहुत खुशी और गर्व की बात है और इसकी मेजबानी का अवसर देने के लिए रग्बी इंडिया को बहुत बहुत धन्यावाद है। बिहार के खिलाड़ी भी रग्बी में निरंतर बेहतर प्रदर्शन करते हुए बहुत तेजी से राष्ट्रीय स्तर पर अपनी पहचान बना रहे हैं । अभी हाल ही में नेशनल गेम्स में बिहार की महिला टीम रजत पदक जीता है और कुछ दिनों पहले संपन्न हुए स्कूल गेम्स में बिहार की बालिका और बालक दोनों टीमों ने जूनियर,सब जूनियर और सीनियर सभी वर्गों में चैम्पियनशिप जीत कर रग्बी में अपना परचम लहराया है। पिछले तीन वर्षो में बिहार की बॉयज और गर्ल्स रग्बी टीम ने नेशनल स्कूल गेम्स, नेशनल गेम्स और रग्बी सीनियर में कुल 21 स्वर्ण और 5 रजत पदक जीते हैं। यह बिहार में रग्बी के प्रति खिलाडियों की रुचि और जुनून को दिखाता है। राष्ट्रीय स्तर पर रग्बी ने ही खेल के क्षेत्र में बिहार की पहचान सुदृढ़ की है। रग्बी बिहार की प्राथमिकता वाली 14 खेलों में शामिल है। वैसे तो सरकार हर खेल के विकास के लिए प्रतिबद्ध है मगर जिस खेल में मेडल जीतने की संभावना ज्यादा होती है या जिसमें बिहार के खिलाड़ी मेडल जीतते हैं उसपर विशेष ध्यान दिया जाता है क्योंकि मेडल तो मेडल होता है चाहे वो जिस खेल से आए।

130 उपभोक्ताओं का कटा बिजली कनेक्शन, 16 लोगों पर चोरी का मुकदमा दर्ज

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा में बिजली चोरी को रोकने के लिए बिजली विभाग ने कार्रवाई तेज कर दी है. इसी कड़ी में राजगीर अनुमंडलीय क्षेत्र में बिजली चोरी करने वालों को पकड़ने को लेकर बिजली विभाग अभियान चला रहा है. इसके तहत बिजली विभाग ने बाईपास कर बिजली चोरी करने और डिफॉल्टर सहित 16 उपभोक्ताओं पर एफआईआर दर्ज कराई है. 130 उपभोक्ताओं का बिजली कनेक्शन कटाः कनीय अभियंता विद्यासागर ने बताया कि राजस्व संग्रहण को लेकर डोर टू डोर बकाया राशि का संग्रह किया जा रहा है. इसी के तहत चोरी पकड़ी गई है. राजगीर के विद्युत अवर प्रमंडल ने बकाया बिजली बिल नहीं चुकाने वाले 130 उपभोक्ताओं का बिजली कनेक्शन काट दिया. साथ ही मीटर बाइपास कर बिजली चोरी करने वाले 16 उपभोक्ताओं के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज की गई.

कौन-कौन थे टीम में शामिल?: वित्तीय वर्ष के अंत को देखते हुए विभाग ने विशेष टीम बनाकर डोर-टू-डोर राजस्व संग्रहण और छापेमारी अभियान शुरू किया है. इस टीम में टेक्निशियन राकेश कुमार, कनिष्ठ अभियंता अरुण कुमार, मिथिलेश कुमार, आनंदी रविदास, राकेश कुमार उर्फ लालू, अविनाश कुमार, दिनेश कुमार शामिल हैं.

क्या बोले जूनियर इंजीनियर?: इस अभियान का नेतृत्व कर रहे कनिष्ठ अभियंता विद्यासागर ने बताया कि बकाया राशि वसूलने, बिजली चोरी रोकने और डिफॉल्टरों पर कार्रवाई के लिए यह ऑपरेशन चल रहा है. फरवरी में 16 उपभोक्ताओं पर एफआईआर दर्ज की गई, जिनमें स्मार्ट मीटर बाइपास और अवैध बिजली उपयोग के मामले शामिल हैं. उन्होंने कहा कि काटे गए कनेक्शनों की जांच हो रही है, ताकि चोरी का पता लगाया जा सके. उपभोक्ताओं से बकाया एकमुश्त या किश्तों में चुकाने और शीघ्र री-कनेक्शन कराने की अपील की गई है. राजगीर के कनिष्ठ अभियंता विद्यासागर का कहना है कि बकाया राशि वसूलने, बिजली चोरी रोकने और डिफॉल्टरों पर कार्रवाई के लिए यह ऑपरेशन चल रहा है. फरवरी में 16 उपभोक्ताओं पर एफआईआर दर्ज की गई. हमने उपभोक्ताओं से बकाया एकमुश्त या किश्तों में चुकाने और शीघ्र री-कनेक्शन कराने की अपील की गई है. यह अभियान मार्च तक जारी रहेगी.-

नालंदा के स्कूल में एमडीएम के अंडे खाने से 60 बच्चे बीमार, डीईओ ने दिए जांच के आदेश

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा में अंडा खाने से 60 बच्चे बीमार हो गए. सभी बच्चों ने मिड डे मील का अंडा खाया था. उसके बाद उनकी स्थिति खराब होने लगी. बच्चों को उल्टी और दस्त होने लगा. उसके बाद उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया गया. बाद में कई बच्चों को अस्पताल से छुट्टी मिली. हालांकि, डीईओ ने मामले की जांच के आदेश दे दिए हैं.

अंडा खाने से 60 बच्चे बीमार: दरअसल, पूरा मामला नालंदा जिले के हरनौत प्रखंड के श्रीचंदपुर प्राथमिक विद्यालय का है. जहां शुक्रवार को मध्याह्न भोजन खाने के 2 घंटा बाद 60 बच्चों की तबीयत बिगड़ गई. बच्चों को पेट दर्द, उल्टी और अस्वस्थता की शिकायत होने लगी. स्कूल प्रशासन ने तुरंत स्थानीय स्वास्थ्य अधिकारियों को सूचित किया और बच्चों को त्वरित इलाज के लिए कल्याण बिगहा रेफरल अस्पताल भेजा गया. अस्पताल पहुंचने के बाद डॉ. जितेंद्र कुमार सिंह ने बच्चों का इलाज शुरू किया और बताया कि हालत में सुधार हो रहा है.

इलाज के बाद 25 बच्चों को घर भेजा: स्वास्थ्य विभाग ने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए तुरंत कार्रवाई की. जानकारी मिलने के बाद सदर अस्पताल से एंबुलेंस के साथ एक

मेडिकल टीम भेजी गई थी, जिसने स्थिति पर कड़ी नजर रखी. बीपीएम मनीष कुमार ने बताया कि अंडे खाने के कारण कुछ बच्चों की तबीयत बिगड़ी थी, लेकिन 25 बच्चों को घर भेजा जा चुका है और शेष बच्चों को भी जल्द ही अस्पताल से छुट्टी मिल जाएगी. जिला शिक्षा अधिकारी राजकुमार का कहना है कि मामले की जांच की जा रही है और यह देखा जाएगा कि अंडों की गुणवत्ता में कोई गड़बड़ी थी या भोजन तैयार करने में कोई लापरवाही हुई थी. दोषियों पर कड़ी कार्रवाई की जाएगी और सुनिश्चित किया जाएगा कि भविष्य में इस प्रकार की घटना की पुनरावृत्ति न हो. -

अभिभावकों में घटना से अफरा-तफरी: इस घटना के बाद स्थानीय नागरिकों और अभिभावकों ने मिड-डे मील योजना की गुणवत्ता पर गंभीर चिंता जताई है. अभिभावकों का कहना है कि बच्चों की सेहत के साथ कोई समझौता नहीं किया जा सकता और स्कूल में मिलने वाले भोजन की गुणवत्ता की सख्त निगरानी होनी चाहिए. उन्होंने प्रशासन से यह भी मांग की है कि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोकने के लिए भोजन की नियमित जांच की जाए.

समस्तीपुर पहुंचे तेज प्रताप यादव :युवाओं से कहा- संगठित होकर रहना जरुरी है, आगे बहुत बड़ी लड़ाई है

समस्तीपुर, एजेंसी। समस्तीपुर जिले के हसनपुर विधानसभा क्षेत्र से राजद विधायक तेज प्रताप यादव शुक्रवार देर शाम मोहिउद्दीन नगर पहुंचे। वह आरजेडी कार्यकर्ता रामहित राय की श्रद्धांजलि सभा में शामिल होने पहुंचे थे। इस मौके पर कार्यक्रम को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि राजद में ऐसे सिपाही हैं जो किसी भी पद पर नहीं है लेकिन दल के लिए समर्पित हैं। ऐसे लोगों को दल के मुखिया जानते हैं। युवाओं की ओर इशारा करते हुए उन्होंने कहा कि संगठित होने की जरूरत है आगे बहुत बड़ी लड़ाई है। संविधान पर खतरा है। बिहार में जब राजद सरकार में थी तो बेरोजगारों को नौकरियां दी जा रही थी एक परिवार में एक व्यक्ति को नौकरी लग जाए तो कम से कम पांच लोगों का कल्याण होता है। आरजेडी जब से सरकार से अलग हुई बिहार में नौकरियां बंद हो गई। उन्होंने युवाओं से संगठित होकर रहने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि लोगों को तोड़ने का प्रयास किया जा रहा है।

बड़ा रेल हादसा टला, रेलवे ट्रैक पर फंसी थी बोलेरो, तभी अचानक आ गई ट्रेन

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा में बड़ा रेल हादसा टल गया है. बख्तियारपुर-राजगीर रेल खंड पर देर शाम एक बड़ा हादसा होते-होते बच गया. बिहारशरीफ रेलवे जंक्शन और पावापुरी स्टेशन हॉल्ट के पास लंगड़ी बिगहा गांव के पास अवैध रूप से बनी क्रॉसिंग को पार करने के दौरान एक बोलेरो वाहन रेलवे ट्रैक पर फंस गई, जिसके तुरंत बाद दानापुर से राजगीर जा रही एक पैसेंजर ट्रेन वहां पहुंच गई.

रेलवे ट्रैक पर फंसी बोलेरो को ट्रेन ने मारी टक्कर: बोलेरो में सवार सभी यात्रियों ने किसी तरह से कूदकर अपनी जान बचाई लेकिन वाहन ट्रेन की चपेट में आ गया और कुछ दूर तक खिंचने के बाद ट्रैक पर फंस गया. इस घटना के कारण रेल यातायात पूरी तरह से बाधित हो गई. घटना की सूचना मिलते ही रेलवे विभाग में हड़कंप मच गया. रेलवे अधिकारी तत्काल घटनास्थल पर पहुंचे और स्थिति का जायजा लिया. स्थानीय पुलिस भी मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू कर दी है. हालांकि, बोलेरो में सवार सभी लोग घटनास्थल से फरार हो गए. हमलोग पटना से आ रहे थे. अचानक ट्रेन रुक गई. पता चला है कि कोई वाहन रैलवे ट्रैक पर आ गया था, जिसको ट्रेन ने ठोकर मार दिया. पता नहीं कब तक ट्रेन खुलेगी.- रेल यात्री

क्या बोले स्टेशन मैनेजर?: बिहार शरीफ जंक्शन के प्रबंधक राजीव रंजन ने बताया कि अवैध रूप से ट्रैक पार करने के दौरान इंजन में बोलेरो फंस गई है. मौके पर आलाधिकारी पहुंच गए हैं. जीआरपी और आरपीएफ वाले भी घटनास्थल पर मौजूद हैं. वाराणसी को जाने वाली बुद्ध पूर्णिमा ट्रेन और मालगाड़ी प्रभावित हो रही है.

बिहार शरीफ जंक्शन प्रबंधक राजीव रंजन का कहना है कि यह अवैध क्रॉसिंग स्थानीय लोगों द्वारा बनाई गई है और इसका उपयोग लगातार होता रहा है, जिससे यात्रियों के जीवन को खतरा है. रेलवे विभाग ने कई बार लंगड़ी बिगहा गांव के पास बनी इस अवैध क्रॉसिंग को बंद करने के प्रयास किए हैं. अधिकारियों ने क्रॉसिंग के समीप बने अवैध मार्ग को कई बार काटा है, लेकिन स्थानीय लोग उसे दोबारा भरकर यातायात जारी रखे हैं.

28 साल बाद आया कोर्ट का फैसला, जमीन विवाद में हत्या के मामले में 14 लोगों को उम्रकैद

मधुबनी, एजेंसी। बिहार के मधुबनी के भैरव स्थान थाना क्षेत्र के झौआ गांव में 28 साल पुराने जमीन विवाद में आखिरकार मधुबनी न्यायालय ने अपना फैसला सुना दिया है. इस मामले में 5 अगस्त 1997 को दो पक्षों के बीच विवाद हुआ था, जिसमें हमले की वजह से योगेंद्र यादव की घटनास्थल पर ही मौत हो गई थी. मधुबनी न्यायालय का ऐतिहासिक फैसलाः बता दें कि 28 साल पहले हुए इस विवाद में मृतक के परिजन नागेश्वर यादव गंभीर रूप से घायल हो गए थे और उनका इलाज सदर अस्पताल में चल रहा था. मधुबनी पुलिस ने नागेश्वर यादव के फर्द बयान पर मामला दर्ज किया था, जिसे 6 अगस्त 1997 को पंजीबद्ध किया गया था.

14 आरोपियों को उम्र कैद की सजाः वहीं 28 साल की लंबी लड़ाई के बाद, जिला न्यायाधीश अनामिका टी ने इस मामले में फैसला सुनाया है. उन्होंने कमल यादव को भारतीय दंड संहिता (आईपीसी) की धारा 302 के तहत दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा दी है.

इन आरोपियों को मिली सजा: अन्य आरोपियों में चंदर यादव, जमुना यादव, महेश यादव, सुरेश यादव, रघुनी यादव, बिंदेश्वर यादव, ललित यादव, उत्तिम यादव, प्रमोद यादव, सूरत यादव, बौअन यादव, कारी यादव और कुशे यादव को एसटीएन 429/98 के तहत उम्र कैद की सजा सुनाई गई है.

11 आरोपी बरी: मधुबनी न्यायालय ने 11 अन्य आरोपियों को पहले ही रिहा कर दिया था. इनमें सुन्नर यादव, शत्रुघन यादव, इनर यादव, जयनारायण यादव, फिरु यादव, नेपाल यादव, जददू यादव, चुम्मन यादव, शैलेंद्र यादव, योगेंद्र यादव उर्फ पोता और देवेंद्र यादव शामिल थे.

भावुक करने वाली है इस सेवानिवृत्त शिक्षक की विदाई

जब फूट-फूटकर रोए छात्र और अभिभावक

नालंदा, एजेंसी। बिहार के नालंदा जिले के परवलपुर प्रखंड स्थित डुमरी मध्य विद्यालय में शिक्षक की विदाई आपको भावुक कर देगी. शिक्षक आदित्य नारायण शर्मा की विदाई एक अनोखे तरीके से बैंड बाजे के साथ की गई. 14 सालों तक शिक्षण सेवा देने के बाद, विभागीय नियमों के तहत आदित्य नारायण शर्मा अब सेवानिवृत्त हो गए हैं. उनकी विदाई में पूरे गांव ने भाग लिया और इस आयोजन को एक विवाह समारोह जैसा रूप दिया गया. ढोल-नगाड़ों के साथ बारात निकाली गई, जैसे मानो किसी दूल्हन की विदाई हो रही हो.

भावुक हुए छात्र और गांव वाले

इस विदाई समारोह के दौरान स्कूल के छात्र-छात्राएं बेहद भावुक हो गए और कई छात्राएं फूट-फूटकर रोने लगीं. बच्चों और स्थानीय लोगों से आदित्य नारायण शर्मा का गहरा लगाव था, जिसके कारण यह विदाई समारोह सभी के लिए भावुक करने वाला क्षण था. शिक्षक की विदाई के लिए उनकी गाड़ी को दूल्हे की तरह सजाया गया और स्कूल प्रांगण में विदाई गीतों की धुन गूंजने लगीं, जिससे पूरा माहौल गमगीन हो गया.

प्राचार्य ने की शिक्षक की जमकर तारीफ

इस मौके पर एक भोज का भी आयोजन किया गया, जिसमें विद्यालय और ग्रामीणों ने मिलकर हिस्सा लिया. स्कूल के प्राचार्य प्रवीण कुमार ने शिक्षक की कड़ी मेहनत की सराहना की और बताया कि आदित्य नारायण शर्मा बच्चों को शिक्षा देने के साथ-साथ उनके अभिभावकों को भी शिक्षा को लेकर प्रेरित करते थे.

वे ड्यूटी के पक्का थे, समय से स्कूल आने जाने के साथ बच्चों को सभी विषयों की शिक्षा के साथ अन्य चीजों के बारे में भी जानकारी देते थे. इसके साथ ही बच्चों के अभिभावकों

शिक्षक का भावुक कर देने वाला संबोधन

सेवानिवृत्त शिक्षक आदित्य नारायण शर्मा ने कहा कि वो बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करते हैं. वहीं यहां के कई बच्चों में डॉक्टर और इंजीनियर बनने की क्षमता है और वे एक दिन देश का नाम रौशन करेंगे. इस दौरान गांव के प्रबुद्ध जनों ने शिक्षक को स्वास्थ्य और खुशहाली की शुभकामनाएं दी. यह विदाई समारोह सुर्खियों में बना हुआ है.

बच्चों के उज्जवल भविष्य की कामना करता हूं

सेवानिवृत्त शिक्षक आदित्य नारायण शर्मा ने कहा कि हमारे कुछ बच्चों में इंजीनियर और डॉक्टर बन देश का नाम रौशन करने की क्षमता भी है और वह करेंगे. मैं हमेशा उनके साथ हूं.

को भी बच्चों को शिक्षा की लिए प्रेरित करते थे. जब तक वे यहां थे एक परिवार की तरह घुल मिलकर रहे.- प्रवीण कुमार, प्राचार्य

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
RNI : JHAHIN/2014/54374
अख़बार भी, आन्दोलन भी
बोकारो, रविवार, 02 मार्च, 2025

संक्षिप्त समाचार

गोरखपुर में दिल दहलाने वाली वारदातः नाती ने दो बाबा और दादी की फावड़े से वार कर जान ली

गोरखपुर, एजेंसी। उत्तर प्रदेश के गोरखपुर जिले के झंगहा थाना क्षेत्र में तीन लोगों की हत्या का सनसनीखेज मामला सामने आया है। यहां मोतीराम अड्डा कोईरान टोला में मानसिक विक्षिप्त नाती ने दो दादा (बाबा) और दादी की फावड़े से मारकर हत्या कर दी। मामले की जानकारी पर पूरा इलाका दहल उठा।

जानकारी के अनुसार, शुक्रवार भोर की घटना है। मृतकों की पहचान कुबेर मौर्य (72), साधु मौर्य (75) और द्रौपदी देवी (70) पत्नी स्व. कुबेर के रूप में हुई है। नाती रामदयाल मौर्य पर तीनों हत्याओं का आरोप है। आरोपी मानसिक रूप से विक्षिप्त बताया जा रहा है। पुलिस ने आरोपी नाती को गिरफ्तार कर लिया है। झंगहा थाने में उससे पूछताछ हो रही है।

पानीपत-खटीमा हाईवे पर हादसा, छात्र की मौत, चाचा व दो भाई घायल

मुजफ्फरनगर, एजेंसी। मुजफ्फरनगर में जानसठ के गांव राठौर निवासी हाई स्कूल की परीक्षा देने आ रहे दो भाई व उनका चाचा हादसे में घायल हो गया। इनमें से एक छात्र कार्तिक की दर्दनाक मौत हो गई।

बताया गया कि कार्तिक व उसका चचेरा भाई शिवम हाईस्कूल के छात्र हैं। दोनों अपने चाचा अनुज के साथ बाइक पर सवार होकर मुजफ्फरनगर के द एस डी पब्लिक स्कूल में परीक्षा देने आ रहे थे।

पानीपत-खटीमा हाईवे पर सिखेड़ा नहर के पास ट्रैक्टर ने बाइक में टक्कर मार दी। तीनों घायलों को जिला अस्पताल लाया गया। वहां कार्तिक को मृत घोषित कर दिया। अन्य दोनों को उपचार दिया जा रहा है। हादसे के बाद चालक ट्रैक्टर को छोड़ कर भाग गया।

बच्चों के लिए चलाई जा रहीं जर्जर बसें

संग्रामपुर (अमेठी), एजेंसी। क्षेत्र के जरौटा गांव में बृहस्पतिवार की सुबह एक निजी विद्यालय की बस के पीछे के दाहिने तरफ लगे दोनों टायर पंचर हो गए, जिससे काफी देर तक बच्चे रास्ते में फंसे रहे। करीब आधे घंटे बाद सुबह नौ बजे विद्यालय की दूसरी बस में बच्चों को ठूंसकर ले जाया गया। इस दौरान पंचर हुई विद्यालय वाहन की हालत लोगों को हैरान कर देने वाली नजर आई, जिससे स्थानीय लोगों ने बच्चों की सुरक्षा को लेकर सवाल खड़े किए।

बस की बॉडी कई जगह से जर्जर है, सीटें टूटी हुई और साइड का शीशा तक नहीं लगा था। सुरक्षा मानकों की बात करें तो बस में प्राथमिक उपचार किट भी नहीं थी। अग्निशमन यंत्र जरूर था, लेकिन उसमें गैस नहीं थी और न ही उस पर कोई एक्सपायरी डेट का स्टीकर लगा था। बच्चों ने बताया कि बस की सीटें टूटी हुई हैं और उन्हें किसी तरह बैठकर स्कूल आना-जाना पड़ता है।

एक छात्र ने बताया कि परसों बस का एक टायर पंचर हुआ था और आज दूसरा हो गया। स्टेपनी भी पंचर है, इसलिए कोई और विकल्प नहीं बचा। सुबह नौ बजे तक कोई दूसरा वाहन लेने नहीं पहुंचा। जरौटा निवासी पंकज, अजीत मिश्रा, रिंकू, अंबुज, राजकुमार, लालजी ने बताया कि आए दिन बस खराब हो जाती है।

घर और गांव के बच्चे इसी बस से पढ़ने जाते हैं। लोगों ने बस की हालत देखने के बाद कहा कि इस लापरवाही से यह स्पष्ट है कि विद्यालय प्रशासन और परिवहन विभाग बच्चों की सुरक्षा को लेकर गंभीर नहीं हैं। जर्जर और मानकविहीन बसों का संचालन न सिर्फ बच्चों की जिंदगी से खिलवाड़ है, बल्कि प्रशासन की अनदेखी भी दर्शाता है।

जुगाड़ से चला रहे बस- बस का बोनट वेल्डिंग के सहारे टिका हुआ था। टायरों में गोटियां नहीं थीं। कई जगह रस्सियों और तार के सहारे बस को बांधकर चलाया जा रहा था। बस पर चढ़ने के लिए बने पायदान की चादर जंग लगने से क्षतिग्रस्त हो चुकी थी।

इश्क में बदला मजहबः बरेली में दो युवतियों ने अपनाया हिंदू धर्म, मंदिर में प्रेमियों संग लिए सात फेरे

बरेली, एजेंसी। बरेली में दिल्ली की सीलमपुर निवासी रहीमा ने मजहब बदलकर हिंदू धर्म अपना लिया। मजहब की दीवारें तोड़कर वह रिद्धि बन गईं और बृहस्पतिवार को शहर के एक मंदिर में बहेड़ी के गांव चुरेली निवासी प्रेमी दीपक के साथ शादी कर ली। दीपक से शादी के बाद रहीमा ने कहा कि वह बालिग हैं। उन्होंने बिना किसी दबाव के अपनी मर्जी से दीपक से शादी की है। अपने परिवार से जान का खतरा भी जताया। दीपक और रहीमा दिल्ली में एक सिलाई फैक्टरी में काम करते थे। दो साल पहले इनके बीच नजदीकियां बढ़ीं और प्रेम कहानी शुरू हो गई। रहीमा ने बताया कि दो साल पहले दोनों की मुलाकात के बाद बातचीत का सिलसिला शुरू हुआ। दीपक ने प्यार का इजहार किया तो रहीमा ने भी हामी भर दी। इसके बाद दोनों का धर्म अलग होने के कारण शादी में अड़चन आ रही थी। रहीमा के मुताबिक उनके घरवाले दीपक से रिश्ते के खिलाफ थे। दीपक के घरवाले भी खुश नहीं थे। बाद में वह शादी के लिए राजी हो गए।

इसके बाद रहीमा ने घर छोड़ दीपक के साथ बरेली चली आईं। दोनों शहर के एक मंदिर पहुंचे, यहां रहीमा ने धर्म परिवर्तन कर अपना नाम रिद्धि कर लिया। मंदिर के महंत ने दोनों की शादी करा दी। दीपक ने रिद्धि की मांग में सिंदूर भरा और मंगलसूत्र पहनाया। रहीमा ने अपने पैरों में बिछिया पहने। रहीमा ने बताया कि वह हिंदू धर्म में खुद को काफी सहज महसूस कर रही हैं।

राजेंद्र के प्यार में अलीजा ने मनीषा बन रचाई शादी

उत्तराखंड निवासी प्रेमी युगल ने बरेली आकर शादी कर ली। राजेंद्र के प्यार में अलीजा ने पहले हिंदू धर्म अपनाया और बाद में मनीषा बनकर सात फेरे लिए। प्रेमी युगल का कहना है कि अलग-अलग धर्म होने के कारण परिवार वाले उनके दुश्मन बन गए थे। शहर के अगस्त्य मुनि आश्रम के पंडित केके शंखधार ने बताया कि उत्तराखंड में ऊधम सिंह नगर के गांव लालपुर निवासी राजेंद्र और अलीजा उनके पास आए। दोनों ने बताया कि वह एक ही गांव के हैं। बाद में दोनों के बीच बीच दोस्ती और फिर प्यार हो गया। वह दोनों बालिग हैं। अलग-अलग धर्म के होने के कारण परिवार वाले शादी के खिलाफ थे। राजेंद्र से बात करने पर परिवार वालों ने कई बार उसकी पिटाई भी की। इसके बाद उसने राजेंद्र के लिए घर छोड़ने की ठान ली। राजेंद्र के साथ उसने अगस्त्य मुनि आश्रम में हिंदू धर्म अपना कर शादी कर ली।

कानपुर के पेंटर ने सूदखोर की वजह से ही की थी आत्महत्या : रिपोर्ट दर्ज, जांच शुरू

सूदखोरों की प्रताड़ना की वजह से कानपुर में 5 साल के अंदर एक दर्जन से ज्यादा लोग कर चुके आत्म हत्या

सुनील बाजपेई

कानपुर। यहां जिले में सूदखोरों का आतंक लगातार बरकरार है। वह दिए गए धन का ब्याज मनमाना तरीके से वसूल करते हैं और नहीं देने पर जिस अमानवीय तरीके से प्रताड़ित करते हैं। उसके फलस्वरूप लोग आत्महत्या करने के लिए भी मजबूर हो जाते हैं। कुछ ऐसा ही कानपुर के पेंटर नीरज राजपूत के साथ भी हुआ। उसने भी एक सूदखोर की प्रताड़ना से नाराज होकर आत्महत्या कर ली। मामले में मुकदमा दर्ज कराए जाने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है जिसके बाद आरोपी फरार है। उसकी तलाश भी लगातार की जा रही है। आत्महत्या करने का सूदखोरों की वजह से आत्महत्या करने का यह मामला पहले नहीं है। कानपुर में बीते 5 साल के अंदर एक दर्जन से ज्यादा लोग सूदखोरों की वजह से ही मौत को गले लगाने के लिए मजबूर हो चुके हैं।

प्राप्त जानकारी के मुताबिकहम परसों सोच रहे हैं अशोक नगर निवासी आशीष कुमार राजपूत के अनुसार बड़े भाई नीरज राजपूत पेंटर थे। दो साल पहले भाई ने क्षेत्र के ही रहने वाले मुकेश बहेलिया से 30 हजार रुपए ब्याज पर लिए थे। भाई हर महीन ब्याज सहित रुपए मुकेश को देते थे।

रिपोर्ट दर्ज कराने वाले भाई के मुताबिक कुछ महीनों से काम न मिलने पर नीरज रुपए नहीं दे पा रहे थे। इस कारण मुकेश लगातार रास्ते में रोक कर व फोन कर भाई से रुपयों की मांग करता था। साथ ही रुपए न देने पर हुए बेइज्जत करते हुए गाली गलौज कर प्रताड़ित करता था।

पुलिस को मृतक के भाई ने बताया कि इसके कारण नीरज को डिप्रेशन में आ गया था। बीती 17 फरवरी को भाई काम की तलाश की बात कहते हुए घर से निकले थे। तभी सूचना मिली कि भाई किदवई नगर संजय वन रोड पर सड़क किनारे बेहोशी की हालत में मिले है। इस पर वह लोग उन्हें अस्पताल ले गये, जहां पर डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

पीड़ित ने आरोपी सूदखोर मुकेश बहेलिया की प्रताड़नाओं से आहत होकर बड़े भाई के जहर खाकर आत्महत्या कर लेने का आरोप लगाते हुए किदवई नगर थाने में मुकदमा दर्ज कराया है, जिसके बाद पुलिस मामले की जांच शुरू करने के साथ ही खराब आरोपी की भी तलाश कर रही है।

विधान परिषद कार्यवाही- तदर्थ शिक्षकों का मामला, हाईकोर्ट के आदेश व शासनादेश का होगा अनुपालन

लखनऊ , एजेंसी। उत्तर प्रदेश में अशासकीय सहायता प्राप्त (एडेड) माध्यमिक विद्यालयों में तैनात रहे तदर्थ शिक्षकों को वेतन जारी करने संबंधित शासनादेश व उनके मामले में हुए उच्च न्यायालय के निर्देशों का अनुपालन सुनिश्चित कराया जाएगा। विधान परिषद में निर्दल समूह के विधायकों की ओर से तदर्थ शिक्षकों के नियमितीकरण व वेतन का मुद्दा उठाए जाने पर माध्यमिक शिक्षा राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) गुलाब देवी ने यह आश्वासन दिया। निर्दल समूह के ध्रुव कुमार त्रिपाठी ने नियम 105 के तहत यह मुद्दा उठाते हुए तदर्थ शिक्षकों को वेतन देने, उनके नियमितीकरण के मुद्दे को उठाया। उन्होंने कहा कि इस मामले में उच्च न्यायालय के आदेश का अनुपालन नहीं किया जा रहा है। वाराणसी, प्रयागराज, अयोध्या, मिर्जापुर, देवीपाटन आदि मंडलों में तदर्थ शिक्षकों को वेतन नहीं दिया जा रहा है। इस मामले में नेता सदन की ओर से बुलाई बैठक भी बेनतीजा रही है।

तदर्थ शिक्षकों को वेतन नहीं दिया जा रहा

इस पर माध्यमिक शिक्षा मंत्री ने कहा कि तदर्थ शिक्षकों को वेतन देने का दायित्व प्रबंध तंत्र का है। इस मामले में सुप्रीम कोर्ट व हाईकोर्ट के आदेश का अनुपालन सुनिश्चित किया जा रहा है और नियमानुसार रखे गए शिक्षकों को वेतन दिया जा रहा है। इसका निर्दल समूह व भाजपा सदस्य देवेंद्र प्रताप सिंह, श्रीचंद्र शर्मा ने विरोध किया। उन्होंने कहा कि तदर्थ शिक्षकों को वेतन नहीं दिया जा रहा है।

मंत्री की बात विभाग के अधिकारी नहीं सुनते हैं

देवेंद्र प्रताप सिंह ने कहा कि मंत्री की बात विभाग के अधिकारी नहीं सुनते हैं। उनकी बात को गंभीरता से नहीं लेते हैं। इस पर मंत्री ने नाराजगी जताई और कहा कि न तो वह लाचार हैं न ही किसी के वश में हैं। यहां तो अपने ही अपने को झुकाने का प्रयास कर रहे हैं। विभाग सुप्रीम कोर्ट के, हाईकोर्ट के और शासनादेश का अनुपालन सुनिश्चित कराएंगी। सभापति कुंवर मानवेंद्र सिंह ने भी इसका अनुपालन सुनिश्चित कराने के निर्देश दिए।

पत्नी के सामने मौतः अपार्टमेंट की 14वीं मंजिल से फिसला पति का पैर, जमीन पर गिरा...आंखों के सामने चली गई जान

आगरा , एजेंसी। आगरा के ताजगंज थाना क्षेत्र के फतेहाबाद रोड स्थित निर्माणाधीन अपार्टमेंट की 14वीं मंजिल पर मजदूर पति-पत्नी लिफ्ट से डस्ट की बोरी चढ़ा रहे थे। पति का पैर फिसला और वह भूतल पर नीचे गिर गया। पत्नी दौड़कर पहुंची तब तक पति की मौत हो गई। परिजन ने तहरीर नहीं दी है।

नगला जस्सा, देवरी रोड कोटली बगीची सदर निवासी बीरेंद्र सिंह ने बताया कि फतेहाबाद रोड स्थित गणपति वर्ल्ड समिति परिसर में बन रही 14 मंजिल के टोक्यो टावर के निर्माण का काम चल रहा है। उनके छोटे भाई राकेश (52) और उनकी पत्नी आशा देवी पिछले पांच साल से वहां मजदूरी कर रहे हैं। बृहस्पतिवार को राकेश और उनकी पत्नी आशा निर्माणाधीन अपार्टमेंट की 14वीं मंजिल पर लिफ्ट से डस्ट की बोरियां चढ़ा रहे थे। लिफ्ट से बोरी को उतारने के दौरान राकेश का पैर फिसल गया। पत्नी की आंखों के सामने 14वीं मंजिल से नीचे गिर गए। पत्नी दूसरी लिफ्ट से नीचे पहुंची।

महाकुंभ की कमाई मृतकों के परिजन को मुआवजा देने पर हो खर्च, अखिलेश बोले- सम्राट हर्षवर्धन से प्रेरणा लें सीएम

लखनऊ, एजेंसी। राजधानी लखनऊ में सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा है कि सरकार का दावा है कि महाकुंभ से प्रदेश की अर्थव्यवस्था में कई लाख करोड़ रुपये की कमाई हुई है। ऐसे में अर्जित धन से ही सरकार मृतकों के परिजनों को मुआवजा और घायलों के इलाज का प्रबंध करे। इसमें से कुछ रुपये लापता लोगों को खोजने और घर पहुंचाने के लिए बचाकर रख लेना चाहिए। अखिलेश ने शुक्रवार को जारी बयान में कहा कि इस अकूत कमाई में से ही उन दुकानदारों के घाटे की पूर्ति की जाए, जिन्होंने उत्तर प्रदेश सरकार की बदइंतजामी की वजह से मेले में दुकान लगाकर घाटा उठाया है। इसमें से कुछ रकम सभी मेला कर्मियों को होली के बोनस के रूप में देने की घोषणा करनी चाहिए। सपा अध्यक्ष ने कहा कि मुख्यमंत्री को महादानी सम्राट हर्षवर्धन से प्रेरणा लेते हुए अधिकांश धन प्रयागराज के इंफ्रास्ट्रक्चर के लिए दान कर देना चाहिए।

...तो महाकुंभ में भगदड़ न होती

लाखों-करोड़ों की इस राशि में से कुछ पैसा सत्य बोलने की प्रेरणा देने वाले और नैतिकता सिखाने वाले किसी आत्मसुधार के सत्यनिष्ठ संस्थान के निर्माण के लिए देना चाहिए। अखिलेश ने कहा कि विपक्ष ने कुंभ आयोजन के दौरान अपनी सकारात्मक भूमिका को निभाते हुए सरकार की कमियों को उजागर किया। उन पर सकारात्मक सुझाव देने का काम किया। अगर विपक्ष के उठाए सवालों पर समय रहते कार्रवाई की गई होती तो महाकुंभ में भगदड़ न होती।

प्यार में पागल एक बच्चे की मां: दूरियां मिटाने को दिल्ली से गोरखपुर गई...करती रही एक ही जिद, बुलानी पड़ी पुलिस

गोरखपुर, एजेंसी। इंस्टाग्राम पर चैटिंग के दौरान दिल्ली की एक शादीशुदा महिला उत्तर प्रदेश के गोरखपुर के सहजनवां क्षेत्र के एक किशोर को दिल दे बैठी। महीनों चैटिंग के बाद इस कदर नजदीकियां बढ़ीं कि महिला अपने एक बच्चे को लेकर किशोर प्रेमी से मिलने उसके घर पहुंच गई। महिला के परिजनों को पता चला तो खोजते हुए सहजनवां आए और पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस प्रेमिका को प्रेमी के घर से थाने ले गई और दोनों पक्षों को समझाने के बाद महिला को परिजनों संग दिल्ली भेज दिया।

बिहार की रहने वाली एक महिला शादी के बाद पति के साथ दिल्ली में रहती है। दोनों का एक बच्चा है। इंस्टाग्राम पर महिला की सहजनवां क्षेत्र के एक किशोर से दोस्ती हुई और चैटिंग होने लगी। नजदीकियां इतनी बढ़ीं कि दोनों साथ जीने-मरने की कसम खाने लगे। चार दिन पहले महिला अपने बच्चे को लेकर दिल्ली से प्रेमी के घर चली आई। वहां, महिला के परिजन तलाश में जुट गए। पता चला कि वह सहजनवां क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोर के प्रेम में उसके घर पर रह रही है। परिजन किशोर के घर पहुंचे तो महिला बच्चे के साथ मिल गई मगर वह प्रेमी को छोड़कर जाने को तैयार नहीं थी।

परिजनों ने डायल 112 पर सूचना देकर पुलिस को बुलाया, जिसके बाद दोनों को थाने ले जाया गया। करीब दो घंटों की पंचायत के बाद महिला परिजनों के साथ रहने को तैयार हो गई। वहीं इस दौरान इलाके में मामला चर्चा का विषय बना रहा।

बसों की कमी से भटकते रहे यात्री

बहराइच , एजेंसी। महाकुंभ मेले में प्रयागराज भेजी गईं ज्यादातर बसें अभी वहीं फंसी हुई हैं। हालांकि बसों का आवागमन पूर्व की भांति अब धीरे-धीरे सामान्य होने लगा है लेकिन समस्या अभी भी ज्यों की त्यों बनी है। हालात ये हैं कि बृहस्पतिवार को रोडवेज बस अड्डे पर बसों की कमी के चलते यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी।

प्रयागराज में 26 फरवरी को महाशिवरात्रि के पर्व पर आखिरी अमृत स्नान समाप्त हो गया। श्रद्धालुओं की वापसी का सिलसिला भी शुरू हो गया है लेकिन अभी भी कुंभ मेले में गई ज्यादातर बसें प्रयागराज या फिर रास्ते में फंसी हुई हैं। ऐसे में जिले के रोडवेज बस अड्डे पर बृहस्पतिवार दोपहर यात्रियों को गंतव्य तक जाने को लेकर काफी परेशान होना पड़ा।

हालांकि रोडवेज प्रशासन यात्रियों की परेशानी को देखते हुए जो भी बसें वापस होती रहीं, उन्हें तत्काल यात्रियों की भीड़ के सापेक्ष उसी मार्ग के लिए तत्काल रवाना करता रहा लेकिन इसके बाद भी रोडवेज बस अड्डे पर परेशानी बनी रही। लखनऊ जाने के लिए बस का इंतजार कर रहे गौरव वर्मा व सुधाकर शुक्ला ने बताया कि आधे घंटे से इंतजार कर रहे हैं लेकिन बस नहीं मिल रही है। वहीं अयोध्या जाने के लिए विकास सोनी भी बस न मिलने से परेशान दिखाई दिए।

पश्चिमी यूपी में ओलावृष्टि के आसार, ट्रैक्टर-ट्रॉली की चपेट में आकर बीएसएफ जवान की मौत

मेरठ , एजेंसी। मार्च के शुरु होने से पहले ही मौसम रंग बदल रहा है। अगले कुछ दिन में ओलावृष्टि के आसार हैं। मेरठ के दौराला में ट्रैक्टर ट्रॉली की टक्कर से बीएसएफ के जवान की मौत हो गई।

चौबीस घंटे पहले 31 डिग्री के पास पहुंचा दिन का अधिकतम तापमान बारिश और तेज हवा के साथ धड़ाम हो गया। 8.7 डिग्री तापमान में गिरावट दर्ज की गई। बारिश 1.6 मिमी दर्ज हुई। मौसम वैज्ञानिकों की मानें तो दो दिन वेस्ट यूपी में बारिश और ओले पड़ने के आसार हैं। मार्च के शुरु होने से पहले ही मौसम रंग बदल रहा है। मौसम कार्यालय पर अधिकतम तापमान 22.1 डिग्री व रात का न्यूनतम तापमान 16.8 डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। बारिश 1.6 मिमी शाम पांच बजे तक दर्ज की गई। मेरठ का एयर क्वालिटी इंडेक्स 117 दर्ज किया गया। जबकि शहर में जयभीमनगर 124, पल्लवपुरम 110,

गंगानगर 103, बेगमपुल 90, दिल्ली रोड 116 दर्ज किया गया। मौसम वैज्ञानिक डा. यूपी शाही ने बताया कि अगले 24 से 48 घंटे तक बूंदाबांदी रहने का अनुमान है। 28 फरवरी को कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की भी संभावना है। पश्चिमी विक्षोभ के सक्रिय होने से मौसम बदला है। हवा की गति भी सामान्य से ज्यादा रही है।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

संक्षिप्त समाचार

इलॉन मस्क 14वें बच्चे के पिता बने, पार्टनर शिवॉन जिलिस के साथ चौथा बच्चा

वॉशिंगटन। इलॉन मस्क 14वें बच्चे के पिता बन गए हैं। उनकी कंपनी न्यूरालिंक की एग्जीक्यूटिव शिवॉन जिलिस इस बच्चे की मां हैं। बच्चे को सेल्डन लाइकर्गस नाम दिया गया है। शिवॉन जिलिस ने शुक्रवार को बच्चे के जन्म की जानकारी X पर दी। उन्होंने लिखा कि इलॉन से बातचीत करने के बाद हमने महसूस किया कि हमारे अद्भुत और अविश्वसनीय बेटे के बारे में जानकारी शेयर करना बेहतर होगा। हालांकि उन्होंने ये नहीं बताया कि बेटे का जन्म कब हुआ है। शिवॉन ने लिखा वह एक शक्तिशाली योद्धा की तरह मजबूत है, और उसका दिल सोने जैसा निर्मल है। हम उसे बहुत प्यार करते हैं। शिवॉन और मस्क के पहले से 3 बच्चे हैं। इनमें दो जुड़वां बच्चे- स्ट्राइडर और एज्योर और बेटी अर्काडिया हैं। नवंबर 2021 में मस्क और जिलिस ने खुलासा किया कि उनके घर जुड़वां बच्चों स्ट्राइडर और एज्योर का जन्म हुआ है। वहीं, बेटी अर्काडिया का जन्म पिछले साल हुआ है।

कर्नाटक टैटू पार्लर के लिए सख्त नियम बनाएगा, हेल्थ मिनिस्टर बोले- इसकी स्याही में 22 खतरनाक मटेरियल

बेंगलुरू। कर्नाटक के स्वास्थ्य मंत्री दिनेश गुंडू राव ने ऐलान किया है कि कि राज्य सरकार टैटू पार्लरों के लिए नए और सख्त नियम लागू करने की योजना बना रही है ताकि सुरक्षा सेफ्टी को सुनिश्चित किया जा सके। इसके लिए राज्य सरकार केंद्र से हस्तक्षेप की भी मांग करेगी ताकि टैटू प्रक्रिया के लिए उचित दिशा-निर्देश स्थापित किए जा सकें। टैटू स्याही में मेटल्स, स्वास्थ्य को खतरा स्वास्थ्य मंत्री राव ने बताया कि खाद्य सुरक्षा विभाग ने हाल ही में टैटू स्याही के नमूनों का टेस्ट किया जिसमें 22 तरह के खतरनाक मटेरियल पाए गए। इनमें स्किन कैंसर, HIV, हेपेटाइटिस बी और सी और स्टैफिलोकोकस ऑरियस जैसे बैक्टीरिया भी पाए गए। टैटू से जुड़े संक्रमणों के कारण एड्स, कैंसर और स्किन से जुड़ी बीमारियों में काफी बढ़ोतरी हुई है। इसमें खराब सफाई स्टैंडर्ड और टैटू प्रक्रिया में खतरनाक रसायनों के इस्तेमाल पर चिंता जताई गई है। 28 फरवरी को कर्नाटक सरकार ने राज्य के सभी होटलों में इडली बनाने में प्लास्टिक के उपयोग पर रोक लगा दी है क्योंकि स्वास्थ्य मंत्री ने खतरनाक रसायनों की मौजूदगी को पहचाना था। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि इडली बनाने में स्वास्थ्य के लिए हानिकारक प्लास्टिक का इस्तेमाल गंभीर स्वास्थ्य समस्याओं का कारण बन सकता है।

केरल HC बोला-शिकायतकर्ता महिला, जरूरी नहीं हर बात सच हो

कोच्चि। केरल हाईकोर्ट ने कहा कि यौन अपराधों सहित आपराधिक मामलों में यह अनुमान नहीं लगाया जा सकता है कि शिकायतकर्ता महिला है तो उसकी कही गई हर बात सच हो क्योंकि आजकल ऐसे मामलों में निर्दोष लोगों को फंसाने की प्रवृत्ति है। जस्टिस पी वी कुन्हीकृष्णन ने यह टिप्पणी एक पूर्व महिला कर्मचारी का यौन उत्पीड़न करने के आरोपी को अग्रिम जमानत देते हुए की। हाईकोर्ट ने कहा कि इस मामले में, पुलिस ने ठीक से जांच नहीं की। आरोपी ने कहा था कि, महिला ने उसके साथ गाली गलौच की थी। कोर्ट ने कहा, शिकायतकर्ता की तरफ से दर्ज मामले की एकतरफा जांच नहीं की जा सकती। पुलिस को दोनों पक्षों के बयान सुनने चाहिए। उस हिसाब से जांच को आगे बढ़ाना चाहिए। कोर्ट ने कहा- अगर शिकायतकर्ता झूठ निकले, तो उस पर कार्रवाई करें 24 फरवरी को दिए गए अपने आदेश में कोर्ट ने कहा, आजकल यौन उत्पीड़न के गंभीर आरोपों के साथ निर्दोष लोगों को आपराधिक मामलों में फंसाने की प्रवृत्ति है। यदि पुलिस को लगता है कि पुरुषों के खिलाफ ऐसी महिलाओं के आरोप झूठे हैं, तो वे शिकायतकर्ताओं के खिलाफ भी कार्रवाई कर सकते हैं क्योंकि कानून इसकी अनुमति देता है। पुलिस जांच रिपोर्ट सौंपने से पहले अलर्ट रहा करे कोर्ट ने पुलिस अधिकारियों से कहा कि जांच के दौरान ही आपराधिक मामलों में सच्चाई का पता लगाने के लिए सतर्क और सजग रहना चाहिए। इसलिए, आपराधिक मामलों में अंतिम रिपोर्ट प्रस्तुत करने से पहले अनाज से भूसा अलग करना पुलिस का काम है।

भाजपा नेता बोले- आतिशी शूर्पणखा जैसी, रावण-कुंभकर्ण की तरह केजरीवाल, सिसोदिया का करियर खत्म

नई दिल्ली। दिल्ली में महरौली से भाजपा विधायक गजेंद्र यादव ने सदन में विपक्ष की नेता आतिशी को लेकर विवादित बयान दिया। इंडिया टुडे की रिपोर्ट के मुताबिक, गजेंद्र ने आतिशी की तुलना शूर्पणखा से की। शुक्रवार को एक सार्वजनिक कार्यक्रम में बोलते हुए, गजेंद्र ने कहा- रामायण में रावण और कुंभकर्ण मारे गए, लेकिन शूर्पणखा बच गई। इसी तरह दिल्ली चुनाव में अरविंद केजरीवाल और मनीष सिसोदिया का राजनीतिक करियर खत्म हो गया, लेकिन आतिशी जीत गईं। वह शूर्पणखा जैसी हैं। भाजपा विधायक ने आप नेताओं को रुदाली भी कहा गजेंद्र यादव ने आप विधायकों को 'रुदाली' भी कहा। यादव ने कहा, "AAP विधायकों को केवल रोने और विरोध करने के लिए चुना गया था, जब भी हम सकारात्मक बदलाव लागू करने की कोशिश करते हैं। वे रुदाली शुरू कर देते हैं।

हिमाचल कांग्रेस प्रभारी बोली- 15 दिन में बनेगा नया संगठन, 2027 में सरकार रिपीट करेंगे

शिमला। हिमाचल कांग्रेस प्रभारी रजनी पाटिल ने शिमला में पार्टी नेताओं से दो दिन की बातचीत के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा कि 15 दिन के भीतर नया संगठन बना दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि संगठन में सभी वर्गों को तरजीह दी जाएगी, ताकि मजबूत संगठन खड़ा किया जा सके। प्रदेश प्रभारी ने कहा कि हिमाचल में कांग्रेस संगठन को मजबूत बनाकर पांच साल कांग्रेस, पांच साल बीजेपी सरकार की प्रथा को खत्म किया जाएगा। साल 2027 के विधानसभा चुनाव में कांग्रेस दोबारा सरकार बनाएगी। रजनी पाटिल ने कहा कि हिमाचल में बीजेपी का ऑपरेशन लोटस फेल हुए एक साल हो गया है। बीजेपी को घमंड था कि ऑपरेशन लॉट्स होगा। इसके लिए बीजेपी ईडी, सीबीआई समेत कई तरह के दबाव डालती रही है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस की लड़ाई जारी रहेगी। कांग्रेस राहुल गांधी, सोनिया गांधी के नेतृत्व में लड़ाई लड़ रही है। बीजेपी झूठा प्रचार कर रही है कि हिमाचल कांग्रेस एकजुट नहीं है। उन्होंने दावा किया कि पूरी पार्टी एकजुट है। प्रदेश सरकार अच्छा काम कर रही है। प्रदेश अध्यक्ष बदलने को लेकर पूछे सवाल के जवाब में उन्होंने कहा कि अभी हाईकमान का ऐसा कोई आदेश नहीं हुआ है। वहीं प्रदेश में प्रतिभा सिंह को बदलने जाने की चर्चाएं हैं। इसकी वजह अप्रैल 2025 में उनका तीन साल का कार्यकाल पूरा होना माना जा रहा है। मगर हॉली लॉज समर्थक प्रतिभा सिंह को कंटीन्यू अध्यक्ष के तौर पर देखना चाहते हैं।

उत्तराखंड एवलांच- 50 मजदूर निकाले गए, इनमें 4 की मौत

एजेंसी, चमोली

उत्तराखंड के चमोली एवलांच में अब तक 4 लोगों की मौत हो चुकी है। हादसे के दूसरे दिन शनिवार को 17 मजदूरों को रेस्क्यू किया गया। इससे पहले शुक्रवार को 33 लोगों को बचाया गया था। इनमें गंभीर रूप से घायल 4 लोगों की इलाज के दौरान मौत हो गई। 5 मजदूर अब भी लापता हैं। हादसा चमोली के माणा गांव के नजदीक 28 फरवरी की सुबह 7:15 बजे हुआ। मोली-बद्रीनाथ हाईवे पर बॉर्डर रोड ऑर्गेनाइजेशन (BRO) के 55 मजदूर कंटेनर हाउस में रुके थे, तभी बर्फ का पहाड़ खिसक गया। सभी मजदूर इसकी चपेट में आ गए। रेस्क्यू में सेना के 4 हेलिकॉप्टर के अलावा ITBP, BRO, SDRF और NDRF के 200 से ज्यादा जवान लगे हुए हैं।

♦ 5 की तलाश जारी, उत्तर प्रदेश, बिहार समेत 6 राज्यों के 55 लोग फंसे थे

माणा तिब्बत सीमा पर भारत का आखिरी गांव: फंसे मजदूरों में सबसे ज्यादा बिहार और उत्तर प्रदेश के जो 55 मजदूर फंसे थे, उनमें बिहार के 11, उत्तर प्रदेश के 11, उत्तराखंड के 11, हिमाचल प्रदेश के 7, जम्मू-कश्मीर के 1 और पंजाब के 1 मजदूर शामिल है। 13 मजदूरों का पता और मोबाइल नंबर नहीं है। उत्तराखंड के CM पुष्कर सिंह धामी ने आज सुबह घटनास्थल का दौरा किया और मजदूरों से मुलाकात की। इससे पहले CM से प्रधानमंत्री मोदी ने बातचीत की और रेस्क्यू ऑपरेशन का जायजा लिया।

घायलों को सिर में गंभीर चोटें: ITBP कमांडेंट विजय कुमार पी ने कहा कि जिन मजदूरों की हालत गंभीर रही, उन्हें गंभीर हेड इंजरी थी। 25 से ज्यादा घायलों का जोशीमठ के अस्पताल में भर्ती कराया गया।

मणिपुर में 21 महीने बाद स्थिति सामान्य होने के आसार

एजेंसी, इंफाल

मणिपुर में 21 महीनों बाद स्थिति सामान्य होने के आसार हैं। गृह मंत्री अमित शाह ने शनिवार को राज्य के हालात पर समीक्षा बैठक की। इस दौरान उन्होंने सड़कें ब्लॉक करने वालों पर सख्त कार्रवाई करने के निर्देश दिए हैं। गृह मंत्री ने 8 मार्च से मणिपुर में सभी सड़कों पर बेरोकटोक आवाजाही सुनिश्चित करने को कहा है। वहीं, अलग-अलग समुदायों ने 20 फरवरी से अब-तक 300 से ज्यादा हथियार सरेंडर किए हैं। राज्यपाल ने 20 फरवरी को अनुरोध किया था कि हिंसा में लूटे गए हथियार सरेंडर कर दें। मुख्यमंत्री बीरेन सिंह ने 9 फरवरी को इस्तीफा दे दिया था। इसके बाद मणिपुर में 13 फरवरी को राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया था। हथियार सरेंडर करने की समय सीमा एक हफ्ते और बढ़ी मणिपुर के राज्यपाल अजय कुमार भल्ला ने उग्रवादियों से हथियार सरेंडर करने की समय सीमा 6 मार्च शाम 4 बजे तक बढ़ा दी। हिंसा के दौरान लूटे गए 87 तरह के हथियार, गोला-बारूद और अलग-अलग सामान लोग स्वेच्छा से सरेंडर कर रहे हैं। इंफाल ईस्ट, बिश्नुपुर, थौबल, कांगपोकपी, जिरीबाम, चुराचांदपुर और इंफाल वेस्ट जिलों में हथियार सरेंडर किए गए हैं। इनमें मैतेई ग्रुप अरम्बाई टेंगोल के सरेंडर किए गए 246 हथियार शामिल हैं।

♦ शाह बोले- 8 मार्च से लोग कहीं भी आ-जा सकेंगे, 10 दिन में 300 हथियार सरेंडर

हिमाचल में बर्फबारी, 600 सड़कें बंद

एजेंसी, नई दिल्ली

देश के पहाड़ी राज्यों में भारी बारिश और बर्फबारी जारी है। हिमाचल प्रदेश के ऊंचे क्षेत्रों में 3 दिन से भारी बर्फबारी और निचले इलाकों में बारिश हो रही है। 3 मार्च को फिर से बारिश और बर्फबारी के आसार हैं। वहीं, 5 और 6 मार्च को प्रदेशभर में मौसम पूरी तरह साफ हो जाएगा। स्टेट इमरजेंसी ऑपरेशन सेंटर के मुताबिक प्रदेश में तीन दिन की बर्फबारी से 650 से ज्यादा सड़कें और 2300 से ज्यादा ट्रांसफॉर्मर ठप हो गए हैं। बद्रीनाथ नेशनल हाईवे बंद हो गया। कांगड़ा और कुल्लू जिले में बादल फटने से आई बाढ़ में 10 से ज्यादा गाड़ियां बह गईं। चंबा और मनाली में भी स्कूल-कॉलेज बंद कर दिए गए हैं। हालांकि, CBSE बोर्ड की परीक्षाएं तय शेड्यूल के हिसाब से होंगी। वहीं, जम्मू-कश्मीर में 25 से 28 फरवरी के दौरान गुलमर्ग में सबसे ज्यादा 113cm और सोनमर्ग में 75cm बर्फबारी हुई। खराब मौसम की वजह से जम्मू-कश्मीर सरकार ने स्कूलों में विंटर वैकेशन 6 दिनों के लिए बढ़ा दी गई है।

इसके अलावा 10वीं से 12वीं तक की 1 और 3 मार्च को होने वाली परीक्षाओं की तारीख आगे बढ़ाई गई हैं। अब ये एग्जाम 24 और 25 मार्च को कराए जाएंगे। लगातार हो रही बरसात ने सर्दियों में बारिश की कमी को 50% तक पूरा कर दिया है। इससे नदियों और अन्य वाटर बॉडीज का लेवल 3 से 4 फीट बढ़ गया है। रामबन जिले बटोत में सबसे ज्यादा 163.7mm बारिश दर्ज की गई। इसके बाद कटरा में 118mm और बनिहाल में 100mm हुई।

♦ जम्मू-कश्मीर में बारिश से नदियों का लेवल 3-4 फीट बढ़ा, 10वीं-12वीं की एग्जाम डेट आगे बढ़ाई

तेलंगाना टनल हादसा, मंत्री बोले- 4 लोगों का पता चला, रेलवे का बचाव दल भी रेस्क्यू में जुटा

एजेंसी, नागरकुर्नूल

तेलंगाना के नागरकुर्नूल में निर्माणाधीन श्रीशैलम लेफ्ट बैंक कैनाल (SLBC) टनल का एक हिस्सा 22 फरवरी को ढह गया था। घटना को 7 दिन बीत चुके हैं, लेकिन टनल में अब तक 8 कर्मचारी फंसे हुए हैं। हालांकि राज्य के मंत्री कृष्ण राव ने बताया कि चार लोगों का पता चल गया है। रेस्क्यू जारी है। 28 फरवरी को साउथ सेंट्रल रेलवे (SCR) की 2 टीमें भी रेस्क्यू के लिए पहुंचीं थी। टीम भारी धातुओं को प्लाज्मा कटर और ब्रॉक कटिंग मशीन जैसे आधुनिक उपकरणों से रास्ते से हटा रही है। नेशनल जियोफिजिकल रिसर्च इंस्टीट्यूट (NGRI) के वैज्ञानिक भी मौके पर हैं। ग्राउंड पेनेट्रेटिंग रडार (GPR) की मदद से मलबे में दबे मजदूरों को ढूंढने की कोशिश कर रहे हैं। TOI की रिपोर्ट के मुताबिक, किसी भी मजदूर के जीवित मिलने की संभावना बहुत कम लग रही है। नागरकुर्नूल के एसपी वैभव गायकवाड़ ने बताया कि मलबा हटाने और लोहे की छड़ों की कटिंग का काम लगातार जारी है। गुरुवार सुबह से मलबा साफ करने और टनल के पानी को बाहर निकालने का काम चल रहा है। शुक्रवार सुबह 7 बजे एक टीम टनल में गई। रेस्क्यू ऑपरेशन में आर्मी, NDRF, SDRF के अलावा राज्य सरकार की अन्य एजेंसियों के करीब 600 कर्मचारी जुटे हैं। उत्तराखंड की सिलक्यारा टनल में फंसे लोगों को निकालने वाली टीम भी इसमें शामिल है।

फंसे लोगों के परिजन बोले- अंदर की कोई खबर नहीं: टनल के अंदर फंसे पंजाब के गुरप्रीत सिंह के चाचा ने बताया कि आज 7 दिन हो गए हैं। अंदर की कोई खबर नहीं है। सरकार से निवेदन है कि हमें जल्दी बताया जाए कि सरकार कब तक उन्हें बाहर निकालेगी। उन्होंने कहा कि गांव में हमारे परिवार के लोग परेशान हैं और खाना नहीं खा रहे हैं। हम लोग चाह रहे थे कि टनल के अंदर जाकर देखे कि हालात क्या है। मुझे अंदर नहीं जाने दिया जा रहा है। बोल रहे हैं कि जो टीमें अंदर जा रही हैं, वहीं बताएंगे कि अंदर क्या हो रहा है।

आज रेस्क्यू का 7वां दिन

झारखंड के संतोष साहू के परिजन सरवन ने बताया कि 22 फरवरी को जानकारी मिली थी कि मेरे जीजा टनल में फंस गए हैं। घटना के 7 दिन हो गए हैं लेकिन हमें कोई जानकारी नहीं मिली है कि वो ठीक हैं या नहीं। हम लोग उम्मीद लगा के बैठे हैं कि कब वो बाहर निकलें और उन्हें घर लेकर जाएं। तेलंगाना सरकार काम तो कर रही है। तेलंगाना सरकार से गुजारिश है कि वे जल्द से जल्द उन्हें बाहर निकाले और हमें उन्हें घर ले कर जाएं। हमारी झारखंड सरकार ने भी दो ऑफिसर को यहां भेजा है। ये लोग भी हमारी सहायता कर रहे हैं।

केंद्रीय मंत्री बोले- अभिषेक बनर्जी सड़ा हुआ आलू

एजेंसी, कोलकाता

पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे और TMC सांसद अभिषेक बनर्जी को केंद्रीय मंत्री सुकांत मजूमदार ने सड़ा हुआ आलू बताया है। मजूमदार ने शनिवार को कहा- अभिषेक बनर्जी सड़ा हुआ आलू है, उसे TMC में क्यों लेना चाहिए। मजुमदार ने कहा- अभिषेक और ममता बनर्जी में कोई अंतर नहीं है। वह चाहे किसी भी तरह का भ्रष्टाचार करें, ममता बनर्जी सब कुछ अच्छी तरह से जानती हैं। उनका TMC में रहना हमारी USP है। हम कह सकते हैं कि चोरों का सरदार TMC में है। अभिषेक ने कहा था- भाजपा में कभी नहीं जाऊंगा दरअसल, अभिषेक बनर्जी ने 27 फरवरी को TMC के एक कार्यक्रम में कहा था, 'बाजार में कुछ लोग अफवाह फैला रहे हैं कि मैं भाजपा में जाने वाला हूं। मैं मरते दम तक इसी पार्टी में हूं। भले ही आप मेरा गला काट दें, फिर भी मेरे मुंह से ममता बनर्जी जिंदाबाद का नारा निकलेगा।'

अभिषेक बोले- धोखेबाजों की पहचान हो रही नेताओं की बयानबाजी पर अभिषेक ने कहा- मुकुल रॉय और सुवेंदु अधिकारी जैसे धोखेबाजों को मैंने पिछले चुनाव से पहले पहचाना था। अगर आपको लगता है कि आप सांसद, विधायक या ब्लॉक अध्यक्ष हैं तो आपको ऐसी बातें बोलने की छूट है जो पार्टी को नीचा दिखाती हैं तो आप गलत हैं। ऐसा करने वालों की पहचान हो चुकी है। उन्होंने कहा- मतभेद भूलकर जनता के काम पर ध्यान दें। साजिशों में शामिल होने का कोई मतलब नहीं है। जो लोग वॉट्सएप ग्रुप की राजनीति कर रहे हैं, उन्हें पता होना चाहिए कि इस तरह की कोशिशें कामयाब नहीं होंगी। ममता बोलीं- भाजपा फर्जी वोटरों की मदद से दिल्ली जीती इसी कार्यक्रम में ममता बनर्जी ने कहा था कि 'भाजपा ने दिल्ली और महाराष्ट्र विधानसभा चुनाव फर्जी वोटों के जरिए जीता। इसमें चुनाव आयोग ने मदद की।' भाजपा नेताओं ने चुनाव आयोग (EC) के ऑफिस में बैठकर ऑनलाइन फर्जी मतदाता सूची बनाई है। उन्होंने पश्चिम बंगाल के हर जिले में फर्जी मतदाताओं को जोड़ा है। ज्यादातर वोटर गुजरात और हरियाणा से हैं।

उन्हें भाजपा में क्यों लेना चाहिए, चोरों का सरदार TMC में ही अच्छा है

उन्होंने कहा- मैं बंगाल के लोगों से अपील करती हूं कि वे वोटर लिस्ट की जांच करें। किसी भी दिन NRC और CAA के नाम पर सही वोटर्स के नाम हटाए जा सकते हैं। भाजपा ऐसा करके किसी तरह TMC को हराना चाहती है। ममता ने वोटर लिस्ट की जांच के लिए पार्टी स्तर पर कमेटी भी बनाई है।

बहस के बाद व्हाइट हाउस से निकाले गए जेलेंस्की

एजेंसी, वॉशिंगटन

यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के साथ बहस के बाद व्हाइट हाउस से बाहर निकाल दिया गया। दोनों नेताओं के बीच शुक्रवार को करीब 10 मिनट तक तीखी बहस हुई थी। CNN की रिपोर्ट के मुताबिक व्हाइट हाउस के एक अधिकारी ने बताया कि बहस के बाद यूक्रेन के डेलिगेट्स ओवल ऑफिस से निकलकर दूसरे कमरे में चले गए थे।

अमेरिकी टीम वहीं रुकी रही। इस दौरान ट्रम्प ने उपराष्ट्रपति वेंस, विदेश मंत्री रुबियो और NSA माइक वाल्ट्ज से बातचीत की। चर्चा के दौरान ट्रम्प ने कहा कि जेलेंस्की बातचीत की हालत में नहीं हैं। इसके बाद उन्होंने माइक वाल्ट्ज और रुबियो से कहा कि वे जाकर खुद जेलेंस्की को कह दें कि उनके जाने का वक्त हो गया है। ये दोनों अधिकारी वहां पहुंचे तो जेलेंस्की ने उनसे कहा कि वे चीजों को ठीक कर सकते हैं। जेलेंस्की ने फिर से ट्रम्प के साथ बातचीत करने की इच्छा जाहिर की, लेकिन उन्हें यह मौका नहीं दिया गया।

मोहाली में गैंगस्टर-पुलिस में एनकाउंटर

प्रोडक्शन वारंट रिकवरी के लिए लाई थी, गोल्डी बराड़ गैंग से जुड़ा है

एजेंसी, चंडीगढ़

मोहाली पुलिस और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स (AGTF) प्रोडक्शन वारंट पर कुख्यात गैंगस्टर मलकियत उर्फ मैक्सी और संदीप को पंजाब की जेल से लेकर आई थी। जहां रिकवरी के दौरान गैंगस्टरों ने पिस्टल निकाल कर पुलिस फायरिंग कर दी। जिसके बाद मोहाली पुलिस और एंटी गैंगस्टर टास्क फोर्स ने जवाबी फायरिंग की जो गैंगस्टर के पैर लगी। उसके बाद पुलिस ने कुख्यात गैंगस्टर मलकियत उर्फ मैक्सी और संदीप को गिरफ्तार कर लिया। यह गिरफ्तारी जीरकपुर-अंबाला हाईवे पर घग्गर पुल के पास हुई, जहां पुलिस और मैक्सी के बीच मुठभेड़ हुई। गिरफ्तारी के दौरान मैक्सी ने पुलिस हिरासत से भागने की कोशिश की और पुलिस टीम पर गोली चला दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने फायरिंग की, जिसमें मैक्सी के बाएं पैर में गोली लगी। उसे इलाज के लिए सिविल अस्पताल, मोहाली ले जाया गया है। मैक्सी, गोल्डी बराड़ और गोल्डी ढिल्लों के गिरोह का सक्रिय सदस्य है और पंजाब में वसूली रैकेट चला रहा था। जनवरी 2025 में, इस गिरोह ने मोहाली के एक प्रॉपर्टी डीलर से 50 लाख रुपए की फिरौती मांगी थी।

♦ मांगी 50 लाख रुपए फिरौती

आपराधिक इतिहास और बरामदगी: मैक्सी पर पहले से ही वसूली और अवैध हथियार मामलों में कई केस दर्ज हैं। पुलिस ने मौके से .32 बोर की पिस्तौल बरामद की है।

कर्नाटक में सभी उत्पादों पर कन्नड़ लिखना जरूरी, सर्कुलर जारी, सरकारी-प्राइवेट दोनों विभागों में लागू होगा

एजेंसी, बेंगलुरु

कर्नाटक सरकार ने सरकारी ऑफिस, एजुकेशनल इंस्टीट्यूट और बिजनेस में कन्नड़ भाषा को अनिवार्य करने का आदेश जारी किया है। इस कदम का मकसद प्रशासन, शिक्षा और बिजनेस में कन्नड़ भाषा को बढ़ावा देना है। सरकार ने इस संबंध में 15 फरवरी 2025 को सर्कुलर जारी किया था। सरकार के मुताबिक यह फैसला कन्नड़ लैंग्वेज कॉम्प्रीहेंसिव डेवलपमेंट एक्ट के तहत लिया गया है। ये 2022 में लागू किया गया था, जो 12 मार्च 2025 से प्रभावी होगा। इसका उद्देश्य कन्नड़ भाषा का व्यापक विकास और स्थानीय लोगों को बेहतर अवसर देना है।

कर्नाटक सरकार के नियम: सभी सरकारी ऑफिस, स्कूलों, कॉलेजों और बिजनेस में कन्नड़ भाषा को प्राथमिकता दी जाएगी। सार्वजनिक साइनबोर्ड, एडवर्टाइजमेंट और वर्क प्लेस पर कन्नड़ भाषा बोली-लिखी जाएगी। सामानों की पैकेजिंग पर नाम और जानकारी कन्नड़ में छापना अनिवार्य होगा। यह नियम सरकारी और प्राइवेट दोनों संस्थानों के लिए होगा।

नियम न मानने पर होगी सख्त कार्रवाई: सरकार ने साफ किया है कि अगर कोई इंस्टीट्यूट या व्यक्ति इन निर्देशों का पालन नहीं करता है, तो कानूनी कार्रवाई की जाएगी। अधिकारियों को इस नियम के सख्ती से पालन की निगरानी करने के आदेश दिए गए हैं।

लैंग्वेज को लेकर पहले भी विवाद: कर्नाटक में लंबे समय से कन्नड़ भाषा के संरक्षण और प्रचार को लेकर आंदोलन होते रहे हैं। हाल ही में बेंगलुरु में दुकानों पर गैर-कन्नड़ नेम प्लेट को लेकर प्रदर्शन हुए थे। इसके अलावा, महाराष्ट्र-कर्नाटक के बीच बस सेवाएं भी रोकनी पड़ी थीं, क्योंकि बसों पर कन्नड़ साइनबोर्ड नहीं लगे थे। वहीं, कर्नाटक सरकार का निर्देश ऐसे समय आया है, जब केंद्र सरकार की राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) की ट्राई लैंग्वेज पॉलिसी को लेकर विवाद चल रहा है। तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन पहले ही इस पॉलिसी का विरोध कर चुके हैं। इस मामले पर बीजेपी और डीएमके आमने-सामने हैं।

♦ सरकार बोली- अपने नागरिकों को बेहतर मौके देंगे

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

यूपी वॉरियर्स की टीम पहली बार खेलेगी लखनऊ में घरेलू मैच

सीएम योगी से यूपी वॉरियर्स कप्तान दीप्ति और कैप्री स्पोर्ट्स निदेशक जिनिषा ने की मुलाकात

एजेंसी, लखनऊ

महिला प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) 2025 में अपने घरेलू चरण से पहले, यूपी वॉरियर्स की कप्तान दीप्ति शर्मा और कैप्री स्पोर्ट्स की निदेशक जिनिषा शर्मा ने उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ से लखनऊ में मुलाकात की और उन्हें यहां होने वाले टीम के मैचों के लिए आमंत्रित किया।

कैप्री स्पोर्ट्स की निदेशक जिनिषा शर्मा ने एक बयान में कहा, "उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की शुभकामनाएं पाकर हमें बेहद खुशी हुई है। उन्होंने हमारी टीम को लखनऊ में अपने घरेलू चरण के खेलों में अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित किया है। हमारे खेलों के लिए उनकी मेजबानी करना हमारे लिए एक विशेष क्षण होगा और हमें विश्वास है कि टीम उन्हें और उत्तर प्रदेश राज्य को गौरवान्वित करेगी।"

यूपी वॉरियर्स की कप्तान दीप्ति शर्मा ने कहा, "मुख्यमंत्री से मिलना सम्मान की बात थी। हम उनका समर्थन पाकर बेहद खुश हैं और टीम के लिए उनकी शुभकामनाओं के लिए आभारी हैं।" यूपी वॉरियर्स डब्ल्यूपीएल के सीजन 3 में लखनऊ में अपने होम स्ट्रेच के लिए तैयार है। उत्तर प्रदेश की ही दीप्ति शर्मा की अगुआई में, कैपरी स्पोर्ट्स के स्वामित्व वाली यूपी वॉरियर्स का लक्ष्य भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम में पहली बार खेलते हुए इतिहास रचना है। कप्तान दीप्ति शर्मा की अगुआई वाली यूपी वॉरियर्स पहली का पहला मुकाबला 3 मार्च को गुजरात जायंट्स से होगा। इसके बाद टीम क्रमशः 6 और 8 मार्च को मुंबई इंडियंस और गत चैंपियन रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी।

एजेंसी, लखनऊ

वुमेंस प्रीमियर लीग (डब्ल्यूपीएल) के तीसरे सीजन में पहली बार यूपी वॉरियर्स की टीम अपने घरेलू मैदान, भारत रत्न श्री अटल बिहारी वाजपेयी एकाना क्रिकेट स्टेडियम, लखनऊ में खेलेगी। टीम 28 फरवरी को लखनऊ पहुंची। दीप्ति शर्मा की कप्तानी वाली यह टीम 3 मार्च को गुजरात जायंट्स, 6 मार्च को मुंबई इंडियंस और 8 मार्च को रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु से भिड़ेगी।

घरेलू दर्शकों के सामने खेलने को लेकर उत्साह : कप्तान दीप्ति शर्मा ने शुक्रवार को एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "हमने दो सीजन से अपने घरेलू मैदान पर खेलने का इंतजार किया है और अब यह सपना पूरा हो रहा है। घरेलू दर्शकों के सामने खेलना हमेशा खास होता है, और हम अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन देने के लिए पूरी तरह तैयार हैं।" टीम के कोच जॉन लुईस ने कहा कि यूपी वॉरियर्स की सफलता के लिए अनुकूलनशीलता (एडप्टेबिलिटी) महत्वपूर्ण होगी।

उन्होंने विश्वास जताया कि टीम के पास संतुलित संयोजन है और खिलाड़ी चुनौती के लिए तैयार हैं।

युवा खिलाड़ियों के लिए बड़ा अवसर : युवा खिलाड़ी वृंदा दिनेश ने कहा, "यूपी वॉरियर्स के लिए खेलना मेरे लिए बड़े गर्व की बात है। मैंने अब तक इस अनुभव का पूरा आनंद लिया है और लखनऊ में खेलने को लेकर उत्साहित हूं।"

महिला क्रिकेट को बढ़ावा देने की पहल : कैप्री स्पोर्ट्स की निदेशक जिनिशा शर्मा ने कहा कि यूपी वॉरियर्स न केवल क्रिकेट में बल्कि महिला सशक्तिकरण, शिक्षा और खेल के विकास में भी योगदान दे रहा है। उन्होंने बताया कि टीम यूपी क्रिकेट एसोसिएशन और स्कूलों के साथ मिलकर युवा लड़कियों को क्रिकेट से जोड़ने के लिए प्रयासरत है।

यूपी वॉरियर्स डब्ल्यूपीएल 2025 टीम : कप्तानः दीप्ति शर्मा (कप्तान), उमा छेत्री (विकेटकीपर), चिनेल हेनरी, पूनम खमनार, किरण नवगिरे, दिनेश वृंदा, जॉर्जिया वोल, ग्रेस हैरिस, अलाना किंग, तहलिया मैकग्राथ, श्वेता सेहरावत, अंजलि सरवानी, सोफी एक्लेस्टोन, राजेश्वरी गायकवाड़, साइमा ठाकोर, आरुषि गोयल, क्रांति गौड़, गौहर सुल्ताना।

चैंपियंस ट्रॉफी: अफगानिस्तान से हार से दुखी इंग्लैंड के कप्तान बटलर ने दिया इस्तीफा

एजेंसी, नई दिल्ली

चैंपियंस ट्रॉफी में ग्रुप से बाहर होने के बाद जोस बटलर ने इंग्लैंड के सफेद गेंद के कप्तान के पद से इस्तीफा दे दिया है, उन्होंने घोषणा की कि वह करांची में दक्षिण अफ्रीका के खिलाफ आखिरी बार टीम का नेतृत्व करेंगे। बटलर ने कहा कि वह इंग्लैंड की कप्तानी छोड़ रहे हैं। यह उनके और टीम के लिए सही फैसला है। उम्मीद है कि ब्रेंडन मैकुलम के साथ कोई और आ सकता है जो टीम को वहां ले जाएगा जहां इसकी जरूरत है।

बटलर इंग्लैंड के लिए खेलना जारी रखेंगे और उन्होंने कहा कि वह वास्तव में अपने क्रिकेट का आनंद लेना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि अभी भी हावी भावनाएं उदासी और निराशा हैं। उन्होंने कहा कि उन्हें यकीन है, समय के साथ, यह बीत जाएगा और वह अपने क्रिकेट का आनंद ले सकेंगे और यह भी प्रतिबिंबित करने में सक्षम होंगे कि अपने देश की कप्तानी करना कितना बड़ा सम्मान है और इसके साथ आने वाली सभी विशेष चीजें। बता दें बटलर को जून 2022 में इयोन मोर्गन के उत्तराधिकारी के रूप में नियुक्त किया था और उन्होंने उस साल के आखिर में ऑस्ट्रेलिया में टी20 विश्व कप जीता था, लेकिन लगातार तीन असफल आईसीसी आयोजनों 2023 में 50 ओवर विश्व कप, 2024 में टी20 विश्व कप और 2025 में चैंपियंस ट्रॉफी के बाद अब उनपर दबाव बन गया था। इंग्लैंड क्रिकेट के परिणामों में तेजी से गिरावट आई थी जिसका जिम्मेदार बटलर को माना गया था। बटलर ने अफगानिस्तान से इंग्लैंड की 8 रन से हार के बाद संकेत दिया कि वह साल 10 मैचों में नौवीं हार मिलने पर इस्तीफा दे देंगे। उन्होंने कहा था कि उन्हें सभी संभावनाओं पर विचार करने और इस पर काम करने की जरूरत है कि क्या वह समस्या का हिस्सा हैं या समाधान का।

आज इंग्लैंड-साउथ अफ्रीका के बीच होगा सेमीफाइनल का मुकाबला

भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पहले ही पहुंच चुके हैं सेमीफाइनल में

एजेंसी, नई दिल्ली

आईसीसी चैंपियन ट्राफी 2025 के तीन टीमें सेमीफाइनल में पहुंच चुकी हैं, जबकि चौथी टीम आज होने वाले मैच पर तय होगी। टीम इंडिया के बाद न्यूजीलैंड और ऑस्ट्रेलिया ने सेमीफाइनल्स के लिए क्वॉलिफाई कर लिया है। चौथी टीम साउथ अफ्रीका हो सकती है। साउथ अफ्रीका को सेमीफाइनल में पहुंचने के लिए जीत जरुरी नहीं। ऐसे में कहा जा सकता है कि वर्ल्ड कप 2023 जैसे स्थिति बन सकती है और चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल भी टीम इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच हो सकता है। बता दें वर्ल्ड कप 2023 की सेमीफाइनल्स इंडिया, ऑस्ट्रेलिया, साउथ अफ्रीका और न्यूजीलैंड की टीमों के बीच हुआ था। चैंपियंस ट्रॉफी 2025 में भी यही चार टीमें सेमीफाइनल में पहुंचने वाली हैं, जिनमें से भारत, ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड पहले ही पहुंच चुकी हैं, जबकि साउथ अफ्रीका की टीम को अगर इंग्लैंड के खिलाफ जीत मिलती है तो साउथ अफ्रीका टीम सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी और अगर इंग्लैंड के खिलाफ साउथ अफ्रीका की टीम मैच हार भी जाती है तो भी सेमीफाइनल खेलेगी। इसके लिए साउथ अफ्रीका को अगर इंग्लैंड ने 300 रन बनाए तो 207 या इससे ज्यादा रनों से हार नहीं मिलनी चाहिए। इसके अलावा अगर साउथ अफ्रीका ने पहले बल्लेबाजी की और 300 रन बनाए तो इंग्लैंड को 11.1 ओवर में उस टारगेट को चेज नहीं करने देना चाहिए। अगर इससे बच जाती है और साउथ अफ्रीका की टीम मुकाबला हार भी जाती है तो भी सेमीफाइनल में पहुंच जाएगी, क्योंकि साउथ अफ्रीका के तीन पॉइंट रहेंगे और अफगानिस्तान से उसका नेट रन रेट बेहतर रहेगा। माना जा रहा है कि इंडिया और ऑस्ट्रेलिया के बीच चैंपियंस ट्रॉफी का फाइनल हो सकता है। अगर पहला सेमीफाइनल इंडिया और साउथ अफ्रीका के बीच होता है और दूसरा सेमीफाइनल ऑस्ट्रेलिया और न्यूजीलैंड के बीच और दोनों टीमें अपने सेमीफाइनल्स जीत जाएं तो फिर फाइनल में दोनों का मुकाबला हो सकती है।

शमी खतरनाक गेंदबाज, हमेशा विकेटकीपरों को चुनौती देने का ढूंढते हैं तरीका

केएल राहुल ने किया खुलासा, कीपिंग के अनुभव किए साझा

एजेंसी, दुबई

भारत के विकेटकीपर और बल्लेबाज केएल राहुल ने न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मुकाबले से पहले मोहम्मद शमी और जसप्रीत बुमराह में से खरतनाक कौन? वाले सवाल का जवाब दिया है। बुमराह चोट के कारण चैंपियंस ट्रॉफी में नहीं खेल रहे हैं। उनकी जगह अर्शदीप सिंह को मौका मिला है। इस दौरान टीम इंडिया के लिए तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी प्रभावी प्रदर्शन कर रहे हैं। मोहम्मद शमी का न्यूजीलैंड के खिलाफ प्रदर्शन शानदार रहा है। वह न्यूजीलैंड के खिलाफ आगामी मैच में काफी प्रभावी साबित हो सकते हैं। इस बीच राहुल ने शमी के सामने कीपिंग के अपने अनुभव और चुनौतियों को साझा किया है। राहुल ने खुलासा किया कि मोहम्मद शमी हमेशा विकेटकीपरों को चुनौती देने का एक तरीका ढूंढते हैं, अक्सर उन्हें फुल-लेंथ डाइव लगाने के लिए मजबूर करते हैं। राहुल ने बुमराह से ज्यादा शमी को तवज्जो दी है और कहा कि विकेटकीपिंग के दौरान शमी के खिलाफ मुश्किल बात यह है कि हर खेल में किसी न किसी तरह वह यह तय करते हैं कि मैं पूरी लंबाई में गोता लगाऊं और फिर वह मुझे स्टंप के पीछे शानदार प्रदर्शन करने या कभी-कभी बेवकूफ दिखने के एक या दो मौके देते हैं। उन्होंने कहा कि शमी, बुमराह के साथ मिलकर प्रभाव पैदा करते हैं। राहुल ने हाल के नेट सत्र को याद किया जहां शमी की तेज़ गति ने उन्हें आश्चर्यचकित कर दिया था। उन्होंने कहा कि अभी हाल ही में नेट पर शमी ने मुझे सीधे बैज पर मारा। इसलिए ये सभी चीजें उसे एक बहुत ही मुश्किल गेंदबाज बनाती हैं जिसके खिलाफ खेलना बहुत मुश्किल है। राहुल ने कहा कि बुमराह दूसरे या तीसरे स्पैल में शानदार गेंदबाजी करते हैं। उन्होंने कहा कि मुझे नहीं पता कि इसका किसी चीज से क्या लेना-देना है, लेकिन वह स्टंप के पीछे भी गेंद को डगमगाते हैं। इसलिए यह बहुत चुनौतीपूर्ण है। अपने प्राकृतिक सीम मूवमेंट से परे, राहुल ने शमी की सटीकता और तीक्ष्णता पर जोर दिया, ऐसे पहलू जिनकी अक्सर सराहना नहीं की जाती है। राहुल ने तारीफ करते हुए कहा कि हर कोई इस बारे में बात करता है कि शमी कितना प्रतिभाशाली है।

विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की प्रारंभिक टीम में शामिल हुए नेमार

एजेंसी, रियो डी जेनेरियो

नेमार को कोलंबिया और अर्जेंटीना के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के लिए ब्राजील की प्रारंभिक टीम में शामिल किया गया है। ब्राजील फुटबॉल परिसंघ (सीबीएफ) ने शुक्रवार को उक्त जानकारी दी। 33 वर्षीय खिलाड़ी ने अक्टूबर 2023 में मोंटेवीडियो में उरुग्वे के खिलाफ विश्व कप क्वालीफायर के दौरान अपने बाएं घुटने में एंटीरियर क्रूसिएट लिगामेंट के फटने के बाद से अपने देश का प्रतिनिधित्व नहीं किया है। लंबी रिकवरी प्रक्रिया के बाद, नेमार ने जनवरी में अल-हिलाल से बचपन के क्लब सैंटोस में शामिल होने के बाद से अपने सर्वश्रेष्ठ फॉर्म की झलक दिखाई है। ब्राजील के मैनेजर डोरिवल जूनियर ने रियल बेटिस के विंगर एंटनी, किशोर रियल मैड्रिड के फॉरवर्ड एंड्रिक और एटलेटिको मैड्रिड के सैमुअल लिनो को भी टीम में शामिल किया है, जबकि अनुभवी मिडफील्डर ऑस्कर और साओ पाउलो के साथी लुकास मौरा को भी टीम में शामिल किया है। जैसा कि अपेक्षित था, 52 सदस्यीय सूची में रियल मैड्रिड के हमलावर विनीसियस जूनियर और रोड्रिगो, न्यूकैसल के प्रवर्तक ब्रूनो गुइमारेस और बार्सिलोना के विंगर राफिन्हा शामिल हैं। ब्राजील 20 मार्च को ब्रासीलिया में कोलंबिया से और पांच दिन बाद ब्यूनस आयर्स में अर्जेंटीना से भिड़ेगा।

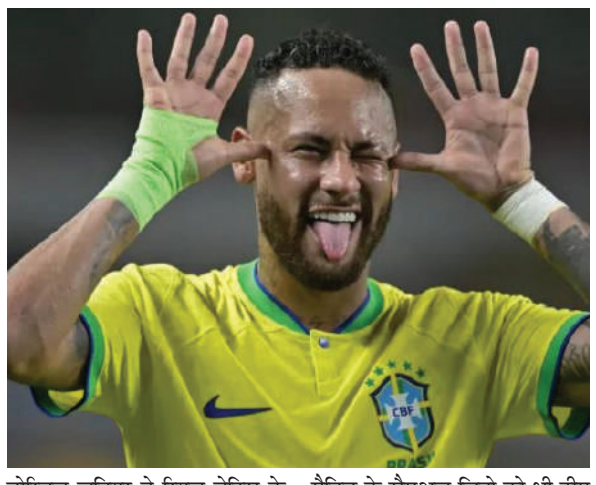

पांच बार का विश्व चैंपियन ब्राजील वर्तमान में 10 टीमों के दक्षिण अमेरिकी समूह में 12 क्वालीफायर से 18 अंकों के साथ पांचवें स्थान पर हैं, जो लीडर अर्जेंटीना से सात अंक पीछे है। डोरिवल द्वारा अगले सप्ताह मैचों के लिए अंतिम 23 सदस्यीय टीम की घोषणा करने की उम्मीद है।

वार्विकशायर ने मैनचेस्टर सिटी के जेम्स थॉमस को प्रदर्शन निदेशक नियुक्त किया

एजेंसी, लंदन

वार्विकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब ने इंग्लिश प्रीमियर लीग के क्लब मैनचेस्टर सिटी के वरिष्ठ अधिकारी जेम्स थॉमस को प्रदर्शन निदेशक नियुक्त किया है। थॉमस वर्तमान में मैनचेस्टर सिटी में प्रदर्शन सेवाओं के निदेशक के रूप में कार्यरत हैं और जून में क्रिकेट जगत में कदम रखेंगे। थॉमस, जो पहले पेशेवर रूप से रग्बी यूनियन खेल चुके हैं, ब्रिटिश जिमनास्टिक्स के प्रदर्शन निदेशक के रूप में भी पांच वर्षों तक काम कर चुके हैं। उनके नेतृत्व में ब्रिटिश जिमनास्टिक्स ने टोक्यो ओलंपिक में पदकों की ओर महत्वपूर्ण प्रगति की थी।

वार्विकशायर की इस नियुक्ति का निर्णय क्लब द्वारा ऑफसीजन के दौरान उच्च प्रदर्शन समीक्षा के बाद लिया गया, जिसके परिणामस्वरूप पुरुषों के मुख्य कोच मार्क रॉबिन्सन को हटा दिया गया था। नई एकीकृत संरचना के तहत, थॉमस को वार्विकशायर पुरुषों, बियर्स महिलाओं और बर्मिंघम फीनिक्स टीमों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। वार्विकशायर के मुख्य कार्यकारी स्टुअर्ट कैन ने कहा, "जेम्स को उच्च प्रदर्शन वाले खेल में एक असाधारण प्रतिभा के रूप में पहचाना जाता है। उन्होंने विभिन्न खेलों में सफलता प्राप्त करने के लिए आवश्यक तत्वों को समझने की अद्भुत क्षमता प्रदर्शित की है।" थॉमस ने इस नियुक्ति पर कहा, "मुझे वार्विकशायर काउंटी क्रिकेट क्लब में प्रदर्शन निदेशक के रूप में शामिल होने की खुशी है। क्लब की अपनी समृद्ध बीयर्स संस्कृति को बनाए रखने और उसे आगे बढ़ाने की प्रतिबद्धता से मैं प्रभावित हुआ हूं।"

जर्मन ओपन के सेमीफाइनल में पहुंची ध्रुव कपिला, तनीषा क्रैस्टो की जोड़ी

एजेंसी, मुलहेम एन डेर रूहर

ध्रुव कपिला और तनिषा क्रैस्टो की भारतीय मिश्रित युगल जोड़ी ने शुक्रवार को यहां चीन के गाओ जिया झुआन और वू मेंग यिंग को सीधे सेटों में हराकर जर्मन ओपन सुपर 300 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश किया। आठवीं वरीयता प्राप्त भारतीय जोड़ी ने 21-14, 21-17 से जीत हासिल की। भारतीय जोड़ी का अंतिम चार में मुकाबला इंडोनेशिया के रेहान नौफल कुशर्जतो और ग्लोरिया एमानुएल विदजाजा से होगा। रक्षिता श्री संतोष रामराज डेनमार्क की मिया ब्लिचफेल्ड से 12-21, 12-21 से हारकर महिला एकल क्वार्टर फाइनल से बाहर हो गईं। थारुण मन्नेपल्ली भी पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में टोमा जूनियर पोपोव से 16-21, 21-17, 21-8 से हारकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए।

प्राग मास्टर्स: प्रज्ञानानंद ने दाई वैन को हराकर दर्ज की पहली जीत

एजेंसी, प्राग

भारतीय ग्रैंडमास्टर आर. प्रज्ञानानंद ने शुक्रवार को प्राग मास्टर्स के तीसरे दौर में चेक गणराज्य के गुयेन थाई दाई वान के खिलाफ शानदार जीत दर्ज की। यह जीत उनके लिए बेहद महत्वपूर्ण रही, क्योंकि पहले दो राउंड में उन्हें ड्रॉ से संतोष करना पड़ा था। खेल निम्जो-भारतीय रक्षा से शुरू हुआ, जिसमें प्रज्ञानानंद ने रणनीतिक बढ़त बनाई। 14वीं चाल में ही उन्हें निर्णायक बढ़त मिल गई, जिसके बाद उन्होंने आसानी से मैच पर नियंत्रण स्थापित कर लिया। हालांकि, बीच के कुछ क्षणों में थोड़े उतार-चढ़ाव आए, लेकिन परिणाम पर कोई संदेह नहीं था। मध्य खेल में दाई वान रक्षात्मक स्थिति में थे, बावजूद इसके कि उनके पास अतिरिक्त मोहरा था। भारतीय ग्रैंडमास्टर ने सूझबूझ और सटीकता से खेलते हुए स्थिति को अपने पक्ष में कर लिया। उन्होंने मामूली पीस के बदले रूक प्राप्त किया और अंततः तकनीकी उत्कृष्टता से जीत सुनिश्चित की। मैच के बाद अपने प्रदर्शन पर बोलते हुए प्रज्ञानानंद ने कहा, "पहले राउंड में कुछ खास नहीं था, मेरी स्थिति अच्छी थी। लेकिन आज की जीत मेरे लिए महत्वपूर्ण थी और इससे मेरा आत्मविश्वास बढ़ा है।" इस जीत के साथ प्रज्ञानानंद टूर्नामेंट में मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं और खिताब के प्रबल दावेदार माने जा रहे हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374
बोकारो, रविवार, 02 मार्च, 2025

बिना डिग्री के इन फील्ड में बना सकते हैं अपना करियर

कई बार पैसों की तंगी के कारण कई लोग अपनी पढ़ाई पूरी नहीं कर पाते हैं। ऐसे में आप बिना किसी डिग्री या कोर्स के इन नौकरियों को कर सकते हैं। इन फील्ड में नौकरी कर आप हर महीने अच्छी कमाई कर सकते हैं।

हर इंसान की यही चाहत होती है कि कॉलेज खत्म होने के बाद उनको एक अच्छी सी जॉब मिल जाए। ताकि वह अपने सपनों को पूरा कर सकें। लेकिन कई बार ऐसा नहीं हो पाता है। वहीं कुछ परिस्थितियों के कारण हम आगे की पढ़ाई नहीं कर पाते हैं। जिसके कारण अच्छी नौकरी मिलने में दिक्कत होती है। अगर आप भी ऐसी ही किसी समस्या से परेशान हैं तो यह आर्टिकल आपके लिए है। आज हम आपको कुछ ऐसी नौकरियों के बारे में बताने जा रहे हैं। जिन्हें आप बिना किसी डिग्री के भी पा सकते हैं।

मेकअप आर्टिस्ट

आज के दौर में हर कोई अच्छा दिखना चाहता है। ऐसे में लोग मेकअप का सहारा लेते हैं। वहीं मेकअप आर्टिस्ट की डिमांड भी तेजी से बढ़ रही है। बता दें कि मेकअप आर्टिस्ट बनने के लिए किसी तरह की डिग्री की जरूरत नहीं होती है। हालांकि आप कुछ ऑनलाइन कोर्सेज जरूर कर सकती हैं। इन ऑनलाइन कोर्स की मदद से आप मेकअप की हर बारीकी को अच्छे से समझ सकती हैं। मेकअप के बारे में अच्छी जानकारी होने के बाद आप बतौर मेकअप आर्टिस्ट अपना करियर शुरू कर सकती हैं। इसके अलावा चाहे तो खुद का सैलून भी खोल सकती हैं। इसमें आपको कमाई के अच्छे अवसर मिलेंगे।

स्टाइलिस्ट

अगर आपको भी डिजाइन में रुचि है तो आप स्टाइलिस्ट को बतौर करियर शुरू कर सकती हैं। बता दें कि यह फील्ड ऐसा है, जहां आपको डिग्री से ज्यादा काम करना आना चाहिए। इस तरह आप वॉरड्रोब स्टाइलिस्ट और फैशन स्टाइलिस्ट बन अपने करियर को नई उड़ान दे सकती हैं। भले ही यह प्रोफेशन थोड़ा अलग है, लेकिन इस फील्ड में आपको शानदार सैलरी दी जाती है।

सेलिब्रिटी मैनेजर

हर एक सेलेब्स अपने काम को मैनेज करने के लिए मैनेजर रखते हैं। क्योंकि अक्सर सेलेब्स को एक साथ कई प्रोजेक्ट्स पर काम करना होता है। इस नौकरी के लिए किसी डिग्री की जरूरत नहीं होती है। इस तरह बिना डिग्री के आप आसानी से सेलिब्रिटी मैनेजर बन सकती हैं। इस फील्ड में सैलरी सुन आप दंग हो जाएंगी।

वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी

अगर आपको भी फोटोग्राफी का शौक है तो वाइल्ड लाइफ फोटोग्राफी को बतौर करियर चुन सकते हैं। इसके लिए किसी डिग्री या कोर्स की आवश्यकता नहीं होती है। बेहतरीन फोटोग्राफी कर आप सोशल मीडिया पर इस फोटोज को सेल कर सकती हैं।

प्रोफेशनल ब्लॉगर

आपने भी कई ब्लॉगर को देखा होगा। जो अलग-अलग विषयों के बारे में जानकारी देते हैं और लोग उनके काम को खूब पसंद भी करते हैं। बता दें कि ब्लॉगिंग आपके लिए एक बेहतरीन ऑप्शन साबित हो सकता है। इस फील्ड में आप बिना किसी डिग्री व कोर्स के लाखों रुपए कमा सकते हैं।

लॉ से ग्रेजुएशन करने के बाद छात्रों के पास कई सारे करियर विकल्प होते हैं। उनमें से सबसे अच्छे ऑप्शंस के बारे में हमनें इस आर्टिकल में बताया है।

लॉ ग्रेजुएशन करने के बाद इंटरेस्ट के अनुसार चुनें करियर ऑप्शन

लॉ के छात्रों के पास वैसे तो कई सारे करियर ऑप्शन हैं, पर अपने इंटरेस्ट के अनुसार एक ऑप्शन चूज करना बहुत महत्वपूर्ण होता है। परंपरागत रूप से कानून के छात्रों से ग्रेजुएशन स्तर की पढ़ाई पूरी करने के बाद मुकदमेबाजी की प्रैक्टिस करने की अपेक्षा की जाती थी। हालाँकि, समय के साथ लॉ में करियर के अवसर बढ़े हैं, जिसने युवाओं को भारत में लॉ को करियर विकल्प के रूप में चुनने के लिए प्रेरित किया है। आइए जानते हैं इनके बारे में।

जज

वकील के अलावा छात्रों के पास जज बनने का भी एक बेहतरीन अवसर होता है। जज बनने के लिए आपको उस राज्य में होने वाली जुडिशरी की परीक्षा को पास करना होता है। यह एक बहुत ही प्रतिष्ठित करियर विकल्प है। न्यायाधीश के रूप में आपके ऊपर क़ानूनी व्यवस्था को सँभालने और उसे लागू करने, महत्वपूर्ण कानूनी निर्णय लेने की जिम्मेदारी होती है।

कॉर्पोरेट वकील

अगर आपको बड़े कॉरपोरेट हाउस में काम करने का मन है, तो आप कॉरपोरेट लॉयर बनकर अपना सपना पूरा कर सकते हैं। कॉर्पोरेट वकील व्यवसायों को उनके कानूनी अधिकारों, दायित्वों और लेनदेन पर सलाह देते हैं। वे सीधे निगमों के लिए या कॉर्पोरेट कानून में विशेषज्ञता वाली कानून फर्मों के लिए काम कर सकते हैं। आपके अनुभव के अनुसार इसमें आपको सैलरी भी काफी अच्छी मिलती है।

लिटिगेशन/ट्रायल वकील

अगर आप कोर्ट में जाकर अपनी वकालत प्रेक्टिस करना चाहते हैं तो आप ट्रायल वकील बन सकते हैं। ट्रायल वकील सिविल और क्रिमिनल मुकदमों में क्लाइंट का प्रतिनिधित्व करते हैं और अदालत में उनकी ओर से वकालत करते हैं। हाई-प्रोफाइल मामलों को संभालने से आपको पैसे और शोहरत दोनों मिलती हैं। कोर्ट में प्रैक्टिस शुरू करने से पहले आपको अपनी रूरुक्ष खत्म करने के बाद ऑल इंडिया बार काउंसिल की परीक्षा पास करनी होती है और फिर उसके बाद अपने संबंधित राज्य में उसके बार काउंसिल में रजिस्ट्रेशन कराना होता है।

सरकारी वकील

सरकारी वकील सरकार की तरफ से केस लड़ते हैं। वे स्थानीय, राज्य या संघीय स्तर पर विभिन्न सरकारी एजेंसियों के लिए काम करते हैं। वे कानूनी मामलों पर सलाह देते हैं और मुकदमेबाजी में सरकार का प्रतिनिधित्व करते हैं।

अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन

अल्टरनेटिव डिस्प्यूट रेजोल्यूशन एक तरीका है जिसमें विवादों को सुलझाने के लिए कोर्ट के बाहर के विकल्पों का उपयोग किया जाता है। इसमें कोर्ट की लंबी प्रक्रिया और लागत से बचा जा सकता है। इसके तहत कई प्रकार के तरीके शामिल होते हैं, जैसे मीडिएशन और आरबिट्रेशन। इसका उद्देश्य विवाद को जल्दी से सुलझाना होता है। इसमें आप एक मिडिएटर के रूप में काम कर सकते है।

कंटेंट राइटर

अनुभव और एक मजबूत पोर्टफोलियो वाले कानून के छात्रों के लिए लीगल कंटेंट राइटिंग एक प्रोमिसिंग और डायनामिक करियर ऑप्शन है। इसमें आपको काफी हाई पेइंग जॉब्स मिल जाते हैं जो आपके एक्सपीरियंस के अनुसार बढ़ती रहती है। आप सब्जेक्ट मैटर एक्सपर्ट बन सकते हैं। इसके साथ-साथ आप लीगल कंसलटिंग और जर्नलिज्म में भी काम कर सकते हैं।

लीगल एडवाइजर

लीगल एडवाइजर के रूप में आप व्यवसायों और संगठनों को कानूनी मामलों पर एक्सपर्ट एडवाइस प्रदान करते हैं। आप इंडिपेंडेंट या कंसल्टेंसी फर्म के जरिए काम कर सकते हैं। लीगल एडवाइजर्स की आज के टाइम में बहुत ज्यादा डिमांड है। सभी बिजनेस को विभिन्न कानूनी मुद्दों पर विशेष ज्ञान और मार्गदर्शन की आवश्यकता होती है।

लॉ प्रोफेसर

लॉ प्रोफेसर लॉ स्कूलों में पढ़ाते हैं और लीगल रिसर्च करते हैं। टीचिंग हमेशा से एक नोबल प्रोफेशन रहा है और आप एक लॉ टीचर बन के छात्रों के साथ हमेशा जुड़े रह सकते हैं और उन्हें सही मार्गदर्शन दे सकते हैं। सरकारी कॉलेज में टीचर की सैलरी पैकेज भी बहुत अच्छे होते हैं।

जज एडवोकेट जनरल अधिकारी

यदि आपका सपना इंडियन आर्म्ड फोर्सज ज्वाइन करने का है तो आप लॉ की पढ़ाई के बाद भी इसे ज्वाइन कर सकते हैं। आप जज एडवोकेट जनरल बनकर सेना में शामिल हो सकते हैं। भारतीय सेना का JAG अधिकारी मेजर होता है जो सेना के कानूनी और न्यायिक प्रमुख के रूप में कार्य करता है। एक JAG अधिकारी सैन्य कानून या नीतियों की व्याख्या और उन्हें लागू करने में कोर्ट-मार्शल के पीठासीन अधिकारियों की मदद करता है।

इंजीनियरिंग के किस सेक्टर मे है सबसे ज्यादा सैलरी

अगर आप भी करना चाहते हैं इंजीनियरिंग तो यह खबर आपके लिए है। बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस किस कोर्स को करना बेहतर होगा। किस इंजीनियरिंग सेक्टर मे सबसे ज्यादा सैलरी है आइए जानते हैं।

12वीं पास छात्र इंजीनियरिंग में करियर बनाने का सपना देख रहे हैं। लेकिन समझ नहीं आ रहा किस ब्रांच का चुनाव करना सही है। चिंता छोड़िए और हम आपको बताएंगे कि बीटेक कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस किस कोर्स को करना बेहतर होगा। बीटेक कंप्यूटर साइंस के साथ अब बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस कोर्स भी मार्केट में काफी डिमांड में है। किस इंजीनियरिंग सेक्टर मे सबसे ज्यादा सैलरी है आइए जानते हैं।

बीटेक कंप्यूटर साइस

अगर आप इंजीनियरिंग में करियर बनाना चाहते हैं तो आप कंप्यूटर एप्लीकेशन, सॉफ्टवेयर डेवलपमेंट और डेटा बेस एनालिसिस के लिए बीटेक कंप्यूटर साइस कोर्स कर सकते हैं।

बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस

जब से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आया तब से इसकी काफी डिमांड हो गई है। आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस के जरिए लोग फोटो, लिखना और वॉइस आवाज निकाल रहे हैं। इसकी मांग काफी बढ़ रही है। कई टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज में बीटेक आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और रोबोटिक्स जैसे कोर्स शुरु किए गए हैं।

किस कोर्स में सबसे ज्यादा कमाई

आज के समय को देखा जाए तो बीटेक कंप्यूटर साइंस डिग्री वालों को हाई सैलरी पर नौकरी मिलती है। वहीं, आने वाले समय में बीटके आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की डिमांड बढ़ने वाली है। आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस की जानकारी रखने वाले को लाखों का पैकेज मिल सकता है।

कौन कोर्स बेस्ट?

12वीं के बाद छात्रों को टॉप इंजीनियरिंग कॉलेज से बीटके कंप्यूटर साइंस या आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस का कोर्स कर सकते हैं। जानकारी के लिए बता दें कि आर्टिफिशयस इंटेलिजेंस के कई शॉर्ट टर्म कोर्स भी शुरु किए हैं। जिसे आप कर सकते हैं और आपको नौकरी मिल जाएगी।

दुनिया में हर प्रकार का प्राणी हैं। कई लोग मेहनती होते हैं तो कुछ महा-आसली होते हैं। वहीं, कई तो लोग नौकरी के लिए ऑफिस का हर काम करने के लिए तैयार रहते हैं तो कुछ ऑफिस जाने के नाम से ही जी चुराने लगते हैं। अगर आप भी भागदौड़ वाली नौकरी नहीं करना चाहते तो आप घर बैठे इन नौकरियों से कमा सकते हैं लाखों रुपये।

...अगर आप भागदौड़ वाली नौकरी नहीं करना चाहते

कोरोना काल के बाद से वर्क फॉम होम का कल्चर काफी चल गया है। तब से वर्क कल्चर काफी बदल गया। आज भी कुछ जगह हाइब्रिड मोड में काम चल रहा है। आज भी कंपनियों ने एंप्लॉइज को परमानेंट घर से काम करने की सुविधा दे रखी है। हालांकि, कुछ लोग ऐसे भी हैं, जो फिर से ऑफिस में जाकर काम नहीं करना चाहते हैं। इन लोगों को आप चाहे आलसी कहो या फिर घर से काम करने की आदत हो गई है। आइए आपको बताते हैं कुछ ऐसी नौकरियां जिन्हें आप कर सकते हैं। जहां आपको ऑफिस जाने की जरुरत नहीं है।

शॉपिंग कंसल्टेंट

आमतौर पर शॉपिंग कंसल्टेंट काफी डिमांड में हैं। बता दें कि, इन्हें आप पर्सनल शॉपर भी कहा जाता है। अगर आपको शॉपिंग का शौक है और स्टाइलिंग तो यह जॉब आपके लिए ही है। नामी इंफ्लुएंसर्स, एक्टर्स, एक्ट्रेसेस और बिजनेसमेन मार्केट में पहचाने जाने की वजह से और बिजी लाइफस्टाइल की वजह से खुद शॉपिंग करने नहीं जाते हैं। वह शॉपिंग कंसल्टेंट या पर्सनल शॉपर हायर कर लेते हैं। आप भी कर सकते हैं यह मजेदार जॉब।

बुक रिव्यू जॉब

अगर आप बुक पढ़ने के शौकीन हैं तो आप अपने शौक को अच्छी कमाई में बदल सकते हैं। इस कार्य को आप प्रोफेशनली भी कर सकते हैं। सबसे अच्छी बात है कि आप जहां से चाहें, वहां से बुक्स रिव्यू कर सकते हैं। इसके लिए आपको ऑफिस जाने की जरुरत नहीं है। आप खुद भी लेखकों से टाई अप कर सकते हैं या किसी पब्लिशिंग हाउस से बात कर सकते हैं। आप बुक रिव्यू के ब्लॉग्स भी बना सकते हैं।

फूड क्रिटिक

आप खाना-पीने के शौकीन हैं तो यह जॉब आपके लिए है। शुरुआत में आपको अपना नाम बनाने के लिए थोड़ी मेहनत करनी होगी, फिर आपको रेस्त्रां और कैफे वाले खुद ही इनविटेशन भेजने लगेंगे। फूड क्रिटका काम होता है, खाने-पीने की चीजों का रिव्यू देना। इस कार्य में ईमानदारी होनी चाहिए तभी लोग आपको आपके काम से पहचानेंगे। इस नौकरी में कोई वर्किंग आवर्स निश्चत नहीं होते हैं। आप अपनी मर्जी और शेड्यूल के हिसाब से यह काम कर सकते हैं।

मैट्रेस टेस्टर जॉब

सोना तो सभी को पसंद है, अगर आप भी कुंभकरण की तरह सोते हैं, तो यह जॉब आपके लिए है। आपको सोने के पैसे भी मिलेंगे। दरअसल, गद्दे, तकिए बनाने वाली कई कंपनियां मैट्रेस टेस्टर हायर करने लगी हैं। इनका काम होता है गद्दे पर सोकर इसकी क्वालिटी टेस्ट करना और आपको बढ़िया सैलरी भी मिलेगी। वहीं स्लीपिंग पैटर्न पर रिसर्च करने वाले एक्सपर्ट भी लोगों को सोने के बदले लाखों रुपये देते हैं।

वाइन टेस्टिंग जॉब

अगर आप वाइन पीते हैं तो यह नौकरी आपके लिए है। इसे टेस्ट करने से आप अपना घर चला सकते है । विदेशों की तरह अब भारत में भी टेस्टिंग जॉब्स खूब है। बता दें कि वाइन बनाने वाली कंपानियां और बार आदि में वाइन टेस्टर बुलाए जाते हैं। इन्हें नई वाइन पर अपना फीडबैक देना होता है। फ्रेशर के तौर पर आप 10-20 हजार रुपये कमा सकते हैं। कुछ सालों बाद जब अनुभव हो जाएगा तब आप 50 हजार रुपये कमा सकते हैं।

हिन्दी दैनिक
राष्ट्रीय मुख्यधारा
अख़बार भी, आन्दोलन भी
RNI : JHAHIN/2014/54374

सिकंदर की स्क्रिप्ट में आखिरी समय पर हुआ बदलाव, सलमान खान ने फिल्माया फिल्म का पोस्ट-क्रेडिट गाना

सलमान खान ने हाल ही में सऊदी अरब में एक अंतर्राष्ट्रीय फिल्म के लिए अपने हिस्से की शूटिंग पूरी की है। सुपरस्टार 24 फरवरी को खाड़ी में वापस लौटे और बीते दिन सिकंदर के लिए फिर शूटिंग की। दरअसल, एआर मुरुगादोस की एक्शन फिल्म की शूटिंग पूरी तरह से खत्म होने वाली है, लेकिन इस बीच निर्माताओं ने आखिरी समय में एक पोस्ट-क्रेडिट गाना शामिल करने का फैसला किया। टीम वर्तमान में गोरेगांव के फिल्म सिटी में रॉयल गोल्ड स्टूडियो में फुट-टैपिंग नंबर की शूटिंग कर रही है।

आखिरी समय पर जोड़ा गया गाना

रिपोर्ट्स के अनुसार, यह गाना आखिरी समय में जोड़ा गया था, लेकिन सलमान और निर्माता साजिद नाडियाडवाला को लगा कि यह दर्शकों का ध्यान खींचने का एक शानदार तरीका होगा। इसे बहुत बड़े पैमाने पर शूट किया जा रहा है और यह प्रमोशनल धमाकेदार अभियान का एक अभिन्न हिस्सा होगा।

इस दिन पूरी होगी फिल्म की शूटिंग

अगर सबकुछ योजना के मुताबिक हुआ तो अगले हफ्ते तक टीम इस ट्रैक को पूरा कर लेगी। इसके साथ ही मुरुगादॉस 8 मार्च को सिकंदर की शूटिंग पूरी कर लेंगे, जिसमें रश्मिका मंदाना मुख्य भूमिका में हैं। यह शूटिंग शुरुआती योजना से थोड़ी देर बाद होगी। टीम को राजकोट में दो दिन शूटिंग करनी थी, लेकिन वे हिस्से पहले ही मुंबई में शूट हो चुके हैं।

सलमान खान के लिए खास गाना

फिल्म की टीम के अनुसार, सलमान की फिल्मों में गानों की भूमिका हमेशा अहम रही है, चाहे वह जुम्मे की रात हो या स्वैग से स्वागत। इस ट्रैक के लोगों की यादों में बने रहने की उम्मीद है। इस वजह से आखिरी समय पर फिल्म में यह गाना डाला गया है, ताकि यह चार्टबस्टर बन सके। वहीं, इस साल का सबसे मशहूर गाना भी हो।

इस दिन रिलीज होगी फिल्म

वहीं, बात करें सिकंदर के कलाकारों के बारे में तो एआर मुरुगादॉस द्वारा निर्देशित इस फिल्म में रश्मिका मंदाना और काजल अग्रवाल भी मुख्य भूमिकाओं में हैं। सलमान के साथ यह रश्मिका की पहली फिल्म है। यह फिल्म ईद के मौके पर 28 मार्च, 2025 को सिनेमाघरों में आने वाली है।

फिल्में हैं पहला प्यार लव लाइफ के बारे में बोलीं सामांथा रुथ प्रभु

सामांथा रुथ प्रभु ने तकरीबन एक साल के बाद फिल्म इंडस्ट्री में दोबारा कदम रखा है। वह मायोसाइटिस बीमारी से जूझ रही थीं। सिटाडेल फिल्म की एक्ट्रेस ने फिल्म में लौटने को लेकर अपना अनुभव साझा किया है। उन्होंने बताया है कि यह उनका पहला प्यार है।

इन प्रोजेक्ट पर काम करने वाली हैं सामांथा

सामांथा रुथ प्रभु ने एक इंटरव्यू में अपने आने वाले प्रोजेक्ट के बारे में बात ही है। सामांथा ने बताया है कि वह जल्द ही बंगाराम फिल्म से बतौर फिल्म निर्माता डेब्यू करने वाली हैं। उन्होंने बताया है कि रक्त ब्रह्मांड सीरीज को भी प्रोड्यूज करने वाली हैं। यह सीरीज अभी प्रोडक्शन फेज में है।

फिल्म है सामांथा का पहला प्यार

सामांथा रुथ प्रभु ने बताया मुझे जल्द ही रक्त ब्रह्मांड को खत्म करके दूसरी फिल्मों का काम पूरा करना है, जो अगले महीने में रिलीज होने वाली हैं। एक या दो महीने में बहुत काम हैं जो खत्म करने हैं। उन्होंने फिल्मों को लेकर अपने प्यार के बारे में बताया है। मुझे लगता है कि फिल्मों से मेरी दूरी अब खत्म हो चुकी। यह मेरा पहला प्यार है। सामांथा रुथ प्रभु को पिछली बार सिटाडेल; हनी बनी में वरूण धवन के साथ देखा गया था। फिल्म का निर्देशन राज डीके ने किया था।

लव लाइफ को प्राइवेट रखेंगी

सामांथा रुथ प्रभु ने इंटरव्यू में बताया है कि अपनी लव लाइफ को बहुत प्राइवेट रखेंगी। उन्होंने कहा कि सामांथा सिंगल हैं। मुझे नहीं लगता कि मैं दोबारा अपनी लव लाइफ के बारे में किसी से बात करूंगी। ये ये मेरी जिंदगी का हिस्सा है, मैंने इसे बहुत ही निजी रखने के बारे में सोचा है। मैं इसके बारे में दोबारा बात नहीं करूंगी।

मैंने कभी भी एक जैसा रोल नहीं निभाया

भूमि पेडनेकर की फिल्म मेरे हस्बैंड कर बीवी रिलीज हो गई है। इस फिल्म में उनके साथ अर्जुन कपूर और रकुल प्रीत सिंह भी लीड रोल में हैं। अब भूमि ने एक इंटरव्यू में कहा... मैंने कभी एक ही तरह की महिला का किरदार नहीं निभाया। मैंने हमें एक अलग बोली अपनाई है। अपनी फिल्मों के लिए मेरी भाषा पर पकड़ और नियंत्रण बहुत अच्छा है, इसलिए मुझे नहीं लगता कि मैं कभी एक तय खांचे में फिट रही हूं। ईमानदारी से कहूं तो मैं इस डर से काम के लिए ना नहीं करने वाली कि मुझे एक निश्चित किरदार के साथ सीमित कर दिया जाएगा। मैं इसकी चिंता नहीं करती। मैं बहुत खुशनसीब हूं कि पिछले 10 सालों में मुझे अलग-अलग काम करने का अवसर मिला है। मुझे अपने काम पर बहुत गर्व है। मैं जानती हूं कि महिलाएं हमेशा सवालों के कटघरे में रही हैं और रहती हैं।

कैंसर के इलाज के बाद शूटिंग पर लौटने के लिए तैयार शिवा राजकुमार, आरसी 16 पर साझा किया अपडेट

साउथ सुपरस्टार शिवा राजकुमार ने हाल ही में कैंसर से अपनी लड़ाई और कीमोथेरेपी के दौरान फिल्मांकन के दौरान सामना किए गए संघर्षों के बारे में बात की। जब अभिनेता को कैंसर का पता चला था तो उन्हें सर्जरी के लिए संयुक्त राज्य अमेरिका के मियामी कैंसर संस्थान में भर्ती कराया गया था। अभिनेता एक सफल प्रक्रिया से गुजरे और अब वह अपनी आगामी फिल्मों के सेट पर लौटने के लिए तैयार हैं।

डरे हुए थे अभिनेता

हाल ही में शिवा राजकुमार ने बताया कि कैसे उन्होंने कीमोथेरेपी के दौरान काम करना जारी रखा। उन्होंने कहा, जब मुझे पता चला तो मैं डर गया, जैसा कि कोई भी होगा। डर का कारक हमेशा होता है, लेकिन सवाल यह था कि इसके बारे में क्या किया जा सकता है? आपको इसका सामना करना होगा। मैंने केवल एक ही सवाल पूछा कि क्या मैं यह प्रोजेक्ट 45 द मूवी पूरा कर सकता हूं।

इलाज के दौरान काम जारी रखा

उन्होंने आगे बताया, मैं डांस कर्नाटक डांस में जज भी था और अगर मैं कीमो लेता तो मेरे बाल झड़ जाते। मैं थोड़ा चिंतित था। उन्होंने बताया कि डॉक्टरों ने उन्हें जल्द ही थेरेपी शुरू करने की सलाह दी, लेकिन उन्हें प्रोत्साहित किया और कहा कि वे आवश्यक उपचार के दौरान काम करना जारी रख सकते हैं। जब उनसे पूछा गया कि क्या कीमोथेरेपी के दौरान एक्शन सीन्स की शूटिंग के दौरान उन्हें दर्द का अनुभव हुआ तो शिवा राजकुमार ने कहा, मैं थका हुआ रहता था। मैं कीमो सेशन के दो दिन बाद ही शूटिंग के लिए जाता था। जब आप 45 का क्लाइमेक्स देखेंगे तो आप चौंक जाएंगे, यह सोचकर कि शिवन्ना ने ऐसा कैसे किया?... मुझे लगता है कि भगवान ने मुझे इससे बाहर निकलने में मदद की।

अभिनेता ने आगामी फिल्मों पर साझा किया अपडेट

उन्होंने अपने परिवार, फिल्म बिरादरी और अपने प्रशंसकों से मिले समर्थन को भी स्वीकार किया, जिसने उन्हें इस स्थिति से बाहर निकलने में मदद की। साथ ही शिवा राजकुमार ने अपनी अगली फिल्मों पर भी जानकारी साझा की। उन्होंने कहा, मेरी 131वीं फिल्म की 20-25 प्रतिशत शूटिंग हो चुकी है। मुझे अब उस पर काम करना शुरू करना है। मैं राम चरण की फिल्म आरसी 16 में एक स्पेशल परफॉर्मेंस कर रहा हूं। मेरे पास हेमंत के साथ एक फिल्म है। उन्होंने आगे कहा, मैं 3 मार्च से अपनी आगामी फिल्मों की शूटिंग फिर से शुरू करूंगा। मैं 5 मार्च को हैदराबाद में राम चरण की आरसी 16 की टीम में शामिल हो जाऊंगा और 8 मार्च तक शूटिंग करूंगा।

अंग्रेजी और कन्नड़ भाषा में होगी शूट टॉक्सिक

'केजीएफ' फेम एक्टर यश की फिल्म टॉक्सिक पहली ऐसी बड़े पैमाने की भारतीय फिल्म होगी जिसका लेखन और फिल्मांकन अंग्रेजी और भारतीय भाषा कन्नड़ दोनों में किया जाएगा। फिल्म को हिंदी, तेलुगु, तमिल और मलयालम सहित कई भारतीय और अंतर्राष्ट्रीय भाषाओं में डब किया जाएगा। यश की 'टॉक्सिक' को निर्देशक गीतू मोहनदास ने लिखा और निर्देशित किया है। वह क्रॉस-कल्चरल स्टोरीटेलिंग को फिर से परिभाषित करने के लिए तैयार है। अंग्रेजी और कन्नड़ दोनों में शूट की गई इस फिल्म का उद्देश्य विश्व स्तर पर अपनी मौजूदगी दर्ज कराना है। कन्नड़ भारतीय दर्शकों को बारीकियों से समझती है, जबकि अंग्रेजी दुनिया भर में इसकी पहुंच सुनिश्चित करती है। फिल्म को लेकर इसकी निर्देशक गीतू मोहनदास कहती हैं, टॉक्सिक के लिए हमारा विजन एक ऐसी कहानी तैयार करना था, जो भारत और वैश्विक स्तर पर दर्शकों के साथ तालमेल बिठा सके। हमने कन्नड़ और अंग्रेजी दोनों में कहानी की बारीकियों को पकड़ने का प्रयास किया है, जिससे अलग-अलग भाषा और सांस्कृतिक पृष्ठभूमि के दर्शकों के लिए एक प्रामाणिक मिल सके। टॉक्सिक कलात्मक दृष्टि और व्यावसायिक कहानी कहने की सटीकता रखती है। इसे दुनिया भर के दिलों और दिमागों से जुड़ने के लिए डिजाइन किया गया है।

मेकर्स को पठान का प्रीक्वल बनाना चाहिए

जॉन अब्राहम इन दिनों अपनी फिल्म डिप्लोमेट को लेकर चर्चा में हैं। इस फिल्म में जॉन ने असल डिप्लोमेट रहे जेपी सिंह का रोल किया है। फिल्म की कहानी पाकिस्तानी में फंसी, भारत की एक बेटी को सुरक्षित घर वापस लाने की है। इस फिल्म को लेकर जॉन खुश हैं। साथ ही वह चाहते हैं कि प्रोड्यूसर आदित्य चोपड़ा फिल्म पठान का प्रीक्वल भी बनाएं। एक इंटरव्यू में एक्टर जॉन अब्राहम कहते हैं... मैं किसी फ्रैंचाइज फिल्म का हिस्सा तभी बनता हूं, जब उसमें मेरा किरदार खास होता है। जैसे फिल्म पठान में जिम का मेरा रोल बहुत ही कूल, स्पेशल था। आदित्य चोपड़ा को पठान का प्रीक्वल बनाना ही चाहिए। इसमें मेरे किरदार जिम की बैंक स्टोरी क्या है, इसे दिखाया जा सकता है। उम्मीद है कि हम इस फिल्म का प्रीक्वल करेंगे। पठान में जॉन अब्राहम विलेन के रोल में थे, इस किरदार में कई लेयर्स देखी गईं। जॉन फिल्म डिप्लोमेट के अलावा कुछ और फिल्मों में भी अभिनय कर रहे हैं। इसमें तेहरान और तारिक जैसी फिल्में भी शामिल हैं। इन फिल्मों से जॉन बतौर प्रोड्यूसर भी जुड़े हुए हैं।

मैं स्मिता पाटिल का बोया हुआ एक छोटा सा पेड़ हूं

इन दिनों अपनी वेब सीरीज ऊप्स! अब क्या? को लेकर चर्चा बटोर रहीं सोनाली थिएटर से लेकर मराठी सिनेमा, हिंदी फिल्मों से लेकर ओटीटी, हर जगह सक्रिय हैं। ऐसे में सोनाली से विविध पहलुओं पर की खास बातचीत -

आपने महज 26 साल की उम्र में फिल्म मिशन कश्मीर में रितिक रोशन की मां का रोल किया था, जबकि करियर के शुरुआत में ही दायरा जैसी बोल्ड फिल्म के हां कहना भी हिम्मत का काम है। यह हिम्मत कहां से लाती हैं?

निश्चित तौर पर यह साहसी काम है। मिशन कश्मीर मेरी पहली बड़ी कमर्शल फिल्म थी, जिसमें मैं एक मां थी। अभी ऊप्स ! अब क्या? में भी मैं एक मां हूं, पर मेरे बच्चे छोटे होते जा रहे हैं (हंसती हैं)। मिशन कश्मीर में बेटा बड़ा था, जबकि आज 25 साल बाद इस सीरीज में बच्ची छोटी है। ये इंडस्ट्री का कॉम्प्लिमेंट है मेरे लिए कि वे मुझे अलग-अलग रोल में कुबूल कर रहे हैं, क्योंकि हम देखते-सुनते आए हैं कि आप पर एक टैग लग जाता है, तो फिर वैसा ही काम मिलता है, पर मैं अलग-अलग भाषाओं, अलग-अलग जॉनर में लगातार काम करती रही, क्योंकि विधु वनोद चोपड़ा, फरहान अख्तर, राम गोपाल वर्मा जैसे निर्देशकों ने मुझ पर भरोसा दिखाया। इसलिए लगा कि मुझे क्यों डरना चाहिए। अगर मैं जब्बार पटेल के साथ मुक्ता या डॉक्टर अंबेडकर जैसी फिल्में नहीं करती तो मुझे देश की सोशियो पॉलिटिकल सिचुएशन समझ ही नहीं आती। जब आप काबिल लोगों के साथ काम करते हैं, तो आपकी सोच बड़ी होती है। दायरा ने मुझे सिखाया कि असल मर्दानगी क्या होती है? एक औरत होना क्या होता है? तो जो स्कूल और कॉलेज ने मुझे नहीं सिखाया, वह फिल्मों ने सिखाया है।

सीरीज में आपका ऑनस्क्रीन मां अपरा मेहता और बेटी श्वेता बसु के साथ जो रिश्ता दिखाया गया है, वह बहुत ही खूबसूरत है। निजी जिंदगी में आपका अपनी मां और बेटी के साथ कैसा रिश्ता है?

मेरी मां जिस तरह की इंसान हैं, मैं उनकी बहुत बड़ी फैन हूं। मैं बहुत ही निम्न मध्यमवर्गीय परिवार से हूं। हमारे लिए हमारे संस्कार सबसे महत्वपूर्ण हैं। मेरी मां ने जो मूल्य हमें सिखाए कि किसी को ठेस ना पहुंचाओ, वक्त की कद्र करो और दुनिया में सबसे बड़ी कमाई अच्छा रिश्ता है, वे अब भी बरकरार हैं। मेरी मां बहुत मजेदार हैं। उनको किस्से सुनाना, लोगों को हंसाना अच्छा लगता है। उनकी तबीयत अभी थोड़ी ठीक नहीं है, फिर भी हमेशा हंसती रहती हैं। वहीं, मेरी बेटी कावेरी उन्हीं का वर्जन है। बहुत क्रिएटिव है, पोएटिक है। वह 13 साल की है, मगर मुझे अच्छा लगता है कि वह काफी मासूम है। वरना उसकी उम्र के बच्चों को मैं देखती हूं कि वे अपनी उम्र से कहीं ज्यादा मैच्योर हैं। वह सेंसिटिव है। आसपास वाले उसे नेचर लवर कावेरी बोलते हैं। मैं भी उसे यह आजादी देती हूं कि उसे जो पसंद है वो करे। जैसे, मेरी सोसायटी में बहुत से बच्चे स्केट्स करते हैं, वह नहीं करती है, तो मैं जबरदस्ती नहीं करती। जरूरी नहीं कि हर बच्चा एक रेस में दौड़े।

कई बार आपकी तुलना महान स्मिता पाटिल से भी होती है। आपको स्मिता पाटिल सम्मान से भी नवाजा गया है। इसे कितनी जिम्मेदारी से लेती हैं?

जब शुरू में मैंने यह सुना तो सातवें आसमान में पहुंच गई थी। मैं स्मिता पाटिल की बहनों से मिली थी और उनकी आंखों में जब यह बात देखी तो खुशी हुई। मगर बाद में लगा कि लोग क्या बोल रहे हैं। मेरी स्टाइल अलग है। आपको एक किस्सा सुनाती हूं। मेरी दिल चाहता है रिलीज हो गई थी। हर तरफ फिल्म की चर्चा थी। हमारा एक बड़ा इवेंट था। वहीं, मेधा पाटकर एक नाटक के लिए आने वाली थीं। मैं मेधा जी से मिली, उन्हें कहा कि आपकी बड़ी प्रशंसक हूं। उन्होंने मुझे गले लगाया और पूछा-आपका नाम? मैं दंग रह गई कि इन्होंने मुझे पहचाना नहीं। मुझे लग रहा था कि मुझे तो सब जान चुके हैं, दिल चाहता है के बाद। बाद में मैंने एक लेख लिखा। असल में, स्मिता पाटिल मेरे स्कूल में आई थीं। मैंने स्मिता जी के साथ मिलकर एक पेड़ लगाया था, तो मैंने लिखा- मैं एक छोटा सा पेड़ हूं, जो स्मिता ताई ने बोया है। इसलिए, मैं बहुत कृतज्ञता से इस कॉम्प्लिमेंट को स्वीकार करती हूं।

सीरीज में ऐसी ऊप्स हैं, जब हालात किसी के कंट्रोल में नहीं होते। आपके साथ कभी ऐसा उप्स मोमेंट हुआ है?

सिंघम की शूटिंग के दौरान हुआ था। मेरे हिस्से का शूट खत्म हो गया था। मैं प्रेग्नेंट थी तो सबने बधाई दी। फिर 4-5 महीने बाद फोन आया कि सोनाली तुम्हें एक सीन करना पड़ेगा, क्योंकि सिंघम की कहानी तुमसे शुरू होती है तो आखिर में एक सीन में तुम्हारा रहना जरूरी है। मैंने कहा कि मैं तो प्रेग्नेंट हूं, तो सबने कहा कि अरे हां, तुमने बताया था। कितने महीने हुए, तो मैंने कहा कि मैं प्रेग्नेंट दिख रही हूं। साढ़े छह महीने हो चुके थे, तो उन्होंने कहा कि कोई नहीं, मिड शॉट ले लेंगे, डार्क कलर दे देंगे पर जब मैं सेट पर गई तो रोहित सर और अजय दोनों खड़े हो गए कि फिल्म की शुरुआत होती है कि अजय एक विधवा के लिए लड़ाई लड़ रहे हैं और फिल्म के अंत में वो विधवा प्रेग्नेंट है। मेरे लिए वह बड़ा ऊप्स मोमेंट था।